नई दिल्ली
शुक्रवार, 28 मार्च 2025
चैत्र मास कृष्ण पक्ष,
चतुर्दशी वर्ष : 28, अंक : 347
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 37.0
न्यून. 18.0

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बाजार का हाल

मार्केट	बंद	उछाल
सेंसेक्स	77,606.43	317.93 ▲
निफ्टी	23,591.95	105.10 ▲
धातु	**कीमत**	**तेजी**
सोना	91,050 /-	365/- ▲
चांदी	1,01,700/-	200/- ▲

(सोना प्रति 10 ग्राम और चांदी प्रति किलो रु. में)

मुद्रा	प्रति डॉलर	गिरावट
रुपया	85.77	8 पैसे ▼
क्रूड ऑयल	73.62/ बैरल	0.23% ▼

पेट्रोल दिल्ली में 94.72 रु. लीटर और डीजल 87.62 रु. लीटर बिक रहा है।

सीजेआई खन्ना ने बार एसोसिएशन्स को दिया भरोसा, कहा- तबादले की मांग पर करेंगे विचार

जस्टिस वर्मा कैश कांड : इलाहाबाद उच्च न्यायालय किया गया है तबादला, बार कर रहा है तबादला वापस लेने की मांग

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा के सरकारी घर से कथित तौर पर आधी जली हुई नकदी मिलने के मामले को लेकर गुरुवार को अलग-अलग राज्यों की हाईकोर्ट के बार एसोसिएशन के अधिवक्ता मुख्य न्यायाधीश से मिलने सुप्रीम कोर्ट पहुंचे। उन्होंने मामले में एफआईआर दर्ज करने की मांग की। इलाहाबाद उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल तिवारी ने बताया कि मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने आश्वासन दिया है कि वे न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के ▶▶ शेष पेज 5 पर

उच्च न्यायालय इलाहाबाद, लखनऊ पीठ, गुजरात, केरल, कर्नाटक और मध्य प्रदेश की जबलपुर पीठ के बार एसोसिएशनों के प्रतिनिधियों ने गुरुवार दोपहर को मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना समेत न्यायमूर्ति बीआर गवई, न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति विक्रम नाथ से मुलाकात की।

जस्टिस वर्मा को यहां भेजे जाने के खिलाफ इलाहाबाद उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन अनिश्चितकालीन हड़ताल पर है

ज्ञापन में यह की गई मांग

जस्टिस वर्मा से सभी प्रशासनिक कार्य भी वापस लिए जाएं

अलग-अलग राज्यों के हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने मुख्य न्यायाधीश को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मामले में एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई। साथ ही मामले में पारदर्शिता अपनाने, दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की रिपोर्ट और अन्य सामग्री को सर्वोच्च न्यायालय की वेबसाइट पर सार्वजनिक करने के लिए मुख्य न्यायाधीश के फैसले की सराहना की गई। ज्ञापन में कहा गया कि बार एसोसिएशन मांग करती है कि न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा का स्थानांतरण ▶▶ शेष पेज 5 पर

कहा, यह कानून देश की सुरक्षा को मजबूत करेगा, अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देगा

देश में घुसकर अशांति पैदा करने वालों से सख्ती से निपटेंगे: शाह

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

खास बात

■ लोकसभा में आव्रजन और विदेशी विधेयक, 2025 पारित

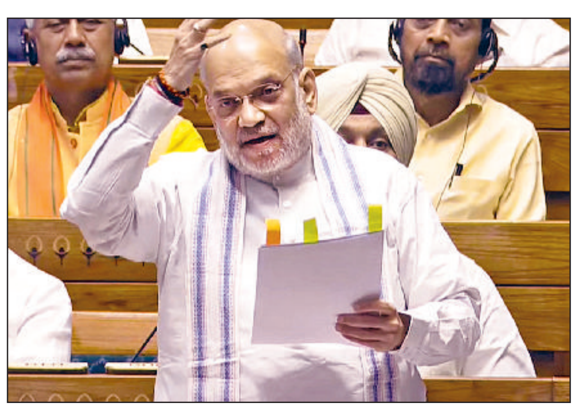

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि कुछ लोग भारत में घुसकर अशांति पैदा करना चाहते हैं। भारत देश कोई धर्मशाला नहीं है और ऐसे लोगों से सख्ती से निपटा जाएगा। लोकसभा में बृहस्पतिवार को इमिग्रेशन और फॉरेनर्स बिल पास हो गया। इससे पहले बिल पर बोलते हुए शाह ने कहा कि सरकार उन लोगों का स्वागत करने के लिए तैयार है जो पर्यटक के तौर पर या शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और व्यवसाय के लिए भारत आना चाहते हैं, लेकिन उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जो लोग खतरा पैदा करेंगे उनसे गंभीरता से निपटा जाएगा।

उन्होंने लोकसभा में आव्रजन और विदेशी विधेयक, 2025 पर बहस में भाग लेते हुए यह टिप्पणी की, जिसे निचले सदन ने पारित कर दिया। शाह ने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार केवल उन लोगों को भारत आने से रोकेगी, जिनके इरादे गलत हैं। उन्होंने कहा कि देश कोई धर्मशाला नहीं है। शाह ने कहा कि 'राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करने वालों को देश में प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा। अगर कोई देश के विकास में योगदान देने के लिए देश में आता है, तो उसका हमेशा स्वागत है।' केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि प्रस्तावित कानून देश की सुरक्षा को मजबूत करेगा, अर्थव्यवस्था और व्यापार को बढ़ावा देगा, साथ ही स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्रों को प्रोत्साहित करेगा. उन्होंने यह भी कहा कि आव्रजन विधेयक यह सुनिश्चित करेगा कि देश को भारत आने वाले हर विदेशी के बारे में नवीनतम जानकारी मिले। म्यांमार और बांग्लादेशियों से रोहिंग्याओं की तरफ से भारत में अवैध घुसपैठ के मुद्दे पर बात करते हुए, शाह ने रेखांकित किया कि निजी लाभ के लिए भारत में शरण लेने वाले ऐसे लोगों की संख्या में वृद्धि हुई है, जिससे देश असुरक्षित हो गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर घुसपैठिए भारत में अशांति फैलाते हैं तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा कि यह विधेयक देश की सुरक्षा को मजबूत करेगा और 2047 तक भारत को दुनिया का सबसे विकसित राष्ट्र बनने में मदद करेगा। उन्होंने कहा, 'मैं देश को आश्वस्त करना चाहता हूं कि हमारे देश में आने वाले हर विदेशी के बारे में हमारे पास अद्यतन जानकारी होगी।

बचने के लिए एक महिला और उसके पति को आतंकियों ने ढाल बनाया

जम्मू-कश्मीर के कठुआ में आतंकियों से मुठभेड़

गोलीबारी में दो आतंकी ढेर, 3 जवान भी शहीद, सर्चिंग में जुटे पैरा कमांडो

एजेंसी ▶▶ कठुआ

जम्मू-कश्मीर के कठुआ में आतंकियों के साथ मुठभेड़ हुई है, इसमें दो आतंकियों को मौत के घाट उतार दिया गया है। 3 जवान भी इस ऑपरेशन में शहीद बताए गए हैं। इस समय पूरे इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है, माहौल तनावपूर्ण बना हुआ है। गुरुवार सुबह से ही रुक-रुक कर गोलीबारी का दौर देखा गया है, लगातार आतंकियों के घेरने की कोशिश हुई है। डीएसपी और चार जवान गोलीबारी में घायल हुए हैं। एक जख्मी सुरक्षाकर्मी को कठुआ जीएमसी में शिफ्ट किया गया है, वहीं दो जम्मू जीएमसी भेज दिए गए हैं। अन्य दो जवानों को हल्की चोटें आई हैं। बताया जा रहा है कि गुरुवार सुबह को सुरक्षाबलों को इनपुट मिले थे कि चार से पांच आतंकी जुठानी इलाके में छिपे हुए हैं। जानकारी तो यह भी मिली थी कि कुछ मिलिटैंट्स ने एक महिला और उसके पति को भी अपने कब्जे में लिया था। इसी वजह से जब तक वो कपल आतंकियों के चंगुल से नहीं छूट गया, सेना ने अपना ऑपरेशन शुरू नहीं किया। जैसे ही दोनों के सुरक्षित रेस्क्यू की खबर आई, सुरक्षाबलों ने आतंकियों को घेर लिया और ▶▶ शेष पेज 5 पर

मीडिया और इंटरटेनमेंट उद्योग में नई 'लहर' लाने की कोशिश, अश्विनी वैष्णव की क्रिएटिविटी 'वेव्स'

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

न्यू मीडिया के दिग्गजों को एक प्लेटफार्म देने की वैश्विक योजना पर सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय इन दिनों जुटा है। कैसे आज के मीडिया और मनोरंजन के क्षेत्र में भारतीय कंटेंट क्रिएटर्स युवाओं को वैश्विक मंच मिले, कैसे विभिन्न देशों के कंटेंट क्रिएटर्स के साथ मिल बैठकर तकनीकी और विषय पर गहन मंथन हो और कैसे कंटेंट को बेहतर प्रतियोगी बाजार मिले जिससे नाम और दाम दोनों मिले इसको ध्यान में रखते हुए सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक नायाब आइडिया ईजाद किया है। मंत्रालय के क्रिएटिव अधिकारियों को इन दिनों उन्होंने ▶▶ शेष पेज 5 पर

बांग्लादेश संग तनाव के बीच पीएम मोदी ने पत्र लिखकर दी यूनुस को राष्ट्रीय दिवस की बधाई

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

हिंदू और अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों पर बढ़ते चरमपंथियों के हमलों की वजह से भारत और बांग्लादेश के संबंधों में बने हुए तनाव के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस को एक पत्र लिखकर उनके राष्ट्रीय दिवस (स्वतंत्रता दिवस) की बधाई दी है। इसमें पीएम ने दोनों देशों की आपसी चिंताओं और हितों के प्रति संवेदनशीलता के हिसाब से साथ मिलकर काम करने पर जोर दिया है। साथ ही यह भी कहा कि हमारा साझा इतिहास और बलिदान वह प्रमाण प्रस्तुत करता है, जिसने हमारी द्विपक्षीय ▶▶ शेष पेज 5 पर

लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान केंद्रीय नागर विमानन मंत्री और द्रमुक सांसदों के बीच हुई मामले पर कहासुनी

विमानन ईंधन पर राज्यों के भारी भरकम वैट से बढ़ता किरायाः नायडू

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

लोकसभा में गुरुवार को प्रश्नकाल में हवाई किरायों में अचानक होने वाली अप्रत्याशित वृद्धि के मामले पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच जमकर कहासुनी हुई। सरकार का पक्ष रखते हुए केंद्रीय नागर विमानन मंत्री राममोहन नायडू ने कहा कि केंद्र हवाई किराए को निर्धारित (फिक्स) नहीं कर सकता है।

अक्सर मांग की अधिकता के दौरान किरायों में इजाफा देखने को मिलता है। लेकिन हवाई किराए के बढ़ने के पीछे एक बड़ा कारण विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) पर लगाया जाने वाला वैट भी है। जिससे किराए में करीब 47 फीसदी की बढ़ोतरी तक देखने को मिलती है। कुछ राज्य 29 फीसदी वैट लगाते हैं। तमिलनाडु में एटीएफ पर सबसे ज्यादा वैट लगाया जाता है। कुछ राज्यों ने इसे 5 फीसदी तो कुछ ने 10 फीसदी तक कम किया है। राज्यों के एटीएफ पर वैट घटाने से किराया अपने आप कम हो जाएगा। नायडू ने सांसदों से अपील करते हुए कहा कि इस मामले में वह भी सहयोग करें और अपने राज्यों में वैट को कम कराने में योगदान दें।

जवाब से असंतुष्ट द्रमुक का हंगामा : सदन में केंद्रीय मंत्री से इस विषय पर ▶▶ शेष पेज 5 पर

रक्षा मंत्रालय ने किया 2,500 करोड़ का समझौता, बलों को मिलेगी मजबूती

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को टैंक रोधी हथियार प्लेटफार्म से जुड़े ट्रैक्ड संस्करण नाग मिसाइल सिस्टम (एनएएमआईएस) और 5 हजार हल्के वाहनों की खरीद के लिए आर्मर्ड व्हीकल निगम लिमिटेड और फोर्स मोटर लिमिटेड, महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड के साथ 2 हजार 500 करोड़ रुपए के दो समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं।

इससे सशस्त्र बलों की युद्धक क्षमता में काफी इजाफा देखने को मिलेगा। रक्षा मंत्रालय ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इन समझौते पर हस्ताक्षर के दौरान रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह भी उपस्थिति रहे। मंत्रालय ने समझौतों को रक्षा खरीद प्रक्रिया से जुड़ी हुई खरीददारी (भारतीय-स्वदेशी रूप से परिकल्पित, विकसित और निर्मित) श्रेणी के तहत अमलीजामा पहनाया है।

दागो-भूल जाओ का सिद्धांत प्रबल : एनएएमआईएस दुश्मन के बख्तरबंद वाहनों के खिलाफ बेहद उन्नत टैंक रोधी हथियार प्रणालियों में से एक है। जिसमें दागो और भूल जाओ के सिद्धांत के तहत मिसाइल की मारक क्षमता और घातकता में बढ़ोतरी देखने को मिलती है। इसे मशीनीकृत सैन्य कार्रवाई के प्रबंधन में बदलाव लाने और दुश्मन के खिलाफ बढ़त हासिल करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। इस प्रणाली को रक्षा अनुसंधान ▶▶ शेष पेज 5 पर

शेखावत ने बताया 642 कलाकृतियों को लाया गया

विरासत पर गर्व : विदेशों से भारत की पुरातत्व धरोहरों को वापिस लाने में जुटी है मोदी सरकार

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

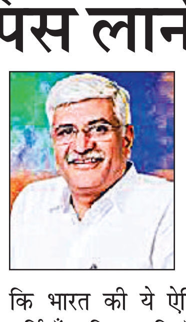

भारत अपने ऐतिहासिक दस्तावेजों, कलाकृतियों को विभिन्न देशों से वापिस लाने के लिए इसीलिए कृतसंकल्प है क्यों कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मानना है कि अपने देश के इतिहास और गौरवशाली परंपराओं का ज्ञान नौनिहालों को होना चाहिए। विरासत पर गर्व होना चाहिए। उनमें जागरुकता बढे।

भारत की प्राचीन धरोहरों के बारे में ज्यादा से ज्यादा जाने इसकी कोशिश होनी चाहिए। केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने राज्यसभा को एक सवाल के जवाब में जानकारी देते हुए बताया कि वर्ष 2014 के बाद से अब तक 642 ऐसी कलाकृतियाँ भारत वापस लाई जा चुकी हैं, जबकि 72 अन्य कलाकृतियों को लाने की प्रक्रिया अभी जारी है। यह उपलब्धि भारत की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने और उसे पुनर्स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि भारत की ये ऐतिहासिक चीजें, जिनमें मूर्तियाँ, शिल्पकृतियाँ, चित्र, और अन्य सांस्कृतिक वस्तुएँ शामिल हैं, मुख्य रूप से औपनिवेशिक काल के दौरान या अवैध व्यापार के जरिए विदेशों में ले जाई गई थीं। ब्रिटिश शासन के समय कई मूल्यवान वस्तुएँ ब्रिटेन और अन्य यूरोपीय देशों में ले जाई गईं, जबकि कुछ चोरी या तस्करी के जरिए अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, और अन्य देशों में पहुँचीं। इनमें से कई वस्तुएँ मंदिरों, पुरातात्विक स्थलों, और शाही संग्रहों से संबंधित हैं, जो भारतीय संस्कृति और इतिहास का अभिन्न हिस्सा हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा, 2014 में नरेंद्र मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद इस दिशा में ठोस कदम उठाए गए। सरकार ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इस मुद्दे को जोर-शोर से उठाया और विदेशी सरकारों, संग्रहालयों, और नीलामी घरानों के साथ बातचीत शुरू की। इसके लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, विदेश मंत्रालय, और संस्कृति मंत्रालय ने मिलकर एक समन्वित रणनीति बनाई। जानकारी देते हुए उन्होंने कहा, 12वीं शताब्दी की एक चोल काल की कांस्य की नटराज की मूर्ति, जो तमिलनाडु के एक मंदिर से चुराई गई थी, ऑस्ट्रेलिया से 2014 में वापस लाई गई। यह मूर्ति लगभग 900 साल ▶▶ शेष पेज 5 पर

मार्केट रिटर्न के साथ जीवन सुरक्षा का लाभ

एक नॉन – पार, लिंक्ड़, जीवन, व्यक्तिगत, बचत योजना

- मात्र ₹2,500/– के मासिक प्रीमियम से शुरूआत कीजिए
- दो फ़ंड्स में से चुनिए – निफ्टी 50 (फ्लैक्सी स्मार्ट ग्रोथ फ़ंड) या निफ्टी 100 (फ्लैक्सी ग्रोथ फ़ंड) के चुनिंदा स्टॉक्स में 100% तक निवेश
- गारंटीड एडीशन्स के साथ*

* नियम व शर्तें लागू

LIC भारतीय जीवन बीमा निगम LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA
हर पल आपके साथ

LIC/P/2024-25/22/Hin

अधिक जानकारी के लिए आप अपने बीमा एजेन्ट/नज़दीकी एलआईसी शाखा से संपर्क करें या आपके शहर का नाम 56767474 पर एसएमएस करें

डाउनलोड करें एलआईसी मोबाइल ऐप LIC digital | विज़िट करें: licindia.in | कॉल सेन्टर सर्विस (022) 6827 6827 | हमारा वॉट्सएप नं. 8976862090 कहिए 'Hi' | हमें यहाँ फॉलो करें: LIC India Forever | IRDAI Regn No.: 512

धोखेधड़ी वाले फ़ोन कॉल्स तथा झूठे/भ्रामक प्रस्तावों से सावधान रहें. आईआरडीएआई या इसके कर्मचारी बीमा व्यवसाय जैसे कि बीमा पॉलिसियों की बिक्री, बोनस की घोषणा या प्रीमियम्स के निवेश, राशियां लौटाना जैसी कोई भी गतिविधियों में शामिल नहीं होते हैं. जिन पॉलिसीधारकों या संभावित ग्राहकों को ऐसे फोन कॉल्स मिलें, वे कृपया पुलिस में इसकी शिकायत दर्ज करें. कृपया बिक्री के समापन से पहले बिक्री पुस्तिका को ध्यान से पढ़ लें.

लिंक्ड इंश्योरेन्स प्रोडक्ट्स, पारंपरिक इंश्योरेन्स प्रोडक्ट्स से भिन्न होते हैं तथा उनके साथ जोखिम घटक होते हैं.
लिंक्ड इंश्योरेन्स पॉलिसियों में अदा किए गए प्रीमियम पूंजी बाजार तथा सार्वजनिक रूप से उपलब्ध इंडेक्स से जुड़े निवेश जोखिम के अधीन होते हैं. फ़ंड की कार्यकुशलता तथा पूंजी बाजार/सार्वजनिक रूप से उपलब्ध इंडेक्स को प्रभावित करने वाले घटकों के आधार पर यूनिट्स के एनएवीज़ घट-बढ़ सकते हैं तथा बीमित व्यक्ति अपने निर्णयों के लिए जिम्मेदार है.
भारतीय जीवन बीमा निगम/लाइफ़ इंश्योरेन्स कॉर्पोरेशन ऑफ़ इंडिया केवल जीवन बीमा कंपनी का नाम है तथा इंडेक्स प्लस केवल लिंक्ड इंश्योरेन्स संविदा का नाम है तथा किसी भी रूप में संविदा की गुणवत्ता, इसकी भावी संभावनाओं या आमदनियों की ओर संकेत नहीं करता है.
कृपया अपने बीमा एजेन्ट या मध्यावर्ती या इंश्योरेन्स कंपनी द्वारा जारी पॉलिसी दस्तावेज से संबंधित जोखिमों और लागू प्रभारों की जानकारी प्राप्त कर लें.
इस संविदा के अंतर्गत पेश किए गए विभिन्न फ़ंड्स केवल फ़ंड्स के नाम हैं तथा वे किसी भी रूप में इन प्लान्स की गुणवत्ता, उनकी भावी संभावनाओं तथा आमदनियों की ओर संकेत नहीं करते हैं.

हवा में फैल रहे कूड़े से लोगों को हो रही है परेशानी

हटाए गए कूड़ा घर, अब खुले में डाला जाता है कचरा

दया राम ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम में आम आदमी पार्टी की सरकार ने दिल्ली को स्वच्छ व सुंदर बनाने के लिए अपने स्तर पर कोई कसर नहीं छोड़ी लेकिन उचित नीतियां नहीं होने के चलते अब दिल्ली में अनेकों जगह कूड़ा कचरा फैला रहता है। बता दें कि निगम की पूर्व महापौर डॉ शैली ओबरॉय ने स्वच्छता पर काफी जोर दिया और उनके बाद महापौर महेश कुमार खींची ने जीवीपी (गार्बेज वल्नरेबल पॉइंट, कूड़ा घर) का जायजा लेने के लिए निरीक्षण किया और कई जगह इन्हें बंद करने के उपायुक्त को निर्देश दिए गए। जोनल निगम उपायुक्तों के साथ दिल्ली की स्वच्छता पर समीक्षा बैठकों को आयोजन किया गया और लोगों को जागरूक करने के लिए कहा कि खुले में कोई कचरा डालेगा तो उस पर जुर्माना लगाया जाएगा। लेकिन अधिकारियों को दिए गए यह निर्देश भी काम नहीं आ सके और इसके बाद स्थिति और खराब हो गई। अब हालात ऐसे हो गए हैं कि जहां भी कूड़े घर बंद किए गए हैं वहां व आसपास के इलाकों में इन दिनों खुले में कूड़ा डाला जा रहा है और खुले में कूड़ा होने के चलते हवा में इधर उधर कूड़ा फैल जाता है।

पार्षद भी हैं नाराज, कई बार बैठकों में उठाया मामला

बता दें कि दिल्ली नगर निगम का मुख्य कार्य सफाई व्यवस्था का ही है लेकिन सफाई व्यवस्था नहीं होने से पार्षद भी नाराज हैं। नरेला जोन के कई गांवों, कॉलोनियों में तो सफाई व्यवस्था को लेकर नागरिक ही नहीं निगम पार्षद भी खासे नाराज हैं। यहां नरेला जोन के पार्षदों ने तो निगम के सफाई कर्मियों को दूसरे वार्ड में भेजने तक की मांग उठा दी है। साथ ही वार्ड बैठकों में कहा गया है कि सफाई करने औजार भी सफाई कर्मियों के पास नहीं है तो सफाई कार्य कैसे होगा।

यहां फैला रहता है कूड़ा

बता दें कि दिल्ली नगर निगम के सिविल लाइन जोन की बात करें तो आजादुपर मंड़ी के पास जहांगीरपुरी एवं आदर्श नगर मेट्रो स्टेशन, आजादपुर में दोनों मेन बस स्टैंड़ों के आसपास बड़ी मात्रा में कूड़ा कचरा पड़ा रहता है। इसके साथ ही यदि नरेला जोन की बात की जाए तो नरेला जोन निगम उपायुक्त कार्यालय और यहीं की दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी के बीच और नरेला थाना के आसपास ही खुले में कूड़ा डाला जा रहा है।

इलाके में दबदबा बनाने के लिए रखता था अवैध हथियार, गिरफ्तार

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने सोशल मीडिया पर कथित रूप से अवैध बंदूक लहराने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान बवाना क्षेत्र के जेजे कॉलोनी निवासी सोहेल के रूप में हुई है, जिसे नरेला औद्योगिक क्षेत्र से एक देशी पिस्तौल और एक कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार, 26 मार्च को सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति सोशल मीडिया पर हथियार का प्रदर्शन कर रहा है, जिसके बाद पुलिस की एक टीम ने नरेला-बवाना रोड पर जाल बिछाया और आरोपी को पकड़ लिया। तलाशी के बाद पुलिस ने अवैध हथियार बरामद कर लिया। पुलिस ने बताया कि पूछताछ के दौरान सोहेल ने कथित तौर पर इलाके में अपना दबदबा कायम करने के लिए हथियार रखने और इसका प्रदर्शन करने की बात स्वीकार ली। उसने अवैध हथियार आपूर्तिकर्ताओं के बारे में संभावित सुरागों का भी संकेत दिया, जिसकी जांच की जा रही है।

नहर में डूबने से 13 वर्षीय लड़के की मौत

नई दिल्ली। दिल्ली के बवाना इलाके में बृहस्पतिवार को दो भाई नहर में डूब गए, जिसमें से एक की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सुबह 7:15 बजे बवाना पुलिस थाने में एक पीसीआर कॉल आई, जिसमें अधिकारियों को दो बच्चों के डूबने के बारे में सूचित किया गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि हमें पता चला कि कैलाश कुमार के बेटे रोहित (13) और मोहित (9) तट के पास खेलते समय डूब गए। यह जानकारी उनके 11 वर्षीय दोस्त ने दी। उन्होंने कहा कि त्वरित कार्रवाई की गई तथा दिल्ली अग्निशमन सेवा, एनडीआरएफ और स्थानीय पुलिस की टीम द्वारा बचाव अभियान शुरू किया गया। अधिकारी ने बताया कि बचाव कर्मियों ने गहन तलाश के बाद रोहित को बरामद कर लिया और उसे बवाना के एक नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि इसके बाद शव को आगे की जांच के लिए बीएसए अस्पताल भेज दिया गया। पुलिस ने बताया कि मोहित का पता लगाने का प्रयास अब भी जारी है तथा कई बचाव एजेंसियां खोज में लगी हुई हैं।

व्यक्ति की हत्या कर शव को फेंका था बोरवेल में, तीन लोग अरेस्ट

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली में एक व्यक्ति की ईंटों से पीट-पीटकर हत्या करने और उसके शव को यहां एक निर्माणाधीन पंप हाउस के बोरवेल गड्ढे में फेंकने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, आरोपियों की पहचान स्वरूप नगर निवासी सूरज (24), अंकित (20) और अभिषेक (22) के रूप में हुई है, जबकि मृतक की पहचान चंदन के रूप में की गई। पुलिस ने बताया कि सूरज और अभिषेक पहले भी तीन-तीन आपराधिक मामलों में शामिल थे। पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) निधिन वलसन ने बताया कि सूरज को हाल ही में शस्त्र अधिनियम के एक मामले में गिरफ्तार किया गया था, जिसे संदेह था कि चंदन उसकी गिरफ्तारी के लिए जिम्मेदार है और उसने अन्य दो आरोपियों के साथ मिलकर उसकी हत्या की साजिश रची। उन्होंने बताया कि 22 मार्च को सूरज ने चंदन को शराब पीने के बहाने बुलाया था और अत्यधिक शराब पीने के बाद आरोपी ने उस पर ईंटों से हमला कर उसकी हत्या कर दी। डीसीपी ने कहा कि इसके बाद आरोपियों ने उसके शव को एक निर्माणाधीन पंप हाउस के बोरवेल के गड्ढे में फेंक दिया और उसे ईंटों से ढक दिया। चंदन के घर नहीं लौटने पर 23 मार्च को उसके घरवालों ने पुलिस से संपर्क किया। स्वरूप नगर थाने में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई गई और जांच के दौरान सीसीटीवी में चंदन को आखिरी बार सूरज के साथ देखा गया था। डीसीपी ने बताया कि इस सुराग के आधार पर हिरासत में लिये गए सूरज ने कड़ी पूछताछ में अपना अपराध कबूल कर लिया, जबकि मामले में अंकित और अभिषेक की संलिप्तता का खुलासा किया। गिरफ्तारी के बाद वे पुलिस टीम को घटनास्थल पर ले गए, जहां चंदन का शव बरामद किया गया।

'हिंदू नव वर्ष' को भव्य रूप से मनाएगी दिल्ली सरकार : मिश्रा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली सरकार के कला एवं संस्कृति विभाग ने चैत्र शुक्ल प्रतिपदा नव संवत्सर 'हिंदू नव वर्ष' को भव्य रूप से मनाने का निर्णय लिया है। विधानसभा अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता मुख्य अतिथि तो वहीं कला एवं संस्कृति कपिल मिश्रा विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित होंगे। इसके साथ ही दिल्ली सरकार के मंत्री और विधायक भी उपस्थित रहेंगे। इस अवसर पर प्रसिद्ध गायक कैलाश खेर एवं उनके कैलासा बैंड की संगीतमय प्रस्तुति भी होगी।

कला एवं संस्कृति मंत्री कपिल मिश्रा ने बताया कि यह पहली बार है जब दिल्ली सरकार 'हिंदू नव वर्ष' को इतने व्यापक स्तर पर मना रही है। इस आयोजन की शुरुआत 30 मार्च को दिल्ली विधानसभा लॉन में एक भव्य कार्यक्रम से होगी, जिसमें संपूर्ण भवन को दीपों से सजाया जाएगा, ठीक उसी प्रकार जैसे दीपावली के अवसर पर किया जाता है। मंत्री मिश्रा ने कहा कि नवरात्रि का पहला दिन होने के कारण इस अवसर पर 'फलाहार' कार्यक्रम का भी आयोजन आगंतुकों के लिए किया गया है, जिसमें व्रत रखने वाले श्रद्धालु फलाहार कर व्रत का पारण कर सकेंगे। इसके अतिरिक्त नवरात्रि के दौरान ही दिल्ली सरकार पहली बार अन्य जगहों पर भी 'फलाहार' कार्यक्रमों का आयोजन भी करेगी जिसमें व्रत रखने वाले श्रद्धालु फलाहार कर सकेंगे।

'एक लाख 63 हजार विद्यार्थियों को सीयूईटी और नीट की मुफ्त ऑनलाइन कोचिंग कराएगी दिल्ली सरकार'

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली सरकार 1.63 लाख विद्यार्थियों को सीयूईटी और नीट की मुफ्त ऑनलाइन कोचिंग कराएगी। इसके लिए दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद की मौजूदगी में दिल्ली शिक्षा निदेशालय, दिल्ली सरकार ने दिल्ली विधानसभा परिसर में एनएसडीसी इंटरनेशनल, कौशल विकास मंत्रालय (भारत सरकार) और फिजिक्स वाला लिमिटेड की संयुक्त पहल बीआईजी के साथ अहम समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और शिक्षा मंत्री आशीष सूद की मौजूदगी में हुए समझौते के तहत दिल्ली के सरकारी स्कूलों के 163000 बच्चों को नीट और सीयूईटी की प्रवेश परीक्षा के लिए निःशुल्क ऑनलाइन कोचिंग की सुविधा मिलेगी। दिल्ली के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को देश भर के मेडिकल कॉलेज और इंजीनियरिंग कॉलेज में दाखिला सुनिश्चित करवाने के लिए सरकार ने बीआईजी और फिजिक्स वाला लिमिटेड के साथ मिलकर अहम समझौता किया है। इस समझौता ज्ञापन के अंतर्गत दिल्ली के छात्रों को अगामी 2 अप्रैल से लेकर 2 मई 2025 तक प्रतिदिन 6 घंटे की ऑनलाइन कोचिंग की सुविधा मिलेगी, जिसमें भौतिकी विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, गणित, सामान्य योग्यता और अंग्रेजी जैसे विषय को भी शामिल किया गया है। समझौता ज्ञापन के तहत छात्रों को प्रतिदिन 6 घंटे और तीस दिनों में कुल 180 घंटे की ऑनलाइन क्लासेस दी जाएंगी। जिससे भविष्य में सरकारी स्कूलों के ज्यादा से ज्यादा बच्चे देश के अच्छे कॉलेज में एडमिशन के लिए सेलेक्ट हो सकेंगे और डॉक्टर और इंजीनियर की कठिन प्रवेश परीक्षा को पास करने का छात्रों का ख्वाब पूरा हो पाएगा। समझौते के अंतर्गत इस कार्यक्रम में संरचित संशोधन के लिए पीडीएफ नोट्स के साथ छात्रों की प्रगति को ट्रैक करने के लिए नियमित रूप से परीक्षण और निरंतर सहायता प्रदान करने की भी व्यवस्था की गई है। इस अहम समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि शिक्षा निदेशालय (डीओई) के छात्रों को एनईईटी-2025 और सीयूईटी (यूजी)-2025 की तैयारी के लिए 30 दिवसीय मुफ्त ऑनलाइन कोचिंग प्रदान करने के अहम समझौता किया गया है। जिससे मेडिकल कॉलेजों के साथ ही देश के केंद्रीय विश्वविद्यालयों में उनके प्रवेश का मार्ग प्रशस्त हो सकेगा। हमारी सरकार की अनूठी पहल से दिल्ली के स्कूलों के एक लाख 63 हजार छात्रों को सीधा लाभ मिलेगा।

डीईआरसी के साथ बैठक में रेजिडेंट वेल्फेयर फेडरेशन ने बिजली उपभोक्ताओं के गंभीर मुद्दे उठाए

नई दिल्ली। नॉर्थ दिल्ली रेजिडेंट वेल्फेयर फेडरेशन (एनडीआरडब्ल्यूएफ) ने दिल्ली विद्युत नियामक आयोग (डीईआरसी) चेयरमैन के साथ बैठक की और बिजली उपभोक्ताओं के विभिन्न मुद्दों को उठाते हुए उन्हे हल करने की मांग की। इस बारे में एनडीआरडब्ल्यूएफ के अध्यक्ष अशोक भसीन ने बताया कि इस बैठक में फैडरेशन में आने वाली सभी 437 आरडब्ल्यूए के प्रतिनिधि शामिल हुए। भसीन ने बताया कि बैठक में संगठन ने डीईआरसी चेयरमैन के सामने मांग रखी कि बिना किसी पूर्व सूचना के अगर बिजली कट होता है आपूर्ति बिजली कंपनी पर जुर्माना लगना चाहिए। इसके अलावा संगठन ने दूसरी महत्वपूर्ण मांग रखी कि उपभोक्ताओं को यह हक मिलना चाहिए कि वह अपनी पसंद से किसी भी कंपनी का मीटर कहीं से भी खरीदकर लगवा सके। भसीन ने बताया कि हमने डीईआरसी को बताया कि बिजली कम्पनियों द्वारा 25 हजार करोड़ एवं बिजली रेटों में बढ़ोतरी की मांग के जवाब में, फेडरेशन ने कहा कि पहले ही बिजली कंपनियां बिल दरों पर 70 प्रतिशत विभिन्न मदों में टैक्स वसूल रही है। मांग करते हैं कि बिना सूचना बिजली 3 घण्टे से अधिक काटने पर उपभोक्ताओं को नियम वर्ष 2017 के अनुसार बिजली कम्पनी द्वारा भुगतान किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पेंशन फंड खत्म होना चाहिए क्योंकि यह जिम्मेदारी दिल्ली सरकार की है, न कि उपभोक्ताओं की। नए मीटर के लिए उपभोक्ता को किसी भी बिजली कम्पनी से मीटर लेने की अनुमति मिलनी चाहिए ताकि जानबूझ कर मीटर में देरी न हो।

केजरीवाल ने दलितों के साथ किया केवल धोखा : सचदेवा

प्रेसवार्ता में पूर्ववर्ती सरकार पर लगाए आरोप, केजरीवाल ने गरीबों को बनाया वोट बैंक

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी एवं अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली के दलित समाज एवं गरीबों को लगातार बड़ी बड़ी स्कीमों के नाम दिखा कर गुमराह किया और उन्हे वोट बैंक बनाया। दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने गुरूवार को प्रदेश कार्यालय में आयोजित एक प्रेसवार्ता में पूर्ववर्ती केजरीवाल सरकार को लेकर यह आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि केजरीवाल सरकार दलितों एवं गरीबों को राजनीतिक रूप से आकर्षित करने के लिए विगत 5 साल में अनेक स्कीमें लाई, उनके प्रचार पर लाखों करोड़ों उड़ाये पर वास्तविक रूप से दलितों को केजरीवाल से केवल धोखा मिला। प्रेसवार्ता में भाजपा के अन्य प्रदेश पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। सचदेवा ने कहा है कि दिल्ली में दलित बस्तियों की नागरिक सुविधाएं कितनी बदहाल स्थिति में हैं, यह सब जानते है पर दलित बस्तियों के सुधार के लिए केजरीवाल सरकार ने 2020-21 से 2023-24 तक रूपए 260 करोड़ की योजनाएं घोषित की पर यहां भी केजरीवाल सरकार ने उनके साथ छलावा किया और खर्चा सिर्फ रूपए 120 करोड़ 60 लाख रुपए। सचदेवा ने कहा है कि हमने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से कहा है कि केजरीवाल सरकार द्वारा किए ऐसे सभी घोषणा छलावों की सूची विधानसभा पटल पर रखें। सचदेवा ने कहा कि इसी तरह शिक्षा विकास की बड़ी बड़ी बातें करने वाली केजरीवाल सरकार ने मुख्यमंत्री विद्यार्थी प्रतिभा योजना के अंतर्गत 2020-21 से 2023-24 के बीच रूपए 461 करोड़ आवंटित किये पर शर्मनाक रूप से खर्च किया 7 प्रतिशत से भी कम मात्र रूपए 32 करोड़ 20 लाख रुपए।

आम आदमी पार्टी ने पिछड़ों का नहीं किया उत्थानः देवेंद्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने एक बार फिर आम आदमी पार्टी व पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए तीखा हमला बोला है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने आरोप लगाए है कि आम आदमी पार्टी की सरकार ने अपने 10 वर्षों के कार्यकाल में दलितों, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों के कल्याण और उत्थान नहीं किया, केवल भ्रमित करने का कार्य किया है। केजरीवाल व उनकी सरकार ने आखिर समय तक दिल्ली में दलितों, अल्पसंख्यकों, पिछड़ों, छात्रों, युवाओं और महिलाओं को धोखा दिया है। यादव ने कहा कि केजरीवाल के नक्शे कदम पर चलते हुए भाजपा की रेखा सरकार ने भी मैन्युअल स्कवेंज़गि की रोक तथा उनके पुनर्वास के लिए रखे जाने वाले बजट को पूरी तरह खत्म कर दिया है।

अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना यथाशीघ्र जमा करें अपना संपत्ति कर

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

जैसे जैसे 31 मार्च 2025 नजदीक आ रहा है, वैसे ही दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के संपत्ति कर विभाग ने बकाया संपत्ति कर वसूली के लिए कमर कसनी शुरू कर दी है। इसी के अंतर्गत निगम के दक्षिणी जोन के संपत्ति कर विभाग के संयुक्त कर निर्धारक एवं समाहर्ता नवीन कुमार ने गुरुवार को बताया कि चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 में अपना संपत्ति कर जमा नहीं करने वालों संपत्ति धारकों को चिन्हित कर कार्रवाई शुरू कर दी गई है। विभाग ने लगातार व्यक्तिगत रूप से तथा संचार के अन्य माध्यमों से बकायेदारों से बार-बार आग्रह किया है कि वो अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना यथाशीघ्र अपना संपत्ति कर जमा कर दें। विभाग ने ऐसे दस शीर्ष बकाया कर दाता गिनाए हैं। जिनके संपत्ति यूपिक नंबर पर 174345610031800, 163291100175600, 163290200104600, 173341910014000, 166305210012400, 189420410078600, 194452001682 00, 163290310029900, 192435210012700 और 174345610053600 पर 36 लाख 50 हजार रुपये से लेकर 3 लाख 75 हजार रुपये तक बकाया राशि है। अधिकारी नवीन कुमार ने बताया कि करदाताओं की सुविधा के लिए जोन को कर निर्धारण एवं समाहरण कार्यालय 31 मार्च तक लगातार (शनिवार, रविवार एवं राजपत्रित अवकाश सहित) सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक खुला रहेगा। करदाता काउंटर पर आकर या ऑनलाइन माध्यम से अपना संपत्ति कर जमा कर सकते हैं। 31 मार्च तक संपत्ति कर जमा न करने वाले संपत्ति धारकों पर कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही रोहिणी जोन के संयुक्त कर निर्धारक एवं समाहर्ता राकेश कुमार ने सम्पति कर दाताओं से बकाया संपत्ति कर 31 मार्च 2025 तक ऑनलाइन या ऑफलाइन माध्यम से जमा करने की अपील की है।

रविवार को भी खुले रहेंगे कार्यालय

दिल्ली नगर निगम के सभी संपत्ति कर कार्यालय जोनल व मुख्यालय स्तर पर करदाताओं की सुविधा के लिए 31 मार्च 2025 राजपत्रित अवकाश को भी सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक खुले रहेंगे। ताकि सभी संपत्ति करदाता अपना संपत्ति कर का भुगतान समय पर कर सके। निगम ने करदाताओं की सहायता के लिए संपत्ति कर कार्यालयों में पर्याप्त व्यवस्था की है।

सड़कों, फुटपाथों से अतिक्रमण हटाने के आदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

■ वार्ड समिति बैठक में पार्षदों ने उठाए मामले

दिल्ली नगर निगम के नरेला जोन क्षेत्र अंतर्गत आने वाले मुख्य बाजारों, मुख्य सड़कों के फुटपाथों पर हुए अवैध अतिक्रमण से अब बड़ी संख्या में लोग प्रभावित हो रहे हैं और इसके चलते लगते यातायात जाम को लेकर नरेला जोन के पार्षद और अधिकारी भी परेशान नजर आए हैं। इसी को देखते हुए गुरूवार को नरेला जोन की वार्ड समिति की बैठक में वार्ड समिति के अध्यक्ष पवन सहरावत ने जोन के निगम उपायुक्त पवन कुमार यादव को सड़कों और फुटपाथों से अतिक्रमण हटाने के आदेश दिए हैं। वहीं, इस दौरान बैठक में मौजूद उपायुक्त यादव ने सभी विभाग प्रमुखों को कड़ी चेतावनी देते हुए सड़कों और फुटपाथों से अतिक्रमण हटाने के निर्देश जारी कर दिए हैं। बैठक में निगम पार्षद जयभगवान यादव, अंजू अमन, संदीप कुमार, जनता देवी, राम चंद्र, योगेश राणा, दिनेश भारद्वाज, नेहा, मनोनीत निगम पार्षद लक्ष्मण आर्य एवं विनोद सहरावत मौजूद रहे। वहीं, बता दें कि पवन सहरावत की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में मेंटेनेंस विभाग से हाल ही में स्थानांरित किए गए जेई और स्वच्छता विभाग से स्थानांतरित किए गए एस आई और निगम उपायुक्त यादव के स्थानांतरण को रोकने के लिए मौजूद निगम पार्षदों ने एक प्रस्ताव बैठक में सर्वसम्मति से पारित किया।

अध्यक्ष पवन सहरावत ने बैठक के बाद बताया कि सभी उक्त कर्मचारी जिनके स्थानांतरित करने के मुख्यालय से आदेश हुए हैं, वह नरेला जोन में बेहतर कार्य कर रहे हैं, इसलिए सभी निगम पार्षदों ने सहमति से स्थानांतरण को रोकने के लिए प्रस्ताव पारित किया है।

हरियाणा सरकार — निविदा सूचना

क्र. सं.	विभाग का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि / बंद होने की तिथि	राशि/ईएमडी (लगभग) रु. में	विभाग की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ई-मेल
1	लोनिवि भ व प गुरूग्राम	5 अदद एस लैंडस्केनिंग कार्य का वार्षिक रखरखाव + 5 अन्य कार्य।	25.03.2025 31.03.2025	81.82 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9717214202 zilesinghhort@gmail.com
2	लोनिवि भ व प गुरूग्राम	1. ईवीएम / वी लैंडस्केनिंग कार्य का वार्षिक रखरखाव + 6 अन्य कार्य।	26.03.2025 01.04.2025	89.02 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9717214202 zilesinghhort@gmail.com
3	जिला परिषद अम्बाला	गांव शहजादपुर खण्ड शहजादपुर में खण्ड जन स्वास्थ्य इकाई (बीपीएचयू) का निर्माण।	26.03.2025 07.04.2025	41.57 लाख	https://etenders.hry.nic.in	0171-2975281 zpexenambala@gmail.com
4	लोनिवि भ व प हिसार	फतेहाबाद जिले में बुडलाडा रतिया फतेहाबाद भट्टू बाढड़ा सड़क का राजस्थान बॉर्डर तक विकास (एसएस-21) कि.मी. 32.00 से 97.51 रोड आईडी 5467, 5467, 5546 और 5534 (फतेहाबाद और रतिया विधानसभा क्षेत्र) (रतिया फतेहाबाद रोड से) (आरडी 2 हेतु बकाया सामग्री) + 1 कार्य।	26.03.2025 02.04.2025	8.31 लाख	https://etenders.hry.nic.in	1662225651 pwd-eeed-hissar@hry.nic.in
5	पंचायती राज झज्जर	9.94 :- गांव मंडोठी खण्ड बहादुरगढ़, जिला झज्जर में मतदियापाना के खेल मैदान में चारदिवारी का निर्माण + 2 कार्य।	24.03.2025 01.04.2025	37.77 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9416721433 prexeeng.jjr@hry.nic.in
6	पंचायती राज चरखी दादरी	गांव बलाली ब्लॉक झोझू कलां में ऑक्सीजन पार्क, प्लांटेशन, वाटर स्टोरेज टैंक और वॉकिंग ट्रेक का निर्माण (डीएमएफ-योजना) + 1 कार्य।	25.03.2025 01.04.2025	46.16 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9416927275 xenprcharkhidadri@gmail.com
7	पंचायती राज पानीपत	गांव - उरलान कलां ब्लॉक मडलौड़ा जिला पानीपत में कश्यप चौपाल का निर्माण + 1 कार्य।	25.03.2025 01.04.2025	23.72 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9068676922 prexeeng.pnp@hry.nic.in
8	जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग हिसार	किरोरी - गांव किरोरी जिला हिसार में जलापूर्ति योजना के विकास हेतु 100 मिमी आई/डी 1799 मी., 150 मिमी आई/डी 1703 मी. डीआई पाइप लाइन सीआई/डीआई स्पेशल्स सहित, 50 अदद क्षतिग्रस्त जल कनेक्शन की रिस्टोरेशन, 70 अदद फंक्शनल हाउस होल्ड टैप कनेक्शन गांव किरोडी हेतु सभी प्रकार से पूर्ण और इससे सम्बद्ध अन्य सभी कार्यका आकलन।	26.03.2025 03.04.2025	31.65 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9466000871 ee2hissar@gmail.com

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें www.etenders.hry.nic.in
पीआरडीएच-11/2025/160/33384/I/88/7 दि. 27.03.25

एक अप्रैल को मनाया जाएगा उड़ीसा दिवस

हर राज्य का स्थापना दिवस मनाएगी भाजपा सरकारः रेखा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली में हर राज्य का स्थापना दिवस मनाया जाएगा। इसकी शुरुआत एक अप्रैल से होने जा रही है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को घोषणा की कि हर राज्य का स्थापना दिवस राष्ट्रीय राजधानी में मनाया जाएगा, क्योंकि यहां सभी राज्यों के लोग रहते हैं। सभी राज्यों के लोग दिल्ली को अपना मानते हैं, ऐसे में उनकी भावनाओं को देखते हुए इस बारे में फैसला लिया गया है। उन्होंने कहा कि एक अप्रैल को उड़ीसा दिवस मनाया जाएगा। दिल्ली विधानसभा में बजट पर चर्चा का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने यह घोषणा की। गौरतलब है कि देश में 28 पूर्ण राज्य हैं और दिल्ली सहित आठ संघ राज्य क्षेत्र हैं। यानी कुल मिलाकर 36 बैठते हैं। संघ राज्य क्षेत्रों को राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किए गए प्रशासक के माध्यम से प्रशासित किया जाता है। भारत के बड़े से लेकर छोटे राज्य और संघ राज्य क्षेत्र की जनसांख्यिकीय, इतिहास और संस्कृति, वेश-भूषा, त्यौहार, भाषा आदि विभिन्न हैं। अभी तक दिल्ली अपना भी स्थापना दिवस नहीं मनाती थी। दिल्ली भी अपना स्थापना दिवस मनाएगी। दिल्ली देश की राजधानी भी है। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे में दिल्ली राज्य के गठन की तारीख को ही स्थापना दिवस मनाया जाना चाहिए। हालांकि दिल्ली में देश की राजधानी 114 पहले 1911 में कलकत्ता से दिल्ली लाए जाने की घोषणा की थी। 12 दिसंबर, 1911 को दिल्ली दरबार में ब्रिटिश सम्राट जॉर्ज पंचम ने भारत की राजधानी को कोलकाता से दिल्ली स्थानांतरित करने की घोषणा की थी, 13 फरवरी, 1931 को भारत के वायसराय लार्ड इरविन ने दिल्ली को आधिकारिक तौर पर राजधानी घोषित किया था।

ऐसी किसी भी चर्चा की अनुमति नहीं दूंगा जिसका उद्देश्य केवल राजनीतिक लाभ लेना हो : विजेंद्र

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा के बजट सत्र के चौथे दिन विधानसभा अध्यक्ष ने नेता विपक्ष के आरोपों पर सदन में व्यवस्था देते हुए कहा कि मैं ऐसी किसी भी चर्चा की अनुमति नहीं दूंगा जिसका उद्देश्य केवल राजनीतिक लाभ लेना हो और मीडिया में अपने आपको महिमामंडित करने के लिए सदन का समय बर्बाद करना हो। अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि कुछ सदस्यों द्वारा दिए गए विशेष उल्लेख के नोटिस को अनुमित नहीं देने के बारे में मेरे फैसले के संबंध में मुझे नेता विपक्ष आतिशी का एक पत्र प्राप्त हुआ है। इस संबंध में कहना चाहता हूं कि सदन के सदस्यों को केवल उन विषयों पर प्रश्न पूछने चाहिए या चर्चा करनी चाहिए जिनका मंत्री उत्तर दे सकत हैं। या उन पर कोई कार्रवाई कर सकते हैं। हालांकि सदन में उठाए जाने वाले मामले के विषय को ध्यान में रखते हुए अध्यक्ष आरक्षित विषयों पर भी नोटिस की अनुमति केवल तब दे सकते हैं जब उन्हें लगता है कि यह दिल्ली के लोगों को प्रभावित करने वाला बहुत जरूरी और महत्वपूर्ण मामला है और जिस पर सदन को तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है। विपक्ष के जिन नोटिसों को मैंने स्वीकार नहीं किया था वे महज सदन की प्रक्रिया का दुरुपयोग करने और सदन में संगठित व्यवधान पैदा करने का प्रयास थे। मैं ऐसा नहीं होने दूंगा। विशेष उल्लेख के तहत उठाए जाने वाले मामले तत्काल सार्वजनिक महत्व के विषयों से सम्बन्धित होते हैं। मैंने देखा है कि विपक्ष के सदस्य जनता के सामने आने वाले वास्तविक मुद्दों पर ध्यान देने की बजाय व्यवधान पैदा करने में अधिक रुचि रखते हैं।

नवरात्रि से पूर्व अवैध मांस विक्रेताओं के खिलाफ चलाया जाएगा अभियान : प्रवेश

नई दिल्ली। दिल्ली के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री प्रवेश वर्मा ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि नवरात्रि से पहले 'अवैध' मीट विक्रेताओं के खिलाफ अभियान चलाया जाएगा। दिल्ली विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान भाजपा विधायक करनैल सिंह ने नवरात्रि से पहले फुटपाथों और दुकानों पर खुलेआम मीट बेचे जाने को लेकर चिंता व्यक्त की। वर्मा ने जवाब देते हुए कहा कि सभी अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। अगर कहीं कोई कोई अवैध रूप से बैठा है तो उसे हटाया जाना चाहिए। उन्होंने विधायकों से अपने-अपने क्षेत्र में किसी भी तरह के अतिक्रमण की जानकारी देने को कहा और आश्वस्त किया कि इस मुद्दे के समाधान के लिए अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि मैं अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की व्यक्तिगत रूप से निगरानी करूंगा। वर्मा ने सदन को बताया कि राजधानी में मांस और मछली बेचने वाली अवैध इकाइयों को हटाने के आदेश पहले ही दिये जा चुके हैं।

मंत्री द्वारा 'भाई' बोलने पर विपक्ष का सदन में हंगामा, दो सदस्यों को किया बाहर

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा के बजट सत्र के चौथे दिन गुरुवार को एक सवाल का जवाब देते हुए मंत्री प्रवेश वर्मा ने भाई का संबोधन करने पर विपक्ष भड़क गया और सदन में हंगामा करने लगा। सदन की कार्यवाही को सुचारू रूप से न चलने देने पर विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने विपक्ष के सदस्य कुलदीप कुमार और विशेष रवि को माशलों द्वारा सदन से बाहर करा दिया। गौरतलब है कि मंत्री प्रवेश वर्मा एक सवाल के जवाब में विपक्ष को भाई कहा। इस पर विपक्ष की नेता आतिशी ने आरोप लगाया कि मंत्री उनके लिए अमर्यादित शब्दों को इस्तेमाल किया है। इस अन्य विपक्षी सदस्य सदन में हंगामा करने लगे। मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहा कि मैंने कहा कि भाई इतनी बदतमीजी कहां से लाते हो। जिस पर आप विधायक भड़क उठे और हंगामा जारी रहा। विधानसभा अध्यक्ष ने भारी हंगामा करने पर विपक्षी सदस्य कुलदीप कुमार और विशेष रवि को मार्शलों द्वारा सदन से बाहर करा दिया। इसके बाद सदन में छठ पूजा के सवाल पर पक्ष विपक्ष में जमकर शोर हुआ। इस बीच मंत्री कपिल मिश्रा भी खड़े हो गए और कहने लगे कि 'शर्म आनी चाहिए जो छठ पूजा के सवाल को रोका जा रहा है। वहीं विपक्ष के सदस्य विशेष रवि ने करोल बाग के बाजारों में ट्रैक छोटा करने के लिए 30 अक्टूबर 2024 को लिखे गए अपने पत्र पर कार्रवाई का जवाब मांगा। इसका जवाब देते हुए कैबिनेट मंत्री प्रवेश वर्मा ने बताया कि वर्ष 2018-19 में गृह मंत्रालय के निर्देश पर इस क्षेत्र को पैदल यात्रियों के लिए नियत कर दिया गया था तथा मिनिस्ट्री आफ होम अफेयर्स, लोक निर्माण विभाग, दिल्ली ट्रैफिक पुलिस और डीएमआरसी की भागीदारी से ट्रैक (फुटपाथ) चौड़ीकरण का काम किया गया था। फिलहाल ट्रैक को छोटा करने की कोई योजना नहीं है। वहीं सत्तापक्ष के सदस्य रवि नेगी ने अपने विधानसभा क्षेत्र में सड़क के किनारे एमसीडी की पार्किंग का मुद्दा उठाया।

छठी-सातवीं विधानसभा की समितियों में लंबित मामले होंगे खत्म, सदन में प्रस्ताव पास

नई दिल्ली। छठी और सातवीं विधानसभा की विशेषाधिकार समिति, याचिका समिति और प्रश्न एवं संदर्भ समिति में लंबित मामलों पर मुख्य सचेतक अभय वर्मा की ओर से एक प्रस्ताव सदन में पेश किया गया जिसमें उन्होंने कहा कि लंबित मामलों पर आगे कोई कार्रवाई नहीं की जाए तथा उन्हें निपटाया हुआ माना जाए। इस प्रस्ताव को सदन की सहमति से पारित कर दिया गया। इस संबंध में अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने सदन में कहा कि 04 दिसंबर 2024 को आयोजित अपनी बैठक में, सातवीं विधानसभा ने तीन प्रस्ताव पारित किए गए थे कि विशेषाधिकार समिति, याचिका समिति और प्रश्न एवं संदर्भ समिति के अधूरे कार्यों की जांच नियम-183 के तहत आठवीं विधानसभा की संबंधित समितियों द्वारा की जाए। नियम-183 के तहत, विधानसभा के भंग होने से पहले किसी भी समिति के अधूरे कार्य को नई विधानसभा की समिति को भेजा जा सकता है। छठी और सातवीं विधानसभा के भंग होने के समय विधानसभा ने इन तीनों समितियों के अधूरे कार्य को आगे बढ़ाने का प्रस्ताव पारित किया था। मैंने समिति के समक्ष लंबित सभी मामलों की जांच की और इस निष्कर्ष पर पहुंचा कि इन मामलों को आगे नहीं बढ़ाया जाना चाहिए था। छठी विधानसभा के 59 मामले और सातवीं विधानसभा के 69 मामले विशेषाधिकार समिति द्वारा लंबित रखे गए थे।

विधायकों की वेतन वृद्धि जनविरोधी, आप-भाजपा की मिलीभगत : यादव

नई दिल्ली। दिल्ली कांग्रेस ने विधायकों की वेतन वृद्धि को जनविरोधी बताते हुए कि इससे साफ हो गया है कि जनहित की अनेदखी करने वाली आम आदमी पार्टी और भाजपा दोनों की मिलीभगत है। यादव ने मांग की है कि भाजपा की दिल्ली सरकार का विधायकों के वेतन वृद्धि का निर्णय जनता के साथ अन्यायपूर्ण है और इसे तत्काल वापस लिया जाना चाहिए। भाजपा जनहित योजनाओं का बजट घटाकर विधायकों का वेतन बढ़ाने जा रही है। रेखा सरकार ने शिक्षा, जल आपूर्ति, स्वच्छता, आवास एवं शहरी विकास, ऊर्जा, कृषि एवं ग्रामीण विकास, सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण जैसी आवश्यक योजनाओं के बजट में कटौती की है। जबकि 2023 में दिल्ली के विधायकों के वेतन में 66 प्रतिशत की वृद्धि की जा चुकी है। यादव ने कहा कि विधायकों के वेतन वृद्धि फरवरी 2023 में पहले ही 66 प्रतिशत हो चुकी है। उस समय वेतन 54,000 रुपये से बढ़ाकर 90,000 रुपये प्रति माह कर दिया गया था। इसके अलावा, मुख्यमंत्री, कैबिनेट मंत्रियों, स्पीकर, डिप्टी स्पीकर, चीफ व्हिप और नेता प्रतिपक्ष का वेतन 72,000 रुपये से बढ़ाकर 1 लाख 70 हजार रुपये कर दिया गया था। इसके बावजूद, अब फिर से विधायकों के वेतन में वृद्धि की मांग करना पूरी तरह गैर-जरूरी और जनविरोधी है। यादव ने कहा कि वेतन में वृद्धि के अलावा, विधायकों ने अपने स्टाफ की संख्या बढ़ाने की भी मांग की है, जबकि आम जनता को मूलभूत सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं कराई जा रही हैं।

बिजली की मांग का ग्राफ बढ़कर 4300 मेगावाट पार

नई दिल्ली। राजधानी में मौसम के बदलते रूप के चलते गत करीब एक सप्ताह से बिजली की मांग में दिन प्रतिदिन बढ़ोत्तरी होती जा रही है। पांच दिन के आंकड़ों का आकलन करे तो इस दौरान लगभग 663 मेगावाट बिजली की मांग बढ़ चुकी है। स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर दिल्ली (एसएलडीसी) पर दर्ज आंकड़ों के अनुसार जहां 23 मार्च 2024 को बिजली की मांग 3683 मेगावाट थी। वह 27 मार्च 2025 को बढ़कर 4346 मेगावाट पहुंच गई। प्रतिदिन की बात करें तो 23 मार्च 2024 को बिजली की मांग 3683 मेगावाट, 24 मार्च को 4070 मेगावाट , 25 मार्च को 4099 मेगावाट, 26 मार्च को 42 85 मेगावाट और 27 मार्च 2025 को मांग का ग्राफ बढ़कर 4346 मेगावाट पहुंच गया। बिजली की बढ़ती मांग पर निजी बिजली आपूर्ति कंपनियों बीएसईएस और टाटा पावर डीडीएल का कहना है कि गर्मियों का सीजन शुरू होने की वजह से लगातार बढ़ रही है। कंपनियों का कहना है कि अभी तो मांग शुरुआती बढ़त में है। अनुमान के अनुसार मई के अंत या जून में यह मांग बढ़कर 8 हजार मेगावाट के करीब होगी। वहीं जुलाई महीने में इस बार बिजली की मांग 9 हजार मेगावाट तक पहुंचने का अनुमान है। क्योंकि 2024 में जुलाई महीने में बिजली की मांग न खपत का नया इतिहास बनाते हुए बिजली की पीक डिमांड 8656 मेगावॉट तक पहुंच गई थी। दोनों कंपनियों का दावा है कि हमने अपने अपने स्तर पर बिजली की अधिकतम मांग को पूरा करने के लिए सभी तैयारियां कर ली है। इसलिए उपभोक्ताओं को घबराने की जरूरत नहीं है, निर्बाध बिजली आपूर्ति जारी रहेगी।

खबर संक्षेप

नहीं रहे वरिष्ठ पत्रकार किरणपाल राणा

गाजियाबाद। वरिष्ठ पत्रकार किरणपाल राणा का लम्बी बीमारी के कारण निधन हो गया। वह काफी समय से बीमार थे। बुधवार की रात में उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन पर शहर के पत्रकारों,समाज सेवी संगठनों ने दुख व्यक्त किया है। नगर निगम कर्मचारी संघके अध्यक्ष व स्थानीय निकाय कर्मचारी महासंघप्रदेश उपाध्यक्ष रविन्द्र कुमार जाटव ने भी उनके निधन पर दुख व्यक्त किया है।

गाजियाबाद महानगर का वार्षिकोत्सव 29 को

गाजियाबाद। सेवा भारती मेरठ प्रांत गाजियाबाद महानगर का वार्षिकोत्सव 29 मार्च को मनाया जाएगा। नेहरू नगर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में शाम 4:00 बजे से शाम 7 :00 बजे तक एक कार्यक्रम आयोजित होगा। महानगर के अध्यक्ष अखिल अग्रवाल ने बताया कि कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रमुख समाजसेवी सरदार मलकित सिंह जस्सर होंगे। राजकुमार मटाले ,मुख्य अतिथि अपर जिलाधिकारी नगर गंभीर सिंह रहेंगे।

कट्टा उपलब्ध करवाने वाले आरोपी को दबोचा

फरीदाबाद। क्राइम ब्रांच डीएलएफ की टीम ने देशी कट्टा उपलब्ध करवाने वाले आरोपी संजीव को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया के 11 मार्च को लोकेश निवासी को देसी कट्टे सहित गिरफ्तार किया गया था थाना पल्ला में मामला दर्ज किया गया। लोकेश ने बताया कि वह देसी कट्टा को संजीव से लेकर आया था, जिस पर क्राइम ब्रांच डीएलएफ की टीम ने अपने गुप्त सूत्रों से प्राप्त सूचना के आधार पर संजीव वासी मीठापुर दिल्ली को सेक्टर-37, फरीदाबाद से काबू कर किया है।

फागुन महोत्सव में खाटू श्याम के भजनों पर हजारों भक्त घंटों झूमते रहे

भजन गायिका रेशमी शर्मा के भजनों ने सबका मन मोह लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

परिवार सांवरे संस्था द्वारा खाटू श्याम बाबा के फागुन महोत्सव का आयोजन मालीवाड़ा स्थित वोल्गाा पैलेस में किया गया।

■ आयोजन वोल्गा पैलेस में किया गया

फागुन आयो रे श्याम को मेला आयो रे का आयोजन फागुन महोत्सव ने शहर के श्री श्याम प्रेमियों को श्याम रंग में रंग दिया। खाटू श्याम के भजनों पर शहर के हजारों श्याम भक्त घंटों झूम-झूम कर आनंद लेते रहे।

कोलकाता से आए भजन गायक राज पारीक के भजन मुझे भी खाटू जाना है ने सभी श्याम भक्तों को भाव विभोर कर दिया। जिन लोगों ने आज तक खाटू के दर्शन नहीं करें हैं, उनके अंदर भी भजन सुनकर हारे के सहारे लखदातार की दर्शन करने की इच्छा जागृत हो गई। भजन गायिका रेशमी शर्मा के श्याम भजनों ने सबका मन मोह लिया।

ग्वालियर से आए भजन गायक मनोज शर्मा के भजनों ने सभी को झूमने पर मजबूर कर दिया। आध्यात्मिक गुरु पवन सिंन्हा के कृपा पात्र करण मल्होत्रा ने भजन प्रस्तुत किए तो ऐसा लगा कि मानो साक्षात खाटू श्याम भगवान व सालासर भगवान ही प्रकट हो गए हों। मंचसंचालन भजन गायक गोपाल भारद्वाज ने किया।

मुख्य आकर्षण का केंद्र 56 भोग की 56 थालियां रहीं

सालासर धाम के मुख्य पुजारी श्रद्धेय जय पुजारी व चुलकना धाम के संजू पुजारी का पावन सानिध्य भी भक्तों को प्राप्त हुआ। महोत्सव का मुख्य आकर्षण 56 भोग की 56 थालियां रहीं जो भगवान को भोग के रूप में अर्पित की गईं। महोत्सव को सफल बनाने में अभय गोयल, सीए विशाल गर्ग, ऋषभ अग्रवाल, विशाल रिंकू गर्ग, अमित गोयल, पंकज सिघल, अरूण अग्रवाल, सौरभ अग्रवाल, मौलिक गर्ग, हरिओम स्वामी, शुभम वशिष्ठ, कार्तिक गर्ग, पंकज जिंदल, शिवम गर्ग, वुनीत गुप्ता, पवन शुक्ला, मनोज गोयल, अंशुमान गुप्ता व गौरव शर्मा ने विशेष योगदान दिया ।

तीनों मंत्रियों में अपने-अपने चहेतो को पद दिलवाने के लिए मचा घमासान

वरिष्ठ उपमहापौर व स्थाई समिति के चेयरमैन पद को लेकर भाजपा में शुरु हुई माथापच्ची

फरीदाबाद ▶▶ बिजेन्द्र शर्मा

शपथ ग्रहण समारोह के बाद अब नगर निगम फरीदाबाद के वरिष्ठ उपमहापौर, व स्थाई समिति के चेयरमैन पद को लेकर भाजपा में माथापच्ची शुरू हो गई है। इन तीनों ही महत्वपूर्ण पदों पर तीनों मंत्रियों में भी रस्साकशी चल रही है। हर कोई अपने चहेते को इन पदों पर आसीन करवाना चाह रहा है। काबिलेगौर यह है कि इस बार पहली दफा नगर निगम फरीदाबाद में महापौर पद के लिए चुनाव करवाया गया था तथा भाजपा की महापौर पद की प्रत्याशी प्रवीण बत्रा जोशी ने बम्पर जीत हासिल की जोकि पूरे देश में महापौर पद पर सबसे बड़ी अभी तक की जीत थी। जहां तक बात की जाए पार्षद प्रत्याशियों की तो 46 में से 39 सीटों पर भाजपा के प्रत्याशियों ने जीत दर्ज की और छह निर्दलीय प्रत्याशी भी जीते। इसके अलावा एक कांग्रेस प्रत्याशी ने भी जीत हासिल कर ली।

भाजपा के 39 पार्षदों में से 15 पार्षद भी गुर्जर बिरादरी के ही जीते। इतनी बड़ी संख्या में गुर्जर बिरादरी के पार्षदों के जीतने से वरिष्ठ उपमहापौर पद पर गुर्जर बिरादरी का दावा पक्का हो जाता है। राजनैतिक हलकों में अब जो चर्चा आम हो रही है उसके अनुसार केन्द्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर अजय बैंसला के बजाय कैलाश बैंसला को हराने वाले विरेन्द्र भड़ाना को वरिष्ठ उपमहापौर पद पर आसीन करवा सकते है। चूंकि महापौर प्रवीण बत्रा जोशी महिला, ब्राह्मण व पंजाबी कोटे को पूरा करती है तथा गुर्जर बिरादरी ओबीसी कोटे को पूरा कर देती है। इस बीच उपमहापौर पद दलित समुदाय को जाना लगभग तय है। इस पद पर स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल दावा जता रहे है तथा वह अपने खासमखास नरेश नंबरदार को उपमहापौर बनवा सकते है। रही बात स्थाई समिति के चेयरमैन की तो यह पद वैश्य बिरादरी को दिया जा सकता है। वैश्य बिरादरी में भी मुकेश अग्रवाल की दावेदारी मजबूत मानी जा रही है।

फरीदाबाद में बनेगा आधुनिक सुविधाओं से लेस कन्वेंशन सेंटर और लाइब्रेरी कम रिसोर्स सेंटर: ए मोना श्रीनिवास निगमायुक्त

फरीदाबाद। नगर निगम देश की राजधानी दिल्ली के भारत मंडपम की तर्ज फरीदाबाद में जल्द आधुनिक सुविधाओं से लेस कन्वेंशन सेंटर बनाने जा रहा है। बता दें कि यह कन्वेंशन सेंटर नगर निगम के पुराने आडिटोरियम के स्थान पर बनाया जाएगा। फरीदाबाद के अधिकारियों की एक टीम भारत मंडपम का दौरा कर फरीदाबाद वापस पहुंची थी उसके बाद निगम कमिशनर ए मोना श्रीनिवास अधिकारियों के साथ बैठक की और समस्त जानकारी लेने के बाद इस प्रोजेक्ट पर जल्द कार्य शरू करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ साथ फरीदाबाद के सेक्टर-88 में अत्याधुनिक लाइब्रेरी एवं रिसोर्स सेंटर का भी निर्माण कराया जाएगा। इस कार्य के लिए टेंडर प्रक्रिया जल्द ही शुरू करने के निर्देश दिए गए है। निगम कमिश्नर ए मोना श्रीनिवास ने कहा कि फरीदाबाद नगर निगम के पुराने ऑडिटोरियम के स्थान पर एक भव्य कन्वेंशन सेंटर का निर्माण कराया जाएगा जिसमें लगभग 2 से 3 हजार व्यक्ति दर्शक दीर्घा में बैठ सकेंगे,यह आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित होगा । उन्होंने कहा कि कन्वेंशन सेंटर बनने के बाद शहर के लोग इसके अंदर सांस्कृतिक कार्यक्रम इत्यादि भी करा सकेंगे। साथ ही फरीदाबाद औद्योगिक नगरी होने के कारण इंडस्ट्रीज से जुड़े लोग भी अपने कार्यक्रम इसमें करवा सकेगे। निगम कमिश्नर ए मोना श्रीनिवास ने बताया कि सेक्टर 88 में लाइब्रेरी कम रिसोर्स सेंटर का भी निर्माण कराया जाएगा जिसका लाभ युवा पीढ़ी को मिलेगा, इसे पूरे तरीके से डिजिटल रूप दिया जाएगा। बता दें कि नगर निगम के चीफ इंजीनियर बीके कर्दम और चीफ इंजीनियर विवेक गिल ने दिल्ली भारत मंडपम और ब्रिटिश लाइब्रेरी का दौरा किया था बैठक में उन्होंने कमिश्नर ए मोना श्रीनिवास को समस्त जानकारियां दी। उसके उपरांत कमिश्नर ने अधिकारियों को इस प्रोजेक्ट पर देरी ना करते हुए टेंडर प्रक्रिया को शुरू कराने के निर्देश दिए। बैठक में एडिशनल कमिश्नर गौरव अंतिल, चीफ इंजीनियर बी के कर्दम, चीफ इंजीनियर विवेक गिल सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

फरीदाबाद ननि ने 9 प्रॉपर्टी की सील

फरीदाबाद। फरीदाबाद नगर निगम द्वारा संपत्तिकर न भरने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में बुधवार को बल्लभगढ़, चंदावली जोन और एनआईटी क्षेत्र में संपत्तिकर बकायेदारों पर शिकंजा कसते हुए 9 संपत्तियों को सील कर दिया गया। इन संपत्तियों पर लगभग 10 लाख रुपए से अधिक का टैक्स बकाया था। बल्लभगढ़ में नगर निगम की टीम ने 9 यूनिटों को सील किया, जबकि चंदावली जोन में 4 और एनआईटी क्षेत्र में भी कई दुकानों व रेस्टोरेंट्स पर कार्रवाई की गई। यह अभियान नगर निगम कमिश्नर मोना श्रीनिवास के आदेशानुसार एडिशनल कमिश्नर स्वप्निल रविंद्र पाटिल के मार्गदर्शन में चलाया गया। निगम कमिश्नर मोना श्रीनिवास ने स्पष्ट किया कि नगर निगम को प्राप्त होने वाला टैक्स शहर के विकास कार्यों में खर्च किया जाता है। उन्होंने शहरवासियों से अपील कीए कि वे समय पर संपत्तिकर जमा करें, ताकि फरीदाबाद का विकास कार्य तेजी से आगे बढ़ सके। नगर निगम अधिकारियों ने यह भी संकेत दिया कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा और बकाया करदाताओं के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे। टैक्स जमा न करने वालों की संपत्तियों को सील करने के अलावा कानूनी कार्रवाई भी की जा सकती है। नगर निगम की इस कार्रवाई के बाद संपत्तिकर बकाया रखने वालों में हडकंप मच गया है।

मानेसर नगर निगम को देश का नंबर एक निगम बनाने का करेंगे प्रयासः मेयर डॉ. इंद्रजीत कौर

गुरुग्राम (धर्मेंद्र कौशिक)। नगर निगम मानेसर की मेयर डॉ. इंद्रजीत कौर यादव ने कहा कि मानेसर निगम को देश का नंबर एक निगम बनाने का प्रयास करेंगे। इसके लिए सभी पार्षदों का सहयोग जरूरी है। पार्षदों के सहयोग से ही उनके वार्ड में विकास कार्यों की रूपरेखा तैयार की जाएगी। प्राथमिकता के आधार पर कामों को पूरा किया जाएगा। मानेसर निगम क्षेत्रवासियों से सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल न करने की अपील भी की। यह बात मेयर डॉ. इंद्रजीत कौर यादव ने वीरवार को नगर निगम के कार्यालय में आयोजित नवनिर्वाचित पार्षदों के साथ परिचय बैठक में कही। मेयर ने सबसे पहले पार्षदों को शुभकामनाओं सहित बधाई प्रेषित की। टीम में महिला पार्षदों की भागीदारी को लेकर भी मेयर ने प्रशंसा की। मेयर ने कहा कि अगले पांच सालों तक हम सभी मिलकर मानेसर निगम को देश का नंबर एक निगम बनाने का प्रयास करेंगें। यह काम टीम वर्क के साथ ही संभव है। जल्द ही सदन की पहली बैठक भी आयोजित की जाएगी। इस दौरान सभी पार्षद अपने-अपने वार्ड की समस्याओं को लिखित में लेकर आएं, ताकि बैठक में वे समस्याएं सुनने की बजाय उसका समाधान निकालने का प्रयास करेंगें। सप्ताह में एक-एक दिन प्रत्येक वार्ड के पार्षदों के साथ बैठक करके उनके वार्ड में होने वाली समस्याओं का हल निकालने का प्रयास किया जाएगा। आयुक्त रेनू सोगन ने मेयर डॉ. इंद्रजीत कौर यादव सहित सभी नव-निर्वाचित पार्षदों को बधाई देते हुए कहा कि करीब पांच साल के बाद नगर निगम का परिवार पूरा हुआ है।

पहले फोटो से चेहरा मिलाया, फिर मैनेजर के सीने में बेखौफ बदमाशों ने मार दी गोली,किसान को भी मारी गोली

परिजनों के साथ खेत पर टहल रहा था मैनेजर,पत्नी व बहन को भी किया घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

मोदीनगर थाना मोदीनगर थाना क्षेत्र के गांव अमराला में इस सनसनीखेज मामला प्रकाश में आया है। यहां पर बुधवार की रात में एक निजी कंपनी के मैनेजर का कार में सवार बदमाशों में पहले फोटो देखकर मिलान किया और फिर उसके सीने में गोली मार दी। इतना ही नहीं दुस्साहसी बदमाशों ने अपनी पत्नी व बहन को भी तमंचे की बट मारकर घायल कर दिया। बदमाशों ने घटना को अंजाम देते वक्त यह भी कहा कि उन्हें इस वारदात को अंजाम देने के लिए 25लाख रुपए की सुपारी मिली है। इतना ही नहीं इसी गांव ने इन बदमाशों ने किसान अमरजीत को भी गोली मार दी और फरार हो गए। दोनों घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और पुलिस ने मामले की पड़ताल शुरू कर दी है।

निजी कंपनी में मैनेजर पद पर कार्यरत गांव अमराला निवासी रजनीश शर्मा बुधवार रात 10:30 बजे के आसपास अपनी पत्नी रचना शर्मा व बहन कविता शर्मा के साथ खेत की ओर टहलने गए थे। वह टहलते हुए जब वह गांव के पट्टी मार्ग पर पहुंचे। इसी दौरान उन्हें एक कार खड़ी दिखाई दी , जिसकी लाइट जल रही थी। इसी बीच कविता शर्मा ने अपने भाई रजनीश से कहा कि शायद आगे युवक शराब पी रहे, इसलिए वापस चलते हैं। इसी दौरान तीन युवक पहुंचे पास और अपने हाथ में ले रहे फोटो देखकर रजनीश के सीने में गोली मार दी।

गोली लगते ही रजनीश लहूलुहान होकर नीचे गिर गए। शोर मचाने पर बदमाशों ने कहा कि रजनीश व उसकी पत्नी रचना को मारने की 25 लाख रुपए सुपारी मिली है। इतना ही नहीं विरोध करने पर बदमाश महिलाओं को बंधक बनाकर खेत में ले गए और तमंचे की बट मारकर घायल कर दिया और मौके से फरार हो गए। इसके बाद परिजनों ने उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया। बदमाशों का तांडव यहीं नहीं रुका, बल्कि वे रात करीब बारह बजे बदमाश गांव अमराला में पहुंचे और किसान अजीत सिंह का दरवाजा खटखटाया।

जैसे ही अजीत ने दरवाजा खोला तो उन्हें भी गोली मार दी और फरार हो गए। गंभीर हालत में दोनों को गाजियाबाद के निजी एसीपी मोदीनगर ज्ञान प्रकाश राय का कहना है कि सुपारी लेकर गोली मारने की बात कही जा रही है, लेकिन इस बात की पुष्ट नहीं हुई है। बदमाशों को पकड़ने के लिए चार टीमों को लगाया गया है। जल्द ही घटना का खुलासा कर दिया जाएगा।

कुख्यात डकैत अखिल गुप्ता पुलिस मुठभेड़ में घायल

गाजियाबाद। थाना मुरादनगर पुलिस ने डकैती के मामले में फरार चल रहा डकैत अखिल गुप्ता बुधवार की रात में मुरादनगर पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में घायल हो गया। उसके कब्जे से 01 तमंचा 315 बोर मय 01 खोखा कारतूस व 01 जिंदा कारतूस तथा लूटा हुआ बैग बरामद हुए हैं। डीसीपी ग्रामीण एसएन त्रिपाठी के मुताबिक अखिल गुप्ता पर विभिन्न थानों में आठ आपराधिक मामले दर्ज है। 13 फरवरी को रात में मुरादनगर क्षेत्रान्तर्गत एक व्यापारी व कर्मचारी से 07 बदमाश गोली चलाते हुए रुपयों से भरा थैला व हिसाब का बहीखाता व दुकान की चाबी, गोदाम की चाबी लेकर मौके से भाग गये थे। जिसके संबंध में थाना मुरादनगर पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु टीमों का गठन किया गया था। तत्पश्चात थाना पुलिस ने पूर्व में मुकदमा मामले से सम्बंधित 06 अभियुक्तो को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है । पुलिस ने अथक प्रयास के बाद मामले में फरार शत्रुघन उर्फ शत्रु उर्फ भांजा उर्फ अखिल गुप्ता उर्फ राकेश निवासी कृष्णा विहार थाना लोनी बार्डर को गिरफ्तार कर लिया गया था। आरोपी से पूछताछ करते हुए घटना में लूटे सिर्फ शेष बही खाता के बैग की बरामदगी हेतु मुरादनगर क्षेत्र के गंगनहर पटरी के पास लाया गया था।

सरपंच सुंदर लाल ने बॉडी बिल्डिंग में गोल्ड मेडल विजेता सुधीर का किया सम्मान

गोल्ड मेडल जीतने के बाद सुधीर यादव का हुआ आईबीबीएफ के लिए चयन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

सिकंदरपुर गांव निवासी बॉडी बिल्डर सुधीर यादव ने ओपन मिस्टर इंडिया बॉडी बिल्डिंग चैंपियनशिप में राज्य स्तर पर पहला स्थान हासिल करके गोल्ड मेडल जीता है। यह मेडल जीतने पर भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं गांव के पूर्व सरपंच सुंदर लाल यादव ने स्वागत करते हुए उसे सम्मानित किया। सुधीर यादव को उन्होंने गांव का गर्व बताया। इस अवसर पर चंद्रपाल यादव, श्योनारायण यादव, महेंद्र यादव, सतप्रकाश, राजबीर हवलदार समेत अनेक ग्रामीणों ने सुधीर यादव को शुभकामनाएं दी।

सुधीर यादव द्वारा मिस्टर इंडिया बॉडी बिल्डिंग चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीतने के साथ ही उसका चयन आईबीबीएफ चैंपियनशिप के लिए हो गया है। इसके लिए भी सरपंच सुंदर लाल यादव ने कहा कि सुधीर ने हमारे गांव का सम्मान बढ़ाया है। किसी भी चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीतने तक पहुंचना इतना आसान नहीं होता। उन्होंने कहा कि सुधीर ने गांव के साथ-साथ गुरुग्राम और हरियाणा का नाम रोशन किया है। सुधीर यादव ने अपनी मेहनत से यह मुकाम हासिल किया है। उन्होंने कहा कि सुधीर यादव बच्चों, युवाओं के लिए प्रेरणा है। हर कोई उनसे प्रेरणा जरूरी ले।

दी बल्लभगढ़ कोऑपरेटिव मार्केटिंग सोसायटी लिमिटेड बल्लभगढ़

निविदा सूचना

दी बल्लभगढ़ कोऑपरेटिव मार्केटिंग सोसायटी लिमिटेड बल्लभगढ़ दुकान नंबर 73 न्यू अनाज मंडी बल्लभगढ़ की तरफ से वर्ष 2025.26 आंगनवाड़ी फरीदाबाद की सप्लाई के लिए ट्रांसपोर्ट व लेबर के ठेकेदारों के लिए निविदा टेंडर भरने की आखिरी तारीख 09.04.2025 शाम 5 बजे तक है। यह टेंडर 10.04.25 में प्रातः 11.00 बजे समिति कार्यालय में खोलें जाएंगे। टेंडर की नियम व शर्तें तथा टेंडर फॉर्म समिति कार्यालय से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त कर सकते हैं।

हस्ता/-नरेंद्र कोहली, मैनेजर

पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा

लेडी डॉक्टर की चाकू मारकर हत्या, क्लीनिक में मिली लाश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

महिला डॉक्टर की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। 10 घंटे तक महिला का शव क्लीनिक के ऊपर कमरे में ही पड़ा रहा। बुधवार रात परिवार के लोग कमरे में पहुंचे तो वहां डॉक्टर का शव खून से लथपथ पड़ा हुआ था। घटना बल्लभगढ़ की विष्णु कॉलोनी की है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

मृतका की पहचान डॉ. प्रियंका के रूप में हुई है। पूजा ने बताया कि बहन प्रियंका और मेरी शादी एक ही घर में हुई थी। प्रियंका की हत्या उसके पति लख्मी चंद और मेरे पति भगत सिंह ने की है। लख्मी चंद प्रियंका को धमकी दे रहा था। वह उसे कहता था कि एक हत्या करूं या दो, सजा तो उतनी ही मिलेगी। मेरा पति भगत सिंह हरियाणा पुलिस में डायल 112 की गाड़ी पर ड्राइवर है। पूजा ने कहा कि उसकी बहन प्रियंका को कई दिन से धमकियां मिल रहीं थी। इसकी शिकायत उन्होंने आदर्श नगर थाने में की थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

बुधवार सुबह 11 बजे उन्होंने प्रियंका को फोन किया था, लेकिन उसका फोन बंद आ रहा था। परेशान होकर सेक्टर-12 कोर्ट में अपने किसी जानकार के पास पहुंचे। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। इसके बाद डायल 112 की टीम विष्णु कालोनी में प्रियंका के क्लीनिक पर गई। टीम ने उन्हें बताया कि वहां प्रियंका नहीं है।

हत्या से पहले बच्चों को ले गई थी सास

इसके बाद रात 9 बजे वे खुद क्लीनिक पर पहुंचे। जब वे ऊपर बने कमरे में गए तो बेड के साथ जमीन पर प्रियंका का खून से सना शव पड़ा हुआ था। पूजा ने आरोप लगाया कि प्रियंका की हत्या पूरी योजना के तहत की गई है। हत्या से एक दिन पहले ही प्रियंका की सास और भगत सिंह क्लीनिक पर आए थे। वे दोनों बच्चे नकुल और एकता को अपने साथ ले गए। इसकी शिकायत थाने में की गई थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

स्क्रेप लॉट बिक्री हेतु आगामी ई-नीलाम कार्यसूची

जीएसडी/पांडु डिपो अधिक्षेत्र के अधीन अप्रैल/2025 महिना के लिए ई-नीलाम के जरिये स्क्रेप लॉट की बिक्री हेतु ई-नीलाम कार्यसूची निम्नलिखित अनुसार निर्धारित की गई हैं।

क्रमिक संख्या	महिना/साल	नीलाम सूची संख्या.	नीलाम प्रारंभ की तारीख/समय
1	अप्रैल/2025	जीएसडीपीएनओ24एन2501	09-04-2025/10.30.00
2		जीएसडीपीएनओ24एन2502	16-04-2025/10.30.00
3		जीएसडीपीएनओ24एन2503	23-04-2025/10.30.00

इच्छुक बोलीदाताओं को ई-नीलाम में पंजीयन, प्रशिक्षण, अंशग्रहण हेतु आईआरईपीएस वेबसाइट www.ireps.gov.in के जरिए बोली आमंत्रण करने की सलाह दी जाती हैं।

उप मुख्य सामग्री प्रबंधक/पांडु

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे

"मुस्कान के साथ ग्राहकों की सेवा में"

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 CrPC देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **मुकेश गुप्ता पुत्र स्व. श्री मिथन लाल निवासी मकान संख्या 24, डी–14, सेक्टर–7, रोहिणी, दिल्ली** ने **FIR No. 259/16, U/S 498A/406 IPC, अन्तर्गत थाना उत्तर रोहिणी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मुकेश गुप्ता,** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मुकेश गुप्ता,** फरार हो गया है (या उक्त वारंट के तामील से बचने के लिये अपने आपको छिपा रहा है)।

अतः इसके द्वारा उदघोषणा की जाती है कि **FIR No. 259/16, U/S 498A/406 IPC, अन्तर्गत थाना उत्तर रोहिणी, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **मुकेश गुप्ता,** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **02.05.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार,
सुश्री ऐश्वर्या शर्मा
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी (महिला न्यायालय–01 उत्तर पश्चिम), कमरा नं. 106, प्रथम तल
रोहिणी न्यायालय, दिल्ली

DP/3705/RD/2025 (Court Matter)

खबर संक्षेप

अवैध ई-रिक्शा के खिलाफ चलेगा अभियान

लखनऊ। सीएम योगी के निर्देश के बाद परिवहन विभाग अवैध ई-रिक्शा व ऑटो वालों के खिलाफ कार्रवाई को और तेज करने जा रहा है। इसके लिए, परिवहन विभाग की तरफ से लखनऊ समेत सभी जनपदों में पहली से 30 अप्रैल तक विशेष अभियान चलाया जाएगा। परिवहन आयुक्त ने अभियान की सफलता के लिए समस्त पुलिस आयुक्त, जिलाधिकारी व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखा है।

कुत्ते ने 1 घंटे के भीतर 10 बच्चों को बनाया निशाना

मुरादाबाद। कांठ में एक घंटे के भीतर कुत्ते ने 10 बच्चों को काटकर घायल कर दिया। घायलों को सीएचसी को सीएचसी में एंटी रैबीज वैक्सीन लगाई गई। दो बच्चों को गंभीर हालत में जिला अस्पताल के लिए रेफर किया गया। कुत्तों के आतंक से लोगों में खौफ है। मोहल्ला पृथ्वीगंज और घोसीपुरा में एक कुत्ता घरों के बाहर खेल रहे छोटे-छोटे बच्चों को दौड़ा-दौड़ाकर काटने लगा।

बीएचयू के दलित छात्र के समर्थन में उतरे अखिलेश

वाराणसी। जनरल कैटेगरी में दूसरा स्थान लाने के बाद भी बीएचयू में पीएचडी में दाखिला से वंचित दलित छात्र शिवम सोनकर का मामला देश भर में चर्चा का विषय बन गया है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी उसके पक्ष में उतरे हैं और भाजपा से पूछा कि पीडीए को पीएचडी करने का अधिकार नहीं है? शिवम नंगे बदन वीसी आवास के सामने धरना दे रहे हैं।

रांची में झारखंड बंद का व्यापक असर

महिला मोर्चा अध्यक्ष समेत कई भाजपा नेता हिरासत में

एजेंसी ▶▶ रांची

झारखंड के कांके में भाजपा नेता अनिल महतो टाइगर की गोली मारकर हत्या कर दी गई। टाइगर की हत्या के बाद पूरे झारखंड में बीजेपी ने विरोध प्रदर्शन किया। अब भाजपा ने गुरुवार को झारखंड बंद का ऐलान किया है। इस दौरान भाजपा के झारखंड बंद ऐलान को कई संगठनों का समर्थन भी मिला है। समर्थन देने वालों में आजसू और जेडीयू भी शामिल हैं। कांके में भाजपा नेता की हत्या की सूचना मिलने के बाद कार्यकर्ताओं में आक्रोश आ गया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रदेश के कई इलाकों में अपना आक्रोश जताते हुए रास्तों को जाम कर दिया। प्रदेशव्यापी विरोध प्रदर्शन के साथ भाजपा ने झारखंड बंदी का ऐलान भी किया है।

भाजपा ने झारखंड बंद का ऐलान किया है। गुरुवार को बीजेपी पूरे प्रदेश में अनिल महतो टाइगर की हत्या के विरोध में प्रदर्शन करेगी। इस दौरान बाजार के साथ ही ज्यादातर चीजें बंद रहने की संभावना है।

खास बातें

- विधानसभा की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष ने हंगामा करना शुरू कर दिया
- हिरासत में रखे नेताओं से मिलने पहुंचे नेता प्रतिपक्ष व भाजपा नेता बाबू लाल मरांडी

पुलिस ने प्रदर्शन रोकने की कोशिश की

बंद के दौरान नामकुम में सड़क जाम कर प्रदर्शन कर रही भाजपा नेत्रियों को पुलिस ने प्रदर्शन से रोक दिया। प्रदर्शन के दौरान प्रदेश भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष आरती सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष आरती कुजूर सहित अन्य नेताओं को हिरासत में ले लिया गया। नामकुम थानेदार मनोज कुमार ने सभी को हिरासत में लेने के बाद थाने में बैठा रखा है। इस मामले पर बात करते हुए पुलिस ने बताया कि हत्या का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है, क्योंकि अभी तक मामले में एफआईआर तक नहीं हुई है।अनिल महतो की हत्या के विरोध में भाजपा कार्यकर्ता सड़कों पर डटे हुए हैं। डोरंडा मंडल अध्यक्ष पियूष विजयवर्गीय को डोरंडा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

विधानसभा में भी हंगामा व प्रदर्शन

अनिल महतो की हत्या को लेकर गुरुवार को झारखंड में जमकर हंगामा हुआ। यहां विधानसभा की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष ने हंगामा करना शुरू कर दिया। विपक्ष और पक्ष के हंगामे के बाद कार्यवाही को 12.55 तक के लिए स्थगित कर दिया गया। हेमंत सरकार के खिलाफ परिसर में प्रदर्शन के दौरान विधायकों ने झारखंड में अपराधियों पर अंकुश लगाने में सरकार पर विफलता का आरोप लगाया। विधायकों ने हेमंत सरकार को हत्यारी सरकार बताया। कहा कि झारखंड में गुंडागर्दी नहीं चलेगी। प्रदर्शन के दौरान पूरा विपक्ष एकजुट दिखाई दिया।सरकार ने सख्त कार्रवाई का भरोसा दिया।

मिर्जापुर में भाजपा सरकार की 8 साल की उपलब्धियों की प्रदर्शनी

आस्था से जुड़े विकास ने यूपी की अर्थव्यवस्था को दी नई रफ्तार, पर्यटकों की आमद बढ़ी

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को मिर्जापुर में अपनी सरकार की आठ साल की उपलब्धियों की प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि आस्था आर्थिक विकास का आधार बन सकती है। उन्होंने बताया कि मां विंध्यवासिनी कॉरिडोर के विकास के बाद लाखों श्रद्धालु यहां आ चुके हैं, जिससे क्षेत्र में पर्यटन और आर्थिक गतिविधियां बढ़ी हैं।

सीएम योगी ने कहा- "महाकुंभ ने यह रास्ता दिखाया कि आस्था भी आर्थिक विकास का माध्यम बन सकती है। मां विंध्यवासिनी का कॉरिडोर बनने के बाद लाखों श्रद्धालु यहां आ चुके हैं। मैं सभी श्रद्धालुओं का धन्यवाद करता हूं।" उन्होंने कहा कि यह कॉरिडोर क्षेत्र के विकास में बड़ी भूमिका निभा रहा है।

गंगा एक्सप्रेसवे को पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से जोड़ने का लिया फैसला | प्रदर्शनी में यूपी सरकार के कामकाज की झलक दिखाई दे रही

भूमि अधिग्रहण घोटाले में 15 अफसरों पर गिरी गाज

डिफेंस कॉरिडोर भूमि अधिग्रहण घोटाले में फंसे लखनऊ के पूर्व डीएम अभिषेक प्रकाश की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। इस मामले में 15 अन्य अधिकारियों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। सीएम रिपोर्ट के आधार पर दोषी अधिकारियों के निलंबन के निर्देश जारी कर दिए हैं। यूपी सरकार ने डिफेंस कॉरिडोर परियोजना के तहत लखनऊ के सरोजनी नगर तहसील में भटगांव ग्राम पंचायत की भूमि अधिग्रहण की थी। इस अधिग्रहण में भारी अनियमितताएं पाई गईं। मुख्यमंत्री ने इस मामले की जांच राजस्व परिषद के तत्कालीन अध्यक्ष डॉ. रजनीश दुबे से कराई थी।

बेहतर कनेक्टिविटी से मिलेगा आर्थिक विकास को बढ़ावा

सीएम ने कहा कि गंगा एक्सप्रेसवे देश का सबसे बड़ा एक्सप्रेसवे है, जो मेरठ से प्रयागराज को जोड़ता है। उन्होंने बताया कि सरकार ने मां विंध्यवासिनी धाम को बाबा विश्वनाथ धाम से जोड़ने के लिए इस एक्सप्रेसवे को पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से जोड़ने का फैसला किया है। कहा कि "एक्सप्रेसवे अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। बेहतर कनेक्टिविटी से आर्थिक विकास को गति मिलेगी।" सीएम योगी ने मिर्जापुर में बने मेडिकल कॉलेज का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि जब अच्छी सरकार चुनी जाती है तो मेडिकल कॉलेज जैसे विकास कार्य संभव होते हैं। उन्होंने कहा, "यह प्रदर्शनी सरकार के कामकाज की झलक दिखा रही है। जब नई पीढ़ी अपनी स्नातक डिग्री हासिल करेगी तो माता-पिता को भी गर्व होगा।

'सड़क पर नमाज पढ़ने पर होगा एक्शन'

मेरठ पुलिस के फैसले से भड़के जयंत कर दी ऑरवेलियन 1984 से तुलना

एजेंसी ▶▶ मेरठ

यहां पुलिस प्रशासन ने ईद की नमाज को लेकर सख्त आदेश जारी करते हुए सड़कों पर नमाज पढ़ने पर रोक लगा दी है। इस आदेश पर अब प्रदेश में सियासत हो रही है। एनडीए की सहयोगी और केंद्र सरकार में मंत्री जयंत चौधरी ने मेरठ पुलिस के इस फैसले का विरोध किया है और उसकी तुलना ऑरवेलियन 1984 की पुलिसिंग से की है। उन्होंने अपने ट्विटर हैंडल पर पोस्ट किया कि सड़क पर नमाज अदा करने पर पुलिस प्रशासन का रवैया सख्त रहेगा। एसपी ने कहा कि ऐसा करने वालों पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

संभल में भी प्रशासन सतर्क

संभल में ईद व अन्य धार्मिक आयोजनों को लेकर पुलिस सतर्क हो गया है। एएसपी श्रीशचंद ने स्पष्ट किया कि कोतवाली संभल क्षेत्र में मस्जिद व ईदगाह के अंदर ही नमाज अदा की जाएगी। सड़कों पर किसी भी हालत में इसकी अनुमति नहीं दी जाएगी। परंपरागत रूप से नमाज मस्जिद या ईदगाह के अंदर ही अदा की जाती रही है और नियमों का पालन करना अनिवार्य होगा। नियमों के उल्लंघन में कड़ी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने शांति व्यवस्था बनाए रखने व नियमों का पालन करने की अपील की है। संवेदनशील माहौल को ध्यान में रखते हुए, प्रशासन ने ईद, नवरात्र के मद्देनजर पीस कमेटी की बैठक बुलाई।

रद्द किया जा सकता है लाइसेंस

मुकदमा दर्ज होने के बाद पासपोर्ट और लाइसेंस भी रद्द किया जा सकता है। एसपी सिटी आयुष विक्रम सिंह ने बताया कि सड़क पर नमाज अदा करने पर पिछली बार भी 200 लोगों पर मुकदमा दर्ज किया गया था। इस बार भी अगर कोई सड़क पर नमाज पढ़ेगा तो मुकदमा दर्ज होगा। वहीं मुस्लिम समुदाय के लोगों का कहना है कि रोक लगे तो सभी पर लगाई जानी चाहिए, सिर्फ मुसलमान को टारगेट किया जा रहा है।

पेज एक का शेष

सीजेआई खन्ना...

तबादले की कॉलेजियम की सिफारिश वापस लेने की वकीलों की मांग पर विचार करेंगे। उच्च न्यायालय इलाहाबाद, लखनऊ पीठ, गुजरात, केरल, कर्नाटक और मध्य प्रदेश की जबलपुर पीठ के बार एसोसिएशनों के प्रतिनिधियों ने गुरुवार दोपहर को मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना समेत न्यायमूर्ति बीआर गवई, न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति विक्रम नाथ से मुलाकात की। बैठक के बाद इलाहाबाद उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल तिवारी ने बताया कि मुख्य न्यायाधीश ने बार निकायों के ज्ञापन पर विचार-विमर्श किया और उनकी मांग पर विचार करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन भी अनिश्चितकालीन हड़ताल को लेकर विचार करेगा।

जस्टिस वर्मा से ...

वापस लिया जाए तथा पहले से वापस लिए गए न्यायिक कार्यों के अतिरिक्त सभी प्रशासनिक कार्य भी वापस लिए जाएं। ज्ञापन में दावा किया गया कि दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की रिपोर्ट के अनुसार आग की घटना के एक दिन बाद किसी ने न्यायमूर्ति वर्मा के आवास से सामान हटा दिया था। इससे साफ है कि ऐसे अपराधों में अन्य लोग भी शामिल हो सकते हैं और एफआईआर दर्ज न होने से उनके अभियोजन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

गोलीबारी में दो आतंकी...

फिर ताबड़तोड़ फायरिंग हुई। इस समय कठुआ रेलवे स्टेशन और दूसरी जरूरी जगहों पर सुरक्षा को टाइट कर दिया गया है।

आईजी, डीआईजी भी ऑपरेशन में शामिल : सुफैन के जंगलों में छिपे आतंकियों को ढेर करने के लिए पैरा कमांडो उतारे गए हैं। आईजी भीम सेन टूटी और डीआईजी शिव कुमार और सीआरपीएफ के आला अधिकारी भी मौके पर मोर्चा संभाले हुए हैं। सुरक्षाबलों की तैयारी आतंकियों को अंधेरा ढलने से पहले ढेर करने की रही है। पिछली बार भी अंधेरे का फायदा उठाकर आतंकी सन्याल से भाग निकले थे। इनके खिलाफ चार दिन से सुरक्षाबल जंगल का चप्पा-चप्पा खंगाल रहे थे।

आतंकियों को ढेर करने का चलाया ऑपरेशन : आतंकियों को ढेर करने के लिए एक ओर जहां भारी संख्या में सुरक्षाबलों ने कठुआ के जुथाना की ओर से घेराबंदी की। वहीं बिलावर के धराल्ता और सुंदरीकोट की ओर से भी आतंकियों को घेर लिया गया है। सुरक्षाबल भी जानते हैं कि अंबे नाल से भाग निकलने के बाद आतंकियों के पास छिपने और पहाड़ों की ओर निकलने के लिए कई रूट हो जाएंगे। ऐसे में उन्हें ढेर करने में मुश्किलें आएंगी। लिहाजा सीमित घेरे में ही उन्हें ढेर करने के लिए ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

मौके पर तैनात चार एंबुलेंस : मौके पर पहुंचे सीएमओ कठुआ ने बताया कि दो घायल जवानों को जीएमसी कठुआ में उपचार दिया गया है। एक पैरा कमांडो को भी हाथ में चोट लगी है। कुछ और लोगों के भी घायल होने की जानकारी है। लेकिन ऐसा पता चला है कि फिलहाल उन्हें मुठभेड़ वाले क्षेत्र से बाहर नहीं लाया जा सका है। चार एंबुलेंस को मौके पर तैनात रखा गया है।

मीडिया और इंटरटेनमेंट...

वेव्स नाम की योजना पर लगा दिया है। ये पहली बार होगा जब मीडिया और मनोरंजन के लिए ऑनलाइन न्यूमीडिया के लिए काम करने वाले विश्व के नामचीन हस्ताक्षर तो होंगे ही उनसे रूबरू होकर उनके अनुभव से सीखने का अवसर देश के युवाओं को भी मिल सकेगा। आगामी एक से चार मई तक मुंबई में 'वेव्स' (वर्ल्ड आउडियो विजुअल एंड इंटरटेनमेंट)नाम से एक वैश्विक शिखर सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। जिसका उद्देश्य भारत के मीडिया और मनोरंजन क्षेत्र को वैश्विक मंच पर स्थापित करना, नवाचार को बढ़ावा देना, और रचनात्मक अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है। यह पहल भारत को विश्व में कहानी कहने तकनीकी नवाचार, और सांस्कृतिक प्रभाव के केंद्र के रूप में पेश करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। मंत्रालय के उच्चपदस्थ अधिकारी ने बताया कि मुंबई को इसलिए चुना गया क्योंकि यह भारत की वित्तीय और मनोरंजन राजधानी है, जो प्राचीन और आधुनिक सांस्कृतिक प्रभावों का मिश्रण है। वेव्स की वेबसाइट पर जाकर कोई भी अपना पंजीकरण कर अंतर्राष्ट्रीय आयोजन का हिस्सा बन सकता है। अधिकारी ने बताया कि भारत में मीडिया एंड इंटरटेनमेंट उद्योग का बाजार

वेव्स के उद्देश्य

1.रचनात्मकता को बढ़ावा: भचनाकारों (क्रिएटर्स) को वैश्विक मंच पर लाना और उनकी प्रतिभा को निखारना।
2. वैश्विक सहयोग: अंतरराष्ट्रीय मीडिया और मनोरंजन उद्योग के साथ साझेदारी को बढ़ावा देना।
3. नौकरी सृजन: रोजगार के अवसर पैदा करना, खासकर युवाओं के लिए।
4.तकनीकी नवाचार: एआई, वीएफएक्स, गेमिंग, और डिजिटल मीडिया जैसे क्षेत्रों में भारत की क्षमता को प्रदर्शित करना।
5.सॉफ्ट पावर: भारत की सांस्कृतिक विरासत और आधुनिक कहानियों के जरिए वैश्विक प्रभाव बढ़ाना।

बांग्लादेश संग तनाव के...

साझेदारी की नींव रखी है। यहां बता दें कि बांग्लादेश हर साल 26 मार्च को पाकिस्तान से मिली आजादी का जश्न अपने राष्ट्रीय दिवस के रूप में मनाता है। वहीं, प्रधानमंत्री ने अपने पत्र में 1971 के बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम का जिक्र करते हुए कहा कि इसी से जुड़ी भावना ही हमारे संबंधों के लिए मार्गदर्शक रही है। कई क्षेत्रों में आगे बढ़ते हुए यह दोनों देशों के लोगों को लाभान्वित कर रही है। हम शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए अपनी साझा आकांक्षाओं से प्रेरित होकर आपसी हितों-चिंताओं को लेकर संवेदनशीलता के आधार पर द्विपक्षीय साझेदारी को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया ने पीएम मोदी के इस पत्र को एक्स पोस्ट में साझा किया है।

बिम्सटेक में होगी दोनों की मुलाकात : बताते चलें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मोहम्मद यूनुस अगले महीने 3 से 4 अप्रैल तक बैंकाक में आयोजित किए जाने वाले बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में भी भाग लेंगे। इस दौरान बांग्लादेश की तरफ से उनकी अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस की भारतीय प्रधानमंत्री के साथ एक द्विपक्षीय बैठक करने की मांग की गई है। जिस पर भारत ने अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। विदेश मंत्री एस.जयशंकर ने हाल ही में एक संसदीय समिति की बैठक में कहा था कि अभी इस बैठक को लेकर बांग्लादेश की तरफ से किए गए अनुरोध पर कोई निर्णय नहीं लिया गया है। विषय विचाराधीन है।

विमानन ईंधन पर राज्यों...

भारत आदिवासी पार्टी के राजकुमार रोत और द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) के सांसद ए.राजा ने सवाल पूछे थे। लेकिन नायडू के तमिलनाडु का नाम लेने पर द्रमुक सांसद नाराज हो गए और उन्होंने सरकार के खिलाफ हंगामे के साथ अपनी नाराजगी जाहिर की। वहीं, केंद्रीय मंत्री ने अपने जवाब में सदन को यह भी बताया कि वर्तमान में हवाई किराया अंतरराष्ट्रीय पद्धति द्वारा तय किया जाता है। विमानन कंपनियां मांग के तहत किराया तय करती हैं। जबकि ऑनलाइन टिकट बुकिंग से जुड़ी एजेंसियां इस पर कुछ अतिरिक्त सर्विस चार्ज भी लेती हैं। जिससे अलग-अलग माध्यमों से बुक की गई टिकटों के किराए में अंतर देखने को मिलता है। मंत्रालय लोगों को किफायती हवाई यात्रा किराया मुहैया कराने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए हमने उड़ान योजना की शुरुआत की है।

क्षेत्र में हुई उल्लेखनीय प्रगति : उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले दस सालों में विमानन क्षेत्र में हुई प्रगति अभूतपूर्व है। इस दौरान भारत में हवाई अड्डों की संख्या 74 से बढ़कर 159 हो गई। 2014 के 340 विमानों की तुलना में आज देश में विमानों की संख्या 840 तक पहुंच गई है।

बिरला बोले, सदन में होगी आधे घंटे की चर्चा : इस विषय पर प्रश्नकाल में कई अन्य दलों के सांसद भी सरकार से सवाल पूछने के इच्छुक थे। जिस पर लोकसभा अध्यक्ष ने अपनी व्यवस्था देते हुए कहा कि मामला महत्वपूर्ण है। इसलिए इस पर आधे घंटे की चर्चा कराई जा सकती है। शुक्रवार को इस विषय एक प्राइवेट मेंबर बिल भी सदन में पेश किया जाएगा। मैं अनुरोध करता हूं कि उस दौरान विषय पर अपनी बात रखने के लिए जन प्रतिनिधि मौजूद रहें और चर्चा में भाग लें।

रक्षा मंत्रालय ने किया...

एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की प्रयोगशाला द्वारा विकसित किया गया है। दोनों में से इसकी खरीद पर 1 हजार 801.34 करोड़ रुपए की लागत आएगी। यह खरीद मैकेनाइज्ड इन्फेंट्री की टैंक रोधी क्षमता में मील का पत्थर साबित होगी।

आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिलेगा : दोनों समझौतों से स्वदेशीकरण और राष्ट्रीय रक्षा उपकरण विनिर्माण क्षमताओं में वृद्धि होगी। परियोजनाओं में सूक्ष्म और लघु उद्योग क्षेत्र को प्रोत्साहन देते हुए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजन की भी संभावनाएं हैं। इससे रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को भी बढ़ावा मिलेगा। संगठन ने इन आधुनिक वाहनों को समकालीन वाहन प्रौद्योगिकी के हिसाब से तैयार किया है। जिसमें 800 किलोग्राम तक का भार वहन करने की क्षमता रखने के लिए उन्नत शक्ति का इंजन है। जो कि सशस्त्र बलों को विभिन्न प्रकार के भूभागों और परिचालन स्थितियों में आवागमन में मदद प्रदान करेगा।

विरासत पर गर्व: विदेशों से...

पुरानी थी और अंतरराष्ट्रीय तस्करी नेटवर्क के जरिए विदेश पहुँची थी। ऐसे ही दूसरी शताब्दी की एक दुर्लभ बुद्ध प्रतिमा अमेरिका से 2021 में भारत लौटाई गई। यह मूर्ति मथुरा कला शैली की थी और भारतीय बौद्ध इतिहास का एक महत्वपूर्ण हिस्सा थी। केंद्रीय मंत्री ने उच्चसदन को बताया कि इन वस्तुओं को वापस लाने की प्रक्रिया आसान नहीं रही। इसके लिए भारत ने अंतरराष्ट्रीय संधियों और यूनेस्को के 1970 के समझौते (सांस्कृतिक संपत्ति के अवैध व्यापार पर रोक) का सहारा लिया। पुरातत्व विशेषज्ञों ने इन वस्तुओं की उत्पत्ति साबित करने के लिए ऐतिहासिक रिकॉर्ड और पुरातात्विक सबूत जुटाए। विदेशी सरकारों के साथ बातचीत और सहयोग ने बड़ी भूमिका निभाई। अमेरिका, ब्रिटेन, और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों ने इस प्रक्रिया में सहायता की। विदेशों से वापिस लाई जा रही ऐतिहासिक धरोहरों को राष्ट्रीय संग्रहालयों और स्थानीय प्रदर्शनियों में रखा जा रहा है।

मंगाई गई नोट गिनने वाली मशीन

बिहार भवन निर्माण के चीफ इंजीनियर पर ईडी ने मारा छापा, मचा हडकंप

एजेंसी ▶▶ पटना

बिहार में एक बड़े इंजीनियर के कई ठिकानों पर ईडी की छापेमारी चल रही है। भवन निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता (उतर) तारणी दास के घर और रिश्तेदारों के यहां प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम तलाशी ले रही है। पटना के फुलवारी शरीफ इलाके में पूर्णेन्दु नगर स्थित उनके आवास पर भी जांच चल रही है। बताया जा रहा है कि ये छापेमारी आईएएस अधिकारी संजीव हंस से जुड़े एक मामले में हो रही है। टेंडर घोटाले को लेकर ईडी की टीम ये कार्रवाई कर रही है। छापेमारी में करोड़ों रुपए मिलने की खबर है, जिसके लिए नोट गिनने की मशीन मंगाई गई है। इस घटना से पटना के बड़े अफसरों में हड़कंप मच गया है।

- टेंडर घोटाले को लेकर कार्रवाई

बिहार भवन निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता तारणी दास मुश्किल में फंसते दिख रहे हैं। आज सुबह से ही उनके कई ठिकानों पर ईडी की टीम छापेमारी कर रही है। पटना के फुलवारी शरीफ थाना क्षेत्र के पूर्णेन्दु नगर स्थित उनके घर पर जांच टीम तलाशी ले रही है। कई गाड़ियों से जांच टीम के अफसर उनके घर पहुंचे और गेट बंद करके तलाशी शुरू कर दी। खबर है कि उनके कई रिश्तेदारों के घर पर भी तलाशी चल रही है।

जानकारी के मुताबिक, फुलवारी शरीफ के पूर्णेंदु नगर से लेकर कई ठिकानों पर लगातार छापे पड़ रहे हैं। सिर्फ उनके घर पर ही नहीं, बल्कि अभियंता के कई रिश्तेदारों के यहां भी तलाशी ली जा रही है। राजधानी पटना में सुबह-सुबह ईडी की छापेमारी से हड़कंप मच गया।

गोरखपुर में बिछेगी तीसरी रेल लाइन

शहीद एक्सप्रेस समेत 14 ट्रेनें रद्द 11 से 30 तक अप्रैल चलेगा काम

एजेंसी ▶▶ मुरादाबाद

गोरखपुर-कुसम्ही रेलवे स्टेशन के बीच तीसरी रेल लाइन बिछाई जाएगी। इसके कारण 11 से 30 अप्रैल तक नॉन इंटरलॉकिंग कार्य होगा। तीन मई को रेलवे सुरक्षा आयुक्त वहां मुआयना करेंगे। ऐसे में मुरादाबाद मंडल से गुजरने वाली शहीद एक्सप्रेस समेत 15 ट्रेनें निरस्त रहेंगी। इन ट्रेनों को अलग-अलग तारीखों में निरस्त किया है।

मुरादाबाद से लखनऊ, गोंडा, बस्ती और गोरखपुर का सफर प्रभावित होगा। रेलवे प्रशासन का कहना है कि ट्रेन रद्द होने की स्थिति में यात्रियों को पूरा रिफंड दिया जाएगा। ट्रेनों को निरस्तीकरण का संदेश यात्रियों के मोबाइल पर एसएमएस के जरिए भेजा जा रहा है।

उन्होंने बताया कि मुजफ्फरपुर से आनंद विहार के बीच चलने वाली सप्तक्रांति एक्सप्रेस 26-27 अप्रैल, 2-3 मई को रास्ते में रोककर चलाई जाएगी। इसका सफर डेढ़ से चार घंटे तक प्रभावित होगा।

मुरादाबाद होकर चलेगी दरभंगा-आनंदविहार स्पेशल ट्रेन

दरभंगा से आनंदविहार के बीच जनरल कोच वाली स्पेशल ट्रेन मुरादाबाद होकर चलेगी। दो अप्रैल को दरभंगा से शाम 6:30 बजे रवाना होगी। सीतामढ़ी, रक्सौल, नरकटियागंज, गोरखपुर, बस्ती होते हुए अगले दिन दोपहर तीन बजे मुरादाबाद पहुंचेगी। यहां से गाजियाबाद होकर शाम छह बजे आनंदविहार पहुंचेगी। सीनियर डीसीएम आदित्य गुप्ता ने बताया कि मुरादाबाद से दिल्ली जाने वाले यात्री जनरल टिकट लेकर सफर कर सकेंगे।

पटना म्यूजियम में जोरदार धमाका

फायर सेफ्टी सिलिंडर ब्लास्ट से दीवार में आई दरार,दहला परिसर

एजेंसी ▶▶ पटना

बिहार की राजधानी पटना स्थित पुराने म्यूजियम गुरुवार को जोरदार धमाका हुआ जिससे पूरा कैंपस दहल गया। धमाके से म्यूजियम की दीवार में दरार आ गई। विस्फोट इतना तगड़ा था कि लोग डर गए। हालांकि, जान माल के नुकसान की खबर नहीं है। फायर सेफ्टी सिलिंडर फटने से यह हादसा हुआ। कई शीशे टूट गए और दीवार दरक गई। सुरक्षा कर्मियों ने फटे सिलेंडर को बाहर निकाल दिया। इस तरह बड़ा हादसा टल गया। विस्फोट से सुरक्षा टीम में हड़कंप मच गया है।

सौ साल पुराना पटना म्यूजियम

पटना म्यूजियम कोतवाली थाना के पास स्थित है जिसे करीब सौ साल पुराना बताया जा रहा है। वहां सुरक्षा के लिए बड़ी संख्या में फायर सेफ्टी सिलिंडर रखे गए हैं। कुछ सिलेंडर पुराने हो गए हैं। एक्सपायरी के बाद भी इन्हें बदला नहीं गया। हालांकि विस्फोट से किसी की मौत की सूचना नहीं है। इसका प्रभाव काफी ज्यादा देखा गया जिससे इसकी जद में आने वाली दीवार

धमाके के बाद पूरे कैंपस में धुआं फैल गया

जानकारी के मुताबिक पुराने पटना म्यूजियम में कई तरह के निर्माण कार्य कराए जा रहे हैं। यहीं म्यूजियम के अंदर ही फायर सेफ्टी सिलिंडल फटने से तेज धमाका हुआ। धमाके के बाद पूरे कैंपस में धुआं फैल गया। एक इलाके में आग भी लग गई। बताया जा रहा है कि फायर सिलिंडर मशीन काफी लम्बे समय से यहाँ बिना काम के पड़े हुए थे इनका नियमित रखरखाव का ख्याल नहीं रखा गया जिस कारण अब धमाका हुआ है। जिस फायर सिलिंर में धमाका हुआ वे धुप में रखे गए थे।बिना डिफ्यूज किए ही इन्हें धूप में रखने से यह धमाका होने की बात बताई जा रही है।अग्निशमन विभाग के कमांडेंट ने बताया है कि फिलहाल कोई जानमाल की क्षति नहीं हुई है। 10 से बारह अग्नि सुरक्षा सिलेंडरों को खाली कराया गया है। इस बात का संतोष जताया जा रहा है किस विस्फोट में किसी को कोई नुकसान नहीं हुआ।

टीवी चाइल्ड आर्टिस्ट्स

अप्रैल फूल-डे पर प्रैंक्स का मजा

फर्स्ट अप्रैल यानी 'अप्रैल फूल-डे', ऐसा दिन जब हम दूसरों के साथ प्रैंक करके उसे मूर्ख ही नहीं बनाते, दूसरे भी हमें मूर्ख बनाते हैं। इस दिन मूर्ख बनाने या बनने का एक अलग ही मजा है। टीवी के कुछ चाइल्ड आर्टिस्ट्स अप्रैल फूल-डे पर फूल बनाने और बनने की अपनी मजेदार यादें **बालभूमि** के साथ शेयर कर रहे हैं।

मेरे प्रैंक पर पापा चौंक गए: वृही कोडवारा

सिर्फ दोस्तों के साथ ही नहीं, फैमिली में भी अप्रैल फूल-डे मनाने का एक अलग मजा है। सोनी सब के शो 'पुष्पा इंपॉसिबल' में स्वरा पटेल की भूमिका निभा रही वृही कोडवारा हंसते हुए अप्रैल फूल-डे से जुड़ा अपनी फैमिली का ही एक मजेदार इंसिडेंट बताती है, 'लास्ट ईयर मैंने अपने पापा को अप्रैल फूल बनाने की प्लानिंग की। उनसे कहा- मेरे स्कूल में आज से ही गर्मी की छुट्टियां शुरू हो गई हैं। अब दो महीने तक कोई क्लास नहीं होगी। पापा इस बात पर चौंक गए। उन्होंने स्कूल ग्रुप पर मैसेज चेक किया, तो उन्हें समझ में आ गया कि मैंने उनके साथ प्रैंक किया है। उन्होंने भी मजाक में कहा- अच्छा! तो अब घर पर ही एक्स्ट्रा पढ़ाई होगी।'

वृही उस घटना के बारे में भी बताती है, जब वो खुद अप्रैल फूल बन गई थी। वृही के साथ प्रैंक उसकी मम्मी ने किया था। वह बताती है, 'एक बार अप्रैल फूल-डे पर मम्मी ने मुझसे कहा- जल्दी से पैकिंग कर लो, हम अभी छुट्टी मनाने के लिए गोवा जा रहे हैं। मैं इतनी एक्साइटेड हो गई कि बिना कुछ सोचे झटपट बैग में अपने कपड़े भरने लगी। जब सब तैयारी हो गई तो मम्मी हंसकर बोलीं- अप्रैल फूल! मैं पहले तो हैरान रह गई, फिर हम सब जोर से हंसने लगे।' *

नहीं मिली चॉकलेट-टॉफी, मैं बन गया फूल: कविश खुंगर

अप्रैल फूल-डे है तो किसी से डरना कैसा, पापा से भी नहीं। शेमारू उमंग के लोकप्रिय शो 'मैं दिल तुम धड़कन' में कान्हा की भूमिका निभा रहे कविश खुंगर ने भी मजे से अपने पापा के साथ फर्स्ट अप्रैल को प्रैंक किया था। कविश हंसते हुए बताता है, 'मैंने पहली अप्रैल को अपने पापा के मोबाइल में हर पांच मिनट पर अलार्म सेट कर दिया। उन्होंने कई बार बंद किया, लेकिन अलार्म फिर से बजने लगता। वो इससे परेशान हो रहे थे। जब मैंने बताया कि यह मेरा काम था, तो पापा हंसने लगे और बोले- अरे, तूने तो मुझे सच में अप्रैल फूल बना दिया।'

कविश उस इंसिडेंट को भी याद करता है, जब वह अप्रैल फूल बना था। वह बताता है, 'एक बार, मेरे एक दोस्त ने मुझसे कहा- कविश, तुम्हारे लिए चॉकलेट्स और टॉफियां आई हैं। मैंने सोचा- वाह! कितना अच्छा है! मैं खुशी-खुशी जाकर उस जगह पर देखा, जहां उसने चॉकलेट और टॉफियां रखी होने की बात कही थी। लेकिन वहां कुछ भी नहीं था। पीछे से आकर वह दोस्त हंसते हुए बोला- अप्रैल फूल! चॉकलेट्स और टॉफियां तो नहीं मिलीं, लेकिन मुझे मजा बहुत आया, क्योंकि यह एक प्रैंक था।' *

...तब समझ आया मैं बन गया था अप्रैल फूल: सौम्य आजाद

फर्स्ट अप्रैल को किसी के साथ प्रैंक करके अप्रैल फूल-डे एंज्वॉय न किया जाए, यह कैसे हो सकता है। एंड टीवी के शो 'हप्पू की उलटन पलटन' में रणवीर का रोल कर रहा सौम्य आजाद पिछले साल फर्स्ट अप्रैल के दिन सेट पर था, लेकिन यहां भी वह अपने फ्रेंड को मूर्ख बनाने से चूका नहीं। उसने इस शो में अपने को-आर्टिस्ट आर्यन प्रजापति को अप्रैल फूल बनाया था। सौम्य हंसते हुए बताता है, 'हम शूटिंग के बीच ब्रेक पर थे। मैंने आर्यन से बड़े सीरियस अंदाज में कहा- डायरेक्टर सर ने बुलाया है, वह कह रहे हैं कि तुम्हारा सीन बोगस शूट हुआ है। यह सुनकर बेचारा आर्यन दुखी हो गया। भागा-भागा डायरेक्टर सर के पास पहुंचा और बोला- सर, मैं फिर से कोशिश करता हूं, आप मुझे एक और टेक करने का चांस दे दीजिए। डायरेक्टर सर हंसते हुए बोले- अरे, तुम्हारा शॉट तो बहुत अच्छा हुआ, मैंने तो बुलाया ही नहीं! तब जाकर उसे समझ आया कि वह अप्रैल फूल बन चुका है। सेट पर जारा, मैं और बाकी सभी लोग जोर से हंस पड़े।'

सौम्य उस घटना का भी जिक्र करता है, जब वह खुद अप्रैल फूल बन गया था। वह बताता है, 'एक बार सेट पर ही आर्यन और जारा ने मिलकर मुझे अप्रैल फूल बनाया था। फर्स्ट अप्रैल के दिन जारा ने बड़े सीरियस टोन में मुझसे कहा- आज की शूटिंग कैंसल हो गई है, प्रोडक्शन से मैसेज आया है कि सभी घर जा सकते हैं। मैं तो खुशी से झूम उठा! फटाफट वैनिटी में जाकर ड्रेस बदली और बैग उठाकर घर जाने लगा। जैसे ही मैं गेट के पास पहुंचा, पीछे से जारा, आर्यन और पूरी टीम ने जोर से चिल्लाकर कहा- अप्रैल फूल! मैं वहीं खड़ा रह गया। सबकी हंसी सुनकर समझ आया कि इस बार मैं खुद ही अप्रैल फूल बन गया हूं।' *

जब मैंने खा ली नीम वाली चॉकलेट: हेत मकवाना

सन नियो के शो 'रिश्तों से बंधी डोर' में कान्हा का किरदार निभा रहा हेत मकवाना अपने दोस्त को अप्रैल फूल बनाने का मजेदार इंसिडेंट बताता है, 'मैंने फर्स्ट अप्रैल की सुबह अपने खास दोस्त से कहा- अरे, आज स्कूल में अप्रैल फूल-डे पर स्पेशल छुट्टी दी गई है। वह बिना कुछ सोचे खुशी-खुशी घर में बैठ गया। थोड़ी देर बाद, जब उसे पता चला कि स्कूल की छुट्टी नहीं है, तो वह भागता हुआ स्कूल आया। जैसे ही मैंने उसे देखा, मैं जोर से हंसते हुए बोला- अप्रैल फूल! वह पहले तो बहुत गुस्साया लेकिन बाद में मैंने उसे मना लिया। थोड़ी देर बाद, हम दोनों मिलकर इस मजाक पर खूब हंसे।'

हेत आगे अपने अप्रैल फूल बनने का भी एक मजेदार किस्सा सुनाता है, 'एक बार फर्स्ट अप्रैल के दिन, सुबह-सुबह मम्मी ने मुझे एक चॉकलेट दी और कहा- ये बहुत खास चॉकलेट है, मैंने तेरे लिए खासतौर से बनाई है। खाकर बताओ कैसी लगी? मैंने जैसे ही खाया, मुंह में कड़वाहट फैल गई, मम्मी से बोला-अरे! यह तो नीम की चॉकलेट थी! मम्मी जोर-जोर से हंसते हुए बोलीं- अप्रैल फूल बनाया! मम्मी के यह बताने पर मैं भी हंस पड़ा।' *

प्रस्तुतिः बालभूमि फीचर्स

हास्य कविता

अलका जैन 'आराधना'

जंगल में अप्रैल फूल

चालू लोमड़ी, होशियार हाथी,
और जंगल के राजा शमशेर।
सब चौंक गए थे इक दिन,
देख जंगल में पत्तों का ढेर।
शमशेर सिंह ने जंगल में,
बैठक बुलाई इक आपात।
संदेह जताया उन्होंने यही,
शिकारी लगा के बैठे घात।
इसीलिए बनाए हैं ये गड्ढे,
ताकि हम इनमें जाएं गिर,
गिरकर ऐसे फंसें जाल में,
निकल न पाएं उससे फिर।
जल्दी से जल्दी हमें अब,
निकालना होगा कोई उपाय,
घोषणा करवा दो जल्दी,
जाल में कोई फंस न जाए।
सुनकर बातें राजा जी की,
भोलू भालू लगा मुस्काने
कहने लगा अप्रैल फूल है,
कोई भी इसका बुरा न माने।
सुनकर भालू की ये बात
शमशेर भी थोड़ा मुस्काया।
बोले-भालू भैया तुमने,
अप्रैल फूल हमें खूब बनाया।

कविता

डॉ. आर. पी. सारस्वत

ईद सुहानी आई है!

ईद सुहानी आई है!
घर-घर खुशियां लाई है।
सलमा, रजिया, सुल्ताना,
चहक रहीं चिड़ियों जैसी।
नाचें-झूमें, इधर-उधर,
आज लगें गुड़ियों जैसी।
सबने प्यारी-प्यारी-सी,
नई ड्रेस सिलवाई है!
अब्बू, अनवर इनके भाई,
फूले नहीं समाते हैं।
'ईद मुबारक' कहते-कहते,
सब पर प्यार लुटाते हैं।
रमजानी काका ने तो,
बांटी आज मिठाई है!
आज पड़ोसी राज, रतन
घर पर मिलने आए हैं।
अब्बू-चाचू ने दोनों,
अपने गले लगाए हैं।
मीठी-सिंवइयों की मिल,
दावत खूब उड़ाई है!!

कहानी

जाकिर अली 'रजनीश'

साकिद को मन ही मन ईदगाह के बाहर फटे-पुराने कपड़े में भीख मांग रहे लड़के की मदद नहीं कर पाने का बहुत अफसोस हो रहा था। ईद की खुशी वह महसूस नहीं कर पा रहा था। लेकिन अब्बू ने कुछ ऐसा किया कि सादिक की ईद की खुशी दुगनी हो गई।

ईद की दुगनी खुशी

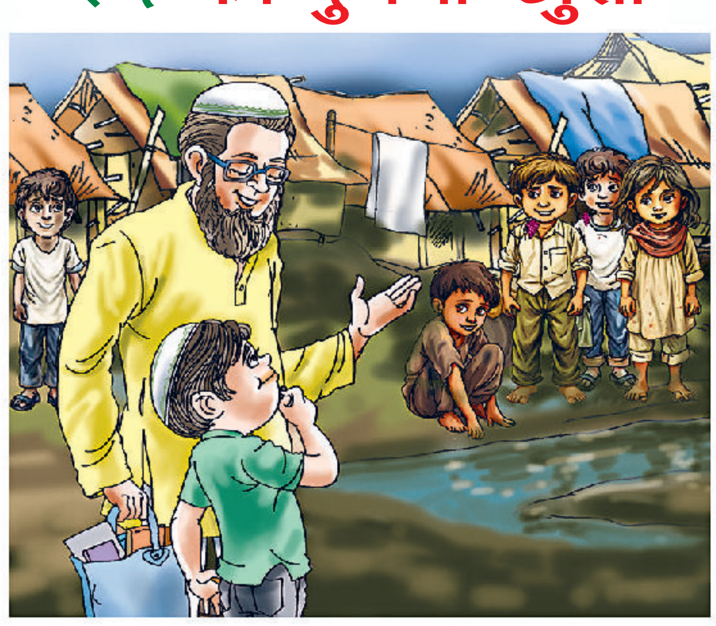

ईद की नमाज खत्म होते ही सभी लोग एक-दूसरे से गले मिले, एक-दूसरे को मुबारकबाद देने लगे। इसके बाद सभी लोग अपने-अपने घरों की ओर चल पड़े। अपने दोस्तों से बातें करता हुआ सादिक भी ईदगाह से बाहर आ गया। तभी उसकी नजर सामने खड़े एक लड़के पर जा पड़ी। फटे-पुराने कपड़ों में लिपटा वह लड़का कह रहा था, 'बाबू जी, कुछ पैसे दे दो, हम भी खुशी मना लें।'

लड़के की दशा देखकर सादिक एक पल के लिए रुका। उसने सोचा ईद पर घर के बड़ों से से जो पैसे मिले हैं, उनमें से कुछ पैसे वह उस लड़के को दे दे। पैसे निकालने के लिए जैसे ही सादिक ने जेब में हाथ डाला, उसकी जेब खाली थी। दरअसल, वह अपने पैसे घर पर ही भूल आया था। घर लौटते हुए रास्ते भर सादिक उस लड़के के बारे में सोचता रहा। कब घर आ गया, उसे पता ही नहीं चला। घर में सभी लोगों से सलाम-दुआ करने के बाद वह अपने कमरे में जा बैठा। उसके चेहरे की खुशी अब काफूर हो चुकी थी। उसके मन में उस भिखारी लड़के की आवाज अब भी गूंज रही थी, 'बाबू जी ... हम भी खुशी मना लें।'

'कितना गरीब था वह लड़का। उसकी आवाज में भी कितना दर्द था। बेचारे के पास इतने पैसे भी नहीं कि ईद के दिन भी ठीक-ठाक कपड़े पहन सके।' सादिक के मन में बार-बार उस लड़के का ख्याल आ रहा था, '...क्या हम उसके लिए कुछ नहीं कर सकते? हमारा भी तो उनके प्रति कोई फर्ज है...।'

'क्या हुआ सादिक बेटे? तुम यहां अकेले क्यों बैठे हो?' अम्मी ने सादिक के कमरे में प्रवेश करते हुए पूछा। सादिक ने नजर उठाकर अम्मी को देखा फिर सिर झुका लिया, बोला कुछ नहीं।

अम्मी ने सादिक के उतरे चेहरे को देखते हुए कहा, 'चलो, सिंवइयां खा लो, मैंने निकाल कर रखी हैं।'

'नहीं अम्मी, अभी मेरा मन नहीं है।' सादिक धीरे से बोला।

'क्यों, क्या हुआ तुम्हें? कहीं बुखार-वुखार तो नहीं है?' सादिक की बात सुनकर अम्मी के माथे पर चिंता की लकीरें उभर आईं। 'नहीं अम्मी, ऐसी कोई बात नहीं है।' सादिक ने मुस्कुराने की कोशिश की, लेकिन मुस्कुरा नहीं सका।

'अच्छा, जाओ कुर्ता-पाजामा उतार कर पैंट-शर्ट पहन लो और दोस्तों के साथ घूम-फिर आओ। तुम्हारा मन बहल जाएगा।' कहती हुई अम्मी कमरे से बाहर चली गईं।

सादिक बेमन से उठा और कपड़े बदलने लगा। उसकी आंखों के आगे अब भी उसी लड़के की तस्वीर तैर रही थी। तभी अचानक उसे कहीं दूर से उसी लड़के की आवाज सुनाई पड़ी। वह लड़का पड़ोस वाले घर के सामने खड़ा अपनी बात दुहरा रहा था, 'बाबू जी! कुछ पैसे दे दो, हम भी खुशी मना लें।'

सादिक ने अलमारी से दस रुपए का नोट उठाया और सीधा बाहर की ओर भागा। उस लड़के के पास जाकर सादिक ने दस का नोट उसके हाथों में थमा दिया। दस रुपए का नोट पाकर उस लड़के का चेहरा खिल गया। सादिक भी उस लड़के की मदद करके मन ही मन बहुत खुश था। जाते-जाते उसने सादिक को सलाम किया। सादिक तब तक उसे देखता रहा, जब तक वह उसकी नजरों से ओझल नहीं हो गया। वह मुड़ने को था कि तभी किसी ने उसके कंधे पर हाथ रखा। उसने मुड़ कर देखा, सामने अब्बू खड़े थे। उनके हाथ में एक बड़ा-सा थैला था। उस थैले को देखकर सादिक को बड़ा आश्चर्य हुआ। उसने पूछा, 'इसमें क्या है अब्बू?'

'इसमें कपड़े और कुछ खाने-पीने की चीजें हैं।' अब्बू ने मुस्कुराकर जवाब दिया।

'लेकिन ये सब तो आप हमारे लिए पहले ही ले आए हैं। फिर से क्यों?' सादिक ने अब्बू की तरफ देखते हुए पूछा।

'आओ मेरे साथ, तुम्हें खुद पता चल जाएगा।' कहकर अब्बू एक ओर चल पड़े।

सादिक की कुछ समझ में नहीं आ रहा था। वह चुपचाप अब्बू के साथ हो लिया। चार-पांच गलियों को पार करते हुए वे लोग एक ऐसी जगह पहुंचे, जहां पर तमाम झुग्गी-झोपड़ियां बनी हुई थीं। उनकी ओर इशारा करते हुए अब्बू बोले, 'सादिक बेटे, इनमें वे लोग रहते हैं, जिन्हें त्योहारों पर भी ढंग का खाना नसीब नहीं होता। हमारा फर्ज बनता है कि हम इनकी मदद करें। यह सामान इन्हीं लोगों के लिए है। लो, इसे अपने हाथों से बांट दो।'

सादिक ने गर्व से अब्बू की ओर देखा। उसके चेहरे की चमक दुगनी हो गई थी। वह ईद के चांद की तरह चमक उठा। *

तुम्हारे लिए नई किताब / विज्ञान भूषण

दो मजेदार कहानियां

बच्चो, अभी कुछ समय पहले ही दो मजेदार कहानियों की चित्र पुस्तक 'उकड़ू उल्लू का चश्मा' छपकर आई है। इसमें पहली कहानी 'उकड़ू उल्लू का चश्मा' एक नन्हे उल्लू के सपने की कहानी है। वह नींद में सपना देखता है कि चश्मा पहनकर वह दिन की रोशनी देखने निकल पड़ता है। यह चश्मा उसे मंगू बंदर देता है। चश्मा पहनकर उसे कैसे मजेदार अनुभव होते हैं, यही इस कहानी में तुम पढ़ सकते हो।

किताब की दूसरी कहानी का शीर्षक 'गोलू बादल' है। यह एक नन्हे बादल की कहानी है, जो अपने बादलों के समूह से अलग हो जाता है। फिर वह हवा के झोंके के सहारे जंगल, नदी, पहाड़ों और एक स्कूल के ऊपर से गुजरते हुए खूब मजे करता है। जहां मन करता है अपनी बूंदें बरसा देता है। खास बात यह है कि ये कहानियां यहां तुम हिंदी के साथ-साथ अंग्रेजी में भी पढ़ सकते हो। *

किताबः उकड़ू उल्लू का चश्मा, **लेखिकाः** मीनू त्रिपाठी, **मूल्यः** 220 रुपए, **प्रकाशकः** अद्विक पब्लिकेशन, दिल्ली

हंसगुल्ले

नैंसी : ऐसा कौन-सा फूल है, जो होता तो है ! लेकिन दिखता नहीं है?
नव्या (काफी देर सोचने के बाद) : मुझे नहीं पता, तुम्हीं बता दो।
नैंसी (हंसते हुए) : अप्रैल फूल।
-खुशबू, रायपुर

तन्नू : ये लो, चॉकलेट खाओ।
चुन्नू : चॉकलेट! किस खुशी में?
तन्नू : आज तुम्हारा दिन है, इसलिए।
चुन्नू : लेकिन आज तो मेरा बर्थ-डे नहीं है। क्या है आज?
तन्नू : आज अप्रैल फूल-डे है।
-मुस्कान, राजनांदगांव

सोनू : क्या तुम जानते हो, सूरज रात को क्यों नहीं दिखाई देता है?
मोनू : तुम्हें इतना भी नहीं पता! एक्चुअली, दिन भर आसमान में घूम-घूमकर सूरज थक जाता है, इसलिए वह रात में सो जाता है।
-कुमकुम, बिलासपुर

जीके क्विज-147

1. हाल में ही धरती पर लौटीं सुनीता विलियम्स कितने दिनों तक अंतरिक्ष में रहीं?
2. आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 विजेता टीम को बीसीसीआई ने कितनी राशि देने की घोषणा की है?
3. छत्रपति शिवाजी के पहले मंदिर का उद्घाटन कहां किया गया?
4. विश्व स्वास्थ्य दिवस प्रत्येक वर्ष कब मनाया जाता है ?
5. ऐतिहासिक इमारत चार मीनार किस शहर में स्थित है?
6. एक्स-रे का आविष्कार किसने किया था?
7. एनीमिया नामक रोग शरीर में किस तत्व की कमी से होता है?
8. 'पॉवर हाउस ऑफ सेल' किसे कहा जाता है?
9. यक्षगान कहां का लोकनृत्य है?
10. उज्जैन किस नदी के किनारे बसा है?

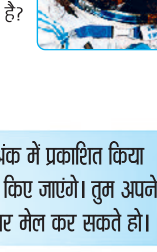

बच्चों, जीके क्विज-147 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-146 का उत्तर : 1.शुभमन गिल, 2.स्टीव स्मिथ, 3.केरल, 4.फुटबॉल, 5.गैनिमीड, 6.समुद्रगुप्त, 7.मध्य प्रदेश, 8.खान अब्दुल गफ्फार खान, 9.ह्वांगहो नदी, 10.रांची

जीके क्विज-146 का सही उत्तर देने वाले : गुंजा-रायपुर, अथर्व-बिलासपुर, पलक-अटेली मंडी, होमन-ईमेल से, राकेश-बलौदा बाजार, शुभम-बलौदा बाजार, टामेंद्र-धमतरी, आराध्या-गरियाबंद, एकता-ईमेल से

अंतर बताओ

बच्चो, यहां दिए गए दोनों चित्रों में एक शरारती चूहा रैट-ट्रैप से चीज निकालने की कोशिश कर रहा है। एक जैसे दिखने वाले इन दोनों चित्रों में पांच अंतर हैं। तुम्हें दो मिनट में ये सभी अंतर खोजकर बताने हैं। फटाफट सारे अंतर बताओ।

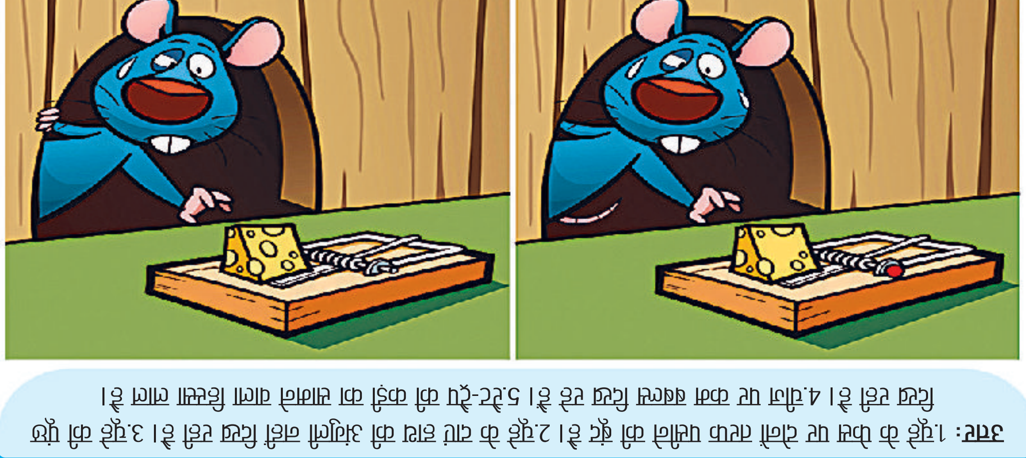

उत्तरः 1.चूहे के फेस पर दोनों तरफ पसीने की बूंद है। 2.चूहे के दाएं हाथ की अंगुली नहीं दिख रही है। 3.चूहे की पूंछ दिख रही है। 4.चीज पर कम बबल्स दिख रहे हैं। 5.रैट-ट्रैप की कड़ी का सामने वाला हिस्सा लाल है।

मैथ्स पजल

बच्चो, नीचे दिए गए पजल को ध्यान से देखो और कैलकुलेट करके बताओ कि प्रश्न वाचक चिन्ह के स्थान पर कौन-सी संख्या आएगी?

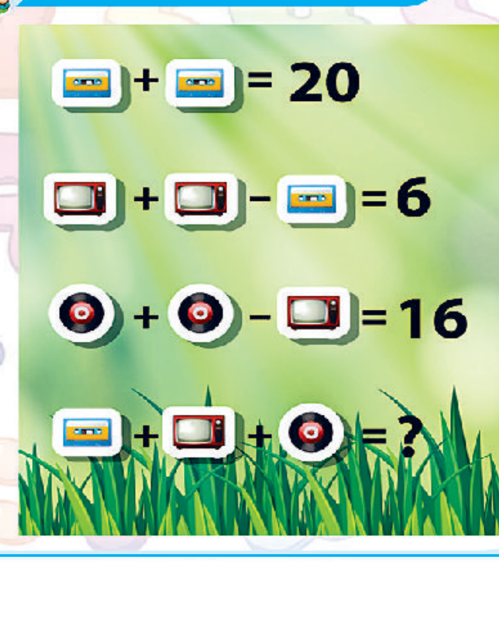

उत्तर : 30

कर्मश्री का हिंदू नववर्ष उत्सवः अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में देश के ख्यातनाम कवि 29 मार्च को करेंगे कविता का पाठ

राजधानी के अटल पथ पर होगा आयोजन, 30 हजार से अधिक श्रोता होंगे शामिल

◆ परंपरागत आयोजन का 25वां वर्ष

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

धर्म, संस्कृति, समाज, पर्यावरण जैसे विभिन्न विषयों के प्रति जनजागरण के लिए सक्रिय विधायक रामेश्वर शर्मा की संस्था 'कर्मश्री' परंपरानुसार हिंदू नववर्ष के उपलक्ष्य में इस बार भी विराट आयोजन करने जा रही है। संस्था ने इसे 'हिंदू नववर्ष उत्सव' का नाम दिया है, जिसके तहत हिंदू नववर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा, गुड़ी पड़वा और चैटी चांद की पूर्व संध्या पर राजधानी भोपाल के 'अटल पथ' पर प्लैटिनम प्लाजा माता मंदिर टीटी नगर में 29 मार्च रात 8 बजे से 'कर्मश्री' के अखिल भारतीय कवि सम्मेलन होने जा रहा है। भारतीय नववर्ष पर 'कर्मश्री' अध्यक्ष एवं हुजूर विधायक रामेश्वर शर्मा द्वारा परंपरागत रूप से आयोजित किए जाने वाले अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का यह लगातार (कोरोनाकाल को छोड़कर) 25वां वर्ष है। इस आयोजन के बारे में जानकारी देते हुए आयोजक विधायक रामेश्वर ने बताया कि संस्था द्वारा प्रतिवर्ष गुडी पड़वा, चैत्र नवरात्रि और चैटी चांद जैसी पावन तिथियों के अवसर पर अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन लगातार 24 वर्षों से किया जा रहा है। इस बार आयोजन का 25 वां वर्ष है।

ये कवि बाहर से आएंगे

विधायक शर्मा ने बताया कि अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में देश के विभिन्न स्थानों से आए ख्यातनाम कवि शिरकत करेंगे, जिनमें सर्वश्री शशिकांत यादव शशि, देवास (सबरस, मंच संचालन), पद्मश्री डॉ. सुनील जोगी (हास्य सम्राट) नई दिल्ली, पद्मश्री डॉ सुरेंद्र दुबे (हास्य व्यंग्य) रायपुर, कविता तिवारी (वीर रस) लखनउ, डॉ. अनिल चौबे (हास्य व्यंग्य) वाराणसी, सुदीप भोला (पैरोडीकार) जबलपुर, गौरी मिश्रा (गीत गजल) उत्तराखंड, अमन अक्षर (फिल्मी गीतकार) इंदौर, विकास बौखल (हास्य व्यंग्य) बाराबंकी, श्वेता सिंह (गीज गजल) बड़ौदरा और मुकेश मासूम (हास्य पैराडी) खातेगांव आदि कविगण शामिल हैं। कवि सम्मेलन का मंच संचालन सर्वरस के विख्यात कवि एवं मंच संचालक शशिकांत यादव शशि देवास द्वारा किया जाएगा। कवि सम्मेलन में 30 हजार से अधिक श्रोता मौजूद रहेंगे।

महिलाओं-बुजुर्गों के लिए विशेष बैठक व्यवस्था

कर्मश्री अध्यक्ष रामेश्वर शर्मा ने बताया कि कवि सम्मेलन में महिलाओं और बुजुर्गों के बैठने के लिए अलग से विशेष व्यवस्था की जा रही है। वयोवृद्ध एवं निःशक्तजनों के लिए भी कुर्सियों पर बैठक व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने बताया कि पुररुषों एवं महिलाओं के बैठने के लिए अलग-अलग बैठक की व्यवस्था की जा रही है। महिलाओं एवं बुजुर्गों की बैठक व्यवस्था को पूरी तरह से सुरक्षित एवं सुविधाजनक बनाने के लिए योजना बनाई गई है। उन्होंने बताया कि बैठक व्यवस्था पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर है अतः सामने स्थान ग्रहण करने के लिए समय से काफी पहले पहुंचना चाहिए। विधायक शर्मा ने भोपाल वासियों से अधिक से अधिक संख्या में नववर्ष के अवसर पर आयोजित अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में उपस्थित होकर काव्य रस का आनंद उठाने की अपील की है।

हिंदू नववर्ष ही प्रमाणिक नववर्ष है : रामेश्वर

हिंदू नववर्ष उत्सव के आयोजक कर्मश्री संस्था के अध्यक्ष हुजूर विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कि भारतवर्ष का अतीत काफी वैभवशाली रहा है। यहां की संस्कृति और सभ्यता गौरवशाली है। इसी गौरवशाली सभ्यता और संस्कृति का पहला सबसे बड़ा उत्सव हिंदू नववर्ष है। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से आरंभ होने वाला यह नववर्ष ही प्रमाणिक नववर्ष हैं। नव सम्वतर से वर्ष की शुरुआत होने के प्राकृतिक एवं वैज्ञानिक तथ्य भी मिलते हैं। ऋतु परिवर्तन, फंसलों का पकना जैसे नववर्ष के आगमन के कई संकेत प्रकृति स्वयं देती है।

पीएमश्री एयर एंबुलेंस सेवा सभी जरूरतमंदों के लिए निःशुल्क

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुरैना में रोटरी क्लब के राहत स्वास्थ्य शिविर का किया शुभारंभ

सीएम डॉ. मोहन ने कहा, चंबल की धरती है वीरभूमि

मुरैना में आंखों की मशीन उपलब्ध कराई जाएगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि अस्पताल में मरीजों को बेहतर इलाज मिल जाए तो डॉक्टर उसके लिए भगवान बन जाते हैं। उन्होंने कहा कि मानव काया में कोई भी कष्ट बड़ी चुनौती होती है। आमजन की शारीरिक व्याधियों के उपचार के लिए चंबल में वृहद स्वास्थ्य शिविर का आयोजन और उसमें देश के बड़े चिकित्सकों के आगमन पर प्रसन्नता के साथ ही आभार।

मुख्यमंत्री ने मुरैना के एसएएफ ग्राउंड में आयोजित रोटरी राहत वृहद स्वास्थ्य शिविर के शुभारंभ अवसर पर यह बातें कहीं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने कठिन परिस्थितियों में भी नागरिकों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिये पीएमश्री एयर एम्बुलेंस सेवा प्रारंभ की है। इसका लाभ सभी जरूरतमंदों को निःशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य शिविर के शुभारंभ के बाद ओपीडी के सभी काउंटरों का भ्रमण कर चिकित्सकों एवं रोटेरियन के सदस्यों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि चंबल की धरती वीरों की भूमि है। इस वीर भूमि के जवान हमेशा देश की रक्षा में आगे बढ़कर अपने प्राणों की आहुति देने के लिए तत्पर हैं।

खास बातें

- सीएम ने ओपीडी के सभी काउंटरों का भ्रमण कर चिकित्सकों एवं रोटेरियन के सदस्यों से मुलाकात की
- शिविर में हुई 5 हजार से अधिक मरीजों की स्क्रीनिंग

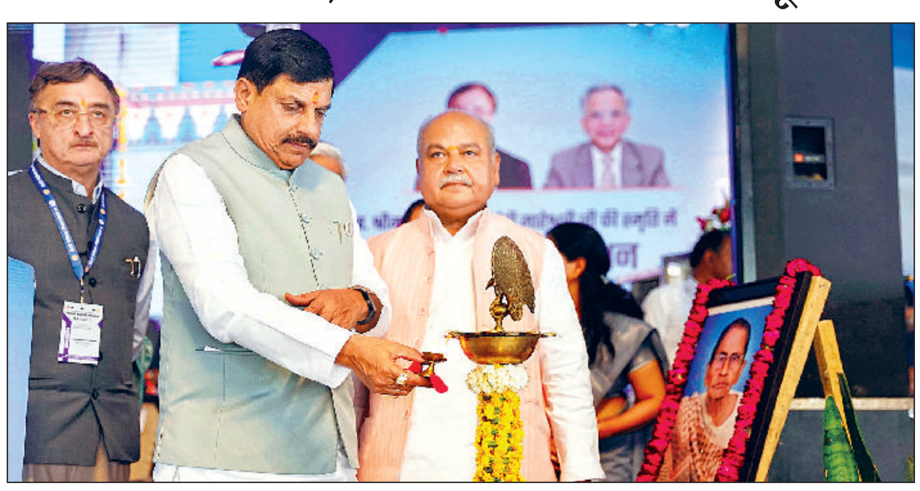

स्वास्थ्य शिविर में उपचार के लिए बेहतर प्रबंध किए गए

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शिविर में उपचार के लिए बेहतर प्रबंध किए गए हैं। चम्बल क्षेत्र में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में 5 हजार से अधिक मरीजों की समुचित रूप से स्क्रीनिंग की गई है। स्क्रीनिंग के बाद विभिन्न वर्गों में विभाजित कर मरीजों के उपचार की व्यवस्था करना बड़ी बात है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में अस्पताल प्रबंधन लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और चिकित्सा शिक्षा के रूप में दो भागों में विभाजित था। हमारी सरकार बनने के बाद हमने दोनों विभागों का एकीकरण कर लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा बनाया है।

शिविर में ख्याति प्राप्त चिकित्सक देंगे सेवाएं

शिविर में कार्डियोलॉजिस्ट एवं कार्डियक सर्जन डॉ. नरेश त्रैहान मेदान्ता हॉस्पिटल से अपनी टीम से साथ एवं नेशनल हार्ट इंस्टिट्यूट के डॉ. ओपी यादव, डॉ. नितिश शाह ऑल इंडिया मेडिकल इंस्टिट्यूट साइंस एवं मैक्स एवं मनीपाल हॉस्पिटल के कार्डियोलॉजिस्ट अपनी सेवाएं देंगे। अन्य विशेषज्ञो में ऑक्नोलॉजिस्ट, हेमेटोलॉजिस्ट डॉ. दिनेश भूरानी रहेंगे, अस्थिरोग में एम्स दिल्ली से डॉ. विवेक शंकर एवं नितिश नायक, डॉ. प्रकाश कोतवाल रहेंगे। पेन के डॉ. नीरज जैन मैक्स दिल्ली से आकर सेवाऐं देंगे। पीडियाट्रिक सर्जन डॉ. मीनू वाजपेयी रेन्बो हॉस्पिटल दिल्ली से आ रही हैं। कामता शाह मुम्बई नानावटी हॉस्पिटल से, बच्चों मे हार्निया, हाइपोस्पेडियास एवं सभी बच्चों की आवश्यक सर्जरी करेगी। चिकित्सकों द्वारा परामर्श एवं सर्जरी का कार्य 26 मार्च से लेकर 2 अप्रैल तक किया जाएगा।

विधानसभा अध्यक्ष तोमर ने कहा, पहले चंबल क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाएं इतनी अच्छी नहीं थी

विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि राज्य शासन, जिले के प्रशासन एवं रोटरी क्लब की मदद से इस वृहद शिविर का आयोजन किया गया है। पहले चंबल क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाएं इतनी अच्छी नहीं थी। मुरैना, श्योपुर एवं भिण्ड जिले को मिलाकर जहां 100 बिस्तरों की उपलब्धता थी, वहां आज 600 बिस्तर का अस्पताल मौजूद है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की जनता को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के सदैव प्रयास किए जाते रहे हैं। गंभीर स्थिति में रोगियों को बेहतर चिकित्सा सुविधा के लिए अन्यत्र ले जाने में आमजन की असमर्थता के कारण क्षेत्र में वर्ष 2017 में भी जिला प्रशासन की मदद से स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। नेत्र शिविर लगाया गया था।

चिकित्सकों का किया सम्मान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शिविर में आए चिकित्सकों का सम्मान किया। इनमें कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. युगल मिश्रा नंदियाल, सीनियर प्रोफेसर एम्स दिल्ली डॉ. मीनू बाजपेयी, पद्मश्री से सम्मानित डॉ. निशित नायर, जबलपुर के ख्याति प्राप्त डॉ. धीरावनी शामिल थे। कार्यक्रम में इस मौके पर राज्यसभा सांसद ग्वालियर अशोक यादव, सांसद मुरैना-श्योपुर शिवमंगल सिंह तोमर, रोटरी के पदाधिकारी भूपेन्द्र जैन, चंबल कमिश्नर मनोज खत्री, डीआईजी कुमार सौरभ, समाजसेवी कमलेश कुशवाह, डॉ. योगेशपाल गुप्ता, रोटरी के पदाधिकारी डॉ. संजीव बांदिल, डॉ. वीरेन्द्र गंगवाल सहित डॉक्टर्स और अधिकारी, संस्थाओं के पदाधिकारी आदि उपस्थित थे।

वंचित 2 अप्रैल तक करा सकेंगे पंजीयन

रोटरी रीजनल मेडिकल मिशन राहत 2 वृहद स्वास्थ्य शिविर मुरैना में 26 मार्च से 2 अप्रैल तक लगेगा। शिविर में ओपीडी, खून की जांच, बीपी शुगर, ईसीजी, आयुष्मान का काउन्टर एवं दवा वितरण किया जाएगा। शिविर में कार्डियोलॉजी, नेत्र रोग विशेषज्ञ, मेडिसिन, न्यूरोसर्जरी, फिजियोथेरेपी अन्य वरिष्ठ चिकित्सक अपनी सेवाएं देंगे। ऑनलाइन मरीजों के पंजीयन किए जा रहे हैं। जनता 26 मार्च से 2 अप्रैल तक एसएएफ परेड ग्राउड में पंजीयन कराकर डॉक्टर से परामर्श ले सकते है।

सूचनाएं पहुंचाने का सशक्त माध्यम हैं पत्रकारः तोमर

पत्रकारों की मांगों के निराकरण के लिए गठित होगी कमेटीः मुख्यमंत्री

श्रमजीवी पत्रकारों के दो दिवसीय महाधिवेशन का प्रारंभ

विशेष प्रतिनिधि, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पत्रकार लोकतंत्र के सच्चे सेनानी होते हैं। सरस्वती के साधक होने के साथ ही कड़ी मेहनत से सूचनाओं को आमजनों तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण कार्य करते हैं। डॉ. यादव बुधवार को मुरैना जिला मुख्यालय पर श्रमजीवी पत्रकार संघ के त्रिवर्षीय दो दिवसीय महाधिवेशन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि श्रमजीवी पत्रकार संघ द्वारा पत्रकारों के हित में जो मांगें रखी गई हैं, उसके निराकरण के लिए शासन स्तर से एक कमेटी का गठन किया जाएगा। कमेटी में श्रमजीवी पत्रकार संघ के पदाधिकारियों के साथ ही अधिकारियों को शामिल कर पत्रकारों की समस्याओं का निराकरण किया जाएगा।

ज्ञापन सौंपा

विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि पत्रकार लोकतंत्र की सबसे जागरूक कौम है। श्रमजीवी पत्रकार संघ मध्यप्रदेश का सबसे पुराना संगठन है। प्रदेश भर में पत्रकारों के हित में यह संगठन कार्य कर रहा है। पत्रकार साथी निरंतर कार्य कर महत्वपूर्ण सूचनाओं को आम जन तक पहुंचाने के दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन कर रहे हैं। श्रमजीवी पत्रकार संघ के प्रांत अध्यक्ष शलभ भदौरिया ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने इस मौके पर मुख्यमंत्री को पत्रकारों के हित में विभिन्न मांगों का ज्ञापन भी सौंपा। इस अवसर पर विधायक दिनेश गुर्जर, सांसद शिवमंगल सिंह तोमर, प्रदेश भाजपा के मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल, पूर्व विधायक श्री बलवीर दण्डौतिया एवं प्रदेश भर से आए पत्रकार उपस्थित थे।

सीएम को पत्र लिखकर मप्र कर्मचारी मंच ने की मांग

वन कर्मचारी पर हमला करने वालों पर लगाई जाएं रासुका

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच वन विभाग ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर मुरैना में वन कर्मचारी पर हमला करने वाले रेत माफिया को तत्काल गिरफ्तार कर आरोपियों पर रासुका लगाई जाने की मांग की है।

मंच के प्रांताध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि मुरैना वन मंडल के वन कर्मचारियों के ऊपर रेत माफिया माह मार्च में तीन बार प्राण घातक हमला कर चुका है, लेकिन हमला करने वाले आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार नहीं किया है। पुलिस एवं राजनीतिक नेता भी रेत माफिया आरोपियों को संरक्षण दे रहे हैं जिस कारण मुरैना वन मंडल के वन कर्मचारियों का मनोबल टूट गया है। मंच ने मुख्यमंत्री को आरोपियों को तत्काल की गिरफ्तार करने की मांग की है।

मुख्यमंत्री अधिवक्ता कल्याण स्कीम के तहत 2.16 करोड़ अंतरित

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार मुख्यमंत्री अधिवक्ता कल्याण स्कीम के तहत राज्य अधिवक्ता परिषद् जबलपुर के बैंक खाते में 2 करोड़ 16 लाख रुपए अंतरित कर दिए गए है। राशि वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अंतरित की गई है। इस स्कीम के तहत 12 हजार रुपए के मान से प्रत्येक नवीन अधिवक्ता को सहायता राशि प्रदान की जाती है।

- वित्त वर्ष 2024-25 के लिए है राशि

लोगों का कॉलोनी से निकलना हुआ मुश्किल

रायपुर में अवैध पार्किंग, नशाखोरी कचरा डंपिंग की शिकायतें अनसुनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

राजधानी रायपुर के देवपुरी में वर्धमान नगर के रहवासियों द्वारा अवैध पार्किंग, नशाखोरी, जुआखोरी, कचरा डंपिंग के विरुद्ध किया जा रहा विरोध बढ़ता ही जा रहा है। समस्या से परेशान यहां के रहवासी विरोध कर रहे हैं, शिकायत भी कर रहे हैं। मगर, समाधान करने वाले मामले को देखकर भी अनदेखा कर रहे हैं।

अब तक कार्रवाई पूरी तरीके से बेनतीजा रही है। जिम्मेदार अधिकारी आपस में पत्राचार कर एक दूसरे के ऊपर मामला डालते जा रहे हैं। जनवरी में ही रहवासियों के अनुरोध पर क्षेत्रीय विधायक मोतीलाल साहू ने आयुक्त नगर निगम को आदेश जारी कर यह भी कहा था कि यहां के रहवासियों की समस्या का समाधान किया जाए। वहीं, एसडीएम द्वारा भी नगर निगम और संबंधित थाने को कार्रवाई के लिए निर्देशित किया गया है। सब कुछ होने के बाद भी इस मामले पर कार्रवाई नहीं की जा रही है। देवपुरी में गुंडागर्दी के साथ अवैध वसूली भी की जाती है। यहां के रहवासी बताते हैं कि कुछ लड़के अवैध तरीके से पार्किंग के नाम पर वसूली करते हैं। वो सड़कों पर गाड़ी भी खड़ी कराते हैं, जबकि पूरा क्षेत्र नो पार्किंग जोन है। नगर निगम को भी इसकी जानकारी दी गई है। मगर, निगम के अधिकारी और कर्मचारी मामले को देखने तक नहीं आए। अधिकारियों ने बताया कि अतिक्रमण कर मार्ग बाधित करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाती रही है। इस मामले को भी संज्ञान में लेकर कार्रवाई की जाएगी।

निजी स्कूल संचालक हर वर्ष फीस को बढ़ा रहे

छत्तीसगढ़ में आदेश के बाद भी सार्वजनिक नहीं हुई निजी स्कूलों की फीस की जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

निजी स्कूलों की मनमानी फीस वसूली को लेकर एक साल पहले ही बाल संरक्षण आयोग ने भी सख्त रूख अपनाया था। निजी स्कूलों की फीस की जानकारी सार्वजनिक करने को कहा था। यानी स्कूलों के बाहर चार गुना आठ फीट का बोर्ड लगाकर तय की गई फीस की जानकारी सार्वजनिक करनी होगी। साथ ही इसे स्कूल की वेबसाइट पर भी फीस की जानकारी दिखानी होगी।

इसके लिए आयोग ने आदेश जारी कर सभी कलेक्टरों को पत्र लिखकर कहा था कि निजी स्कूलों की फीस की जानकारी सार्वजनिक होनी चाहिए, लेकिन इस आदेश का कहीं भी पालन नहीं हो रहा है। अफसर भी निजी स्कूलों की नियमित मॉनिटरिंग नहीं कर रहे हैं। यही वजह से हर साल निजी स्कूल मनमाने ढंग से अभिभावकों को लूटने की कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। गौरतलब है कि प्रदेश में निजी स्कूल संचालक अपनी मर्जी से हर वर्ष फीस में बढ़ोतरी कर रही है।

तय मानक के अनुसार बढ़ा सकते हैं फीस

आयोग की ओर से जारी किए गए आदेश में कहा गया है कि छत्तीसगढ़ अशासकीय फीस विनियमन और शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अनुसार फीस होगी। तय मानक के अनुसार ही फीस की बढ़ोतरी करनी होगी। आयोग ने सभी जिलों के कलेक्टर और जिला फीस समितियों को आदेश जारी किया था, ताकि फीस बढ़ोतरी की शिकायत पर लगाम कस सकें।

8 फीसदी से ज्यादा फीस नहीं बढ़ा सकते

स्कूलों के मनमानी फीस बढ़ाने पर लगाम लगाने के लिए राज्य सरकार 2020 में फीस विनियमक अधिनियम लेकर आई थी। इस अधिनियम के तहत निजी स्कूल साल में आठ प्रतिशत तक फीस बढ़ोतरी कर सकते हैं। ज्यादा करने पर जिला स्तर गठित समिति को जानकारी देनी थी, लेकिन प्रदेश में इसका पालन नहीं हो रहा है।

बच्चों का कुपोषण दूर करने जनजातीय परिवारों को दी जाएगी दुधारू गाय

पक्का आवास पाने से कोई न छूटे, पीएम आवास योजना का लाभ पहुंचाने 31 मार्च तक पूर्ण करें सर्वे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जनजातीय वर्ग के सभी हितग्राहियों को पक्का आवास प्रदान करें। कोई भी हितग्राही आवास पाने से वंचित न रहे। किन्हीं भी कारणों से आवास पाने से छूट गये पात्र हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास योजना या मुख्यमंत्री आवास योजना की पात्रतानुसार सबको पक्के घर की सौगात दी जाए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में उन्होंने अभियान के मैदानी क्रियान्वयन से जुड़े सभी विभागीय अधिकारियों को अभियान तहत गांव और हितग्राही चयन का काम पूरा कर तय कार्य योजना एवं मापदंडों के अनुसार लक्षित क्षेत्रों में विकास कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि अभियान जनजातीय समुदाय के समग्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इसके प्रभावी क्रियान्वयन से ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार होगा। उन्होंने अधिकारियों को अभियान में स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और योजनाओं को प्राथमिकता से करने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान को सफल बनाने समयबद्ध क्रियान्वयन के दिए निर्देश

गांवों में मिट्टी की जांच होगी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के जनजातीय ग्रामों में टिकाऊ खेती को बढ़ावा देने के लिए शासन स्तर पर प्रयास किए जाएं। गांव में मिट्टी का परीक्षण कर किसानों को बताया जाए कि उन्हें कौन सी फसल लगाना ज्यादा लाभदायक होगा। साथ ही टिकाऊ एवं पर्यावरण अनुकूल खेती को प्रोत्साहित करने के लिए सेमिनार आयोजित किए जाएं। उन्होंने कहा कि जनजातीय परिवारों के बच्चों में कुपोषण को दूर करने के लिए शासकीय सहयोग से दुधारू गाय उपलब्ध कराई जाए। पारम्परिक उत्पादों की बेहतर मार्केटिंग के लिए शुरू करें मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जनजातीय ग्रामों में रहने वाले लोगों को पूजा-पाठ और बैठक जैसे आयोजन के लिए गांव-गांव में सामुदायिक भवन उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने प्रदेश के चयनित 11 हजार 377 जनजातीय ग्रामों में रहने वाले लोगों द्वारा उगाए जाने वाले मोटे अनाज की खरीदारी शासन स्तर पर करने के निर्देश दिए।

राज्य ने देश में तीसरा स्थान किया हासिल

प्रकृति परीक्षण अभियानः छत्तीसगढ़ को मिला केंद्रीय पुरस्कार

छत्तीसगढ़ को प्रशस्ति-पत्र और ट्रॉफी दी गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

केंद्रीय आयुष मंत्रालय के अंतर्गत भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग, नई दिल्ली द्वारा मुंबई में देश भर में चलाए जा रहे प्रकृति परीक्षण अभियान के पहले चरण का समापन समारोह आयोजित किया गया। इस समापन कार्यक्रम का आयोजन मुंबई के प्रतिष्ठित जहांगीर भाभा थियेटर में केंद्रीय आयुष मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रतापराव जाधव की प्रमुख उपस्थिति में हुआ।

नई मिसाल कायम की

इस अभियान के पहले चरण में छत्तीसगढ़ राज्य ने देशभर में तीसरा स्थान प्राप्त कर सफलता की एक नई मिसाल कायम की है। इस सम्मान के तौर पर छत्तीसगढ़ को प्रशस्ति पत्र और ट्रॉफी दी गई। यह सम्मान छत्तीसगढ़ आयुर्वेदिक, यूनानी एवं प्राकृतिक चिकित्सा परिषद के रजिस्ट्रार डॉ. संजय शुक्ला को मिला। अभियान का समापन 25 दिसंबर 2024 को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने किया था।

4.5 लाख नागरिकों का प्रकृति परीक्षण

यह अभियान छत्तीसगढ़ में संचालित किया गया, जिसमें लगभग 4.5 लाख नागरिकों का प्रकृति परीक्षण किया गया। अभियान के तहत केंद्रीय गृह मंत्रालय के समर्थन से राज्य में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के 40,000 से ज्यादा अधिकारियों एवं जवानों का भी प्रकृति परीक्षण किया गया। छत्तीसगढ़ को इस सम्मान से सम्मानित किए जाने पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने राज्य के स्वास्थ्य अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई दी। स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने कहा कि केंद्रीय स्तर पर इस प्रकार का पुरस्कार मिलना छत्तीसगढ़ के लिए गर्व की बात है। उन्होंने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को अपनी मेहनत और ईमानदारी से जनता के स्वास्थ्य के लिए कार्य करते रहने की प्रेरणा दी।

चिंतन

बाहर से आने वालों पर कठोर निगरानी जरूरी

अमेरिका समेत दुनिया भर में जब अवैध प्रवासी को लेकर चर्चा गर्म है और हर देश अपने यहां रह रहे अवैध नागरिकों को बाहर करने के लिए प्रयासरत है, तब भारत में प्रवासन नीति को लेकर विधेयक पर चर्चा ध्यान खींचती है। आजादी के बाद से भारत बाहर से आने वालों को लेकर अधिक सख्त नहीं रहा है। इसका कारण है कि भारत से अलग हुए पाकिस्तान, बांग्लादेश के अलावा पड़ोसी नेपाल, भूटान, म्यांमार, श्रीलंका, अफगानिस्तान से लोग भारत आकर रहते-बसते रहे हैं। भारत बाहरी नागरिकों के लिए एक सुरक्षित मुल्क रहा है, लेकिन आज स्थिति बदल रही है। गलत नीयत से आने वाले प्रवासी, अवैध नागरिक भारत के लिए समस्या बनते जा रहे हैं। भारत के डेमोग्राफी में बदलाव की नीयत से, आतंकवाद, उपद्रव, अशांति फैलाने के उद्देश्य से लोग आने लगे हैं, जो भारत के लिए चिंता की बात है। गृहमंत्री अमित शाह ने संसद में 'आप्रवास और विदेशियों विषयक विधेयक, 2025' पर चर्चा के दौरान जवाब में दो टूक संदेश दिया है कि 'भारत कोई धर्मशाला नहीं है कि कोई भी जब चाहे यहां आकर रहे, अशांति के लिए आने वालों से सरकार कठोरता से निपटेगी।' देखा गया है कि देश में अवैध घुसपैठ करने वाले आतंकवाद, हिंसा, ड्रग्स तस्करी आदि में लिप्त रहे हैं, जो देश की शांति में खलल के कारण बन रहे हैं। भारत सरकार की प्रवासन नीति कठोरता और करुणा का मिश्रण है। नए विधेयक में प्रावधान है कि भारत में व्यापार, शिक्षा और शोध के लिए आने वालों का स्वागत होगा, लेकिन गलत उद्देश्य से और अशांति फैलाने के मंसूबे के साथ दाखिल होने वालों से कठोरता से निपटा जाएगा। शांति व सुरक्षा के लिए यह नीति जरूरी है। भारत में कौन आता है और कितने समय के लिए आता है, देश की सुरक्षा के लिए सरकार को यह जानने का अधिकार है। दुनिया के सभी देशों में बाहर से आने वालों के लिए कठोर नियम है। भारत भी इस दिशा में बढ़ रहा है, जो सकारात्मक है। भारत ने अभी तक शरणार्थी संबंधी अंतरराष्ट्रीय संधि पर हस्ताक्षर नहीं किया है। इसके पीछे सरकार का तर्क है कि पांच हजार साल से प्रवासियों के बारे में भारत का ट्रैक रिकॉर्ड बेदाग रहा है और देश को किसी शरणार्थी नीति की जरूरत नहीं है। भारत का शरणार्थियों के प्रति एक इतिहास रहा है। पारसी भारत में आए। इजराइल से यहूदी भारत में आ रहे हैं। कालक्रम में अनेक लोग बसने के लिहाज से आए। लेकिन अब स्थिति बदली हुई है, अशांति फैलाने वालों को रोकना जरूरी है। चूंकि, पूरी दुनिया के अर्थतंत्र की सूची में भारत एक 'ब्राइट स्पॉट' बनकर उभरा है, एक विनिर्माण केंद्र बनकर उभरा है और ऐसे में देश में आने वाले लोगों की संख्या बढ़ेगी। भारत के विकास में योगदान करने के लिए आने वाले देश के लिए असेट होंगे, लेकिन अस्थिरता व अशांति फैलाने कोई आएंगे तो उनसे कठोरता से निपटना जरूरी है। बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठिए किस प्रकार सरकार के लिए संकट बने हैं यह किसी से छिपा नहीं है। भारत छह पड़ोसी देशों के प्रताड़ित लोगों को नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के माध्यम से नागरिकता दे रहा है। भारत को एक सुरक्षित और नागरिक विनियमन राष्ट्र के तौर पर स्थापित करना जरूरी है। नागरिकता को लेकर भारत की सॉफ्ट पावर की छवि को बदल कर कठोर निगरानी के साथ नियम आधारित बनाना ही चाहिए। नागरिकता पर राजनीति नहीं होनी चाहिए।

विश्लेषण
विवेक शुक्ला

नशे के खिलाफ जंग लड़ता भारत

> पिछले कई दशकों से ड्रग्स माफिया और उनके नेटवर्क के लोगों ने मणिपुर और म्यांमार के बीच नशे के कारोबार का एक गोल्डन ट्राएंगल बना रखा था, लेकिन जब से केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने इस गोल्डन ट्राएंगल को डेथ ट्राएंगल में बदलने का ऐलान किया। ड्रग्स माफियाओं का खेल बिगड़ने लगा और कई एजेंटों को जान से हाथ धोना पड़ा। चूंकि पहले नॉर्थ ईस्ट के राज्यों से इन ड्रग्स कारोबारियों को राजनीतिक संरक्षण मिलता रहा था, इसलिए ये ड्रग्स माफिया चुपचाप काम करते रहे, लेकिन नरेन्द्र मोदी के 2014 में देश का प्रधानमंत्री बनने और नशे के सौदागरों के खिलाफ अमित शाह की जीरो टॉलरेंस नीति के कारण अब यही ड्रग्स माफिया विद्रोह को हवा देने में जुट गए।

आमतौर पर सिर्फ पंजाब के लिए कहा जाता है कि नशे की लत के कारण पूरा राज्य बर्बादी की तरफ बढ़ रहा है। इस सूची में गोवा, मिजोरम, मेघालय और मणिपुर भी पीछे नहीं हैं। कहने वाले कहते हैं कि मणिपुर समस्या की सबसे गहरी जड़ नशे के कारोबार से जुड़ी है। पिछले कई दशकों से ड्रग्स माफिया और उनके नेटवर्क के लोगों ने मणिपुर और म्यांमार के बीच नशे के कारोबार का एक गोल्डन ट्राएंगल बना रखा था, लेकिन जब से केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने इस गोल्डन ट्राएंगल को डेथ ट्राएंगल में बदलने का ऐलान किया।

ड्रग्स माफियाओं का खेल बिगड़ने लगा, और कई एजेंटों को जान से हाथ धोना पड़ा। चूंकि पहले नॉर्थ ईस्ट के राज्यों से इन ड्रग्स कारोबारियों को राजनीतिक संरक्षण मिलता रहा था, इसलिए ये ड्रग्स माफिया चुपचाप काम करते रहे, लेकिन नरेन्द्र मोदी के 2014 में देश का प्रधानमंत्री बनने और नशे के सौदागरों के खिलाफ अमित शाह की जीरो टॉलरेंस नीति के कारण अब यही ड्रग्स माफिया विद्रोह को हवा देने में जुट गए। दरअसल अपराध की जो संगठित गिरोहबाजी है, उसमें सबसे बड़ी श्रृंखला नशे की कारोबारियों की है। किसी के पास यह निश्चित आंकड़ा नहीं है कि ड्रग्स सिंडिकेट का कारोबार कितना बड़ा है, लेकिन हर देश को यह अंदाजा जरूर है कि यह गैरकानूनी धंधा पूरे संसार में सबसे बड़ा है और हर देश इससे पीड़ित है और इसे खत्म करने के लिए जूझ भी रहा है। भारत दो प्रमुख ड्रग उत्पादक क्षेत्रों- गोल्डन क्रिसेंट (ईरान-अफगानिस्तान-पाकिस्तान) और गोल्डन ट्रायंगल (थाईलैंड-लाओस-म्यांमार) के बीच स्थित है, जो इसे अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के लिए संवेदनशील बनाता है। भारत दुनिया के सबसे बड़े अफ़ीम बाज़ारों में से एक है। नशे की लत इतनी ज्यादा खतरनाक है कि कई बार लोग इसके अति सेवन से और न मिलने पर आत्महत्या तक कर डालते हैं। नशे के कारण होने वाली मौतों की गंभीरता को समझते हुए केंद्र सरकार ने 1995 में ऐसी मौतों के आंकड़े को अलग करना शुरू किया था। सरकार का लक्ष्य वर्ष 2047 तक भारत को 'मादक पदार्थ मुक्त' बनाना है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मानें तो केवल 2024 में भारत में 16,914 करोड़ के ड्रग्स पकड़े गए। कुछ देश ऐसे भी हैं जो इसको बढ़ावा भी दे रहे हैं, लेकिन संभवतः उनके यहां सिस्टम नाम की चीज नहीं है और इन पर एक तरह से अपराधियों का ही कब्जा है। दुनिया में पांच ऐसे बड़े देश हैं जहां नशे का कारोबार सबसे अधिक फैलता है। सबसे पहले नंबर पर ईरान है। उसके बाद अफगानिस्तान, फिर रूस, अमेरिका और ब्रिटेन भी। भारत कुछ चंद देशों में शामिल है, जो ड्रग्स सिंडिकेट के निशाने पर हमेशा रहा है। एक तो दुनिया की सबसे बड़ी आबादी और दूसरे भारत की सीमाएं चीन, भूटान, नेपाल, पाकिस्तान, बांग्लादेश और म्यांमार के साथ लगी होने से ड्रग्स डीलरों के लिए सबसे बड़ी और अपेक्षाकृत आसान मंडी भारत बन गया था। उस पर भी पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ परोक्ष युद्ध में नशे की खेप को भी एक हथियार बना रखा है। गृह मंत्रालय की एक रिपोर्ट तो चौंकाने वाली है। दिसंबर 2024 में गृह मंत्रालय के हवाले से यह खबर छपी कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई न सिर्फ भारत में नशे की खेप भेज

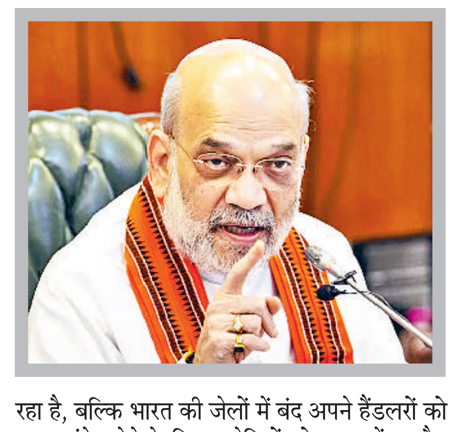

रहा है, बल्कि भारत की जेलों में बंद अपने हैंडलरों को खास संदेश देने के लिए नशेड़ियों को भारत में घुसपैठ भी करा रहा है। आज भारत के कई ऐसे राज्य हैं, जहां नशे के सामान सबसे अधिक बेचे और इस्तेमाल किए जाते हैं। ड्रग माफियाओं से भारत ही नहीं, दुनिया के कई देश परेशान हैं। अमेरिका में सबसे अधिक ड्रग एडिक्ट लोग रहते हैं, पर संतोष की बात यह है कि अन्य बड़ी समस्याओं की तरह भारत ने भी नशे की बीमारी को गंभीरता से लिया है और मोदी सरकार ने नक्सल मुक्त भारत की तरह नशा मुक्त भारत का भी अभियान छेड़ रखा है। क्योंकि नशे का कारोबार केवल हमें आर्थिक क्षति नहीं दे रहा, बल्कि पीढ़ियों को बर्बाद कर रहा है। नशे में आदी लोग सामाजिक ताना-बाना को भी चोट पहुंचा रहे हैं। नशेड़ी मारपीट, चोरी, डकैती और कुछ हत्या तक के अपराधी हैं। केंद्र सरकार नशे की चपेट में आए लोगों के प्रति बेहद संजीदगी से पेश आ रही है।

मोदी सरकार की गंभीरता इसी से पता चलती है कि केंद्र सरकार अपने संसाधन से देश में 340 से अधिक नशा मुक्ति केंद्र चला रही है। न केवल नशे की खेप को आने से रोकने के लिए रणनीतिक साझेदारी के साथ राज्य सरकारों को विश्वास में लेकर चल रही है, बल्कि पीड़ितों के साथ भी मानवीय आधार पर नशामुक्ति का अभियान चला रही है। गृह मंत्रालय के साथ-साथ इस काम में मानव संसाधन मंत्रालय, वित्त मंत्रालय और समाज कल्याण मंत्रालय के साथ साथ राज्य भी भागीदारी कर रहे हैं। नशीले पदार्थ की एक पुड़िया भी बरामद होने के बाद नीचे से ऊपर तक की श्रृंखला को खोद निकाला जा रहा है। नशे का कारोबार चूंकि एक संगठित अपराध है, इसलिए इसका मुकाबला भी संयुक्त प्रयास से ही किया जा सकता है। केंद्र और राज्यों का समन्वय और इससे लगने की इच्छा शक्ति बहुत जरूरी है। यह अच्छी बात है कि केंदीय गृह मंत्री अमित शाह इस मामले में बहुत गंभीर हैं। अभी हाल ही में अमित शाह ने संसद के जरिए देश को बताया है कि उनके मंत्रालय ने राज्यों के साथ मिलकर एक चार स्तरीय नार्को कोऑर्डिनेशन सेंटर मैकेनिज्म की स्थापना की है, ताकि संगठित अपराधियों के खिलाफ काम करने वाली केंद्र एवं राज्यों की एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल हो सके। सभी एजेंसियां एक ही दिशा में काम करें और रियल टाइम में सूचनाओं का आदान-प्रदान हो सके, इसके लिए एक वेब पोर्टल एनसीओआरडी लॉन्च किया गया है। इसी तरह से एक डेडिकेटेड एंटी नार्कोटिक्स टास्क फोर्स का भी गठन किया है। बीएसएफ और असम रायफल्स जैसे अर्धसैनिक बलों को एनडीपीएस कानून के तहत ड्रग्स सिंडिकेट के खिलाफ सर्च और सीजर का अधिकार दे दिया गया है। खुद नार्कोटिक्स कंट्रोल बोर्ड नेवी, कोस्ट गार्ड और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के साथ मिलकर एंटी नारकोटिक्स ऑपरेशन कर रहा है।

पिछले कुछ वर्षों में हमें बड़ी सफलताएं भी मिली हैं। 2014 से लेकर 2024 तक एक करोड़ किलो ड्रग्स को जब्त किया गया है, जिनकी अनुमानित कीमत डेढ़ लाख करोड़ रुपये है। अमित शाह के कार्यकाल में अभी तक 6 लाख 56 हजार ड्रग्स के केस दर्ज हो चुके हैं। यह रिकॉर्ड 2014 से पहले के मुकाबले कई गुना अधिक हैं। पर सच्चाई यह भी है कि ड्रग्स का कारोबार रुक नहीं सका है। चोरी छुपे यह लोगों तक पहुंच ही जा रहे हैं। इस मामले में गृह मंत्री अमित शाह की संसद में कही इस बात को भी ध्यान में रखना जरूरी है कि नशे के खिलाफ लड़ाई अकेले केंद्र सरकार नहीं जीत सकती, समाज और राज्यों को भी अपनी भूमिका निभानी होगी। यह ठीक भी है कि नशे के खिलाफ अभियान घरों की चौखट से शुरू होनी चाहिए। नशे की समस्या से निपटने में बुनियादी ढांचे से लेकर प्रशिक्षित कर्मियों, विशेष उपकरणों, साइकोएक्टिव ड्रग्स व डार्क नेट-क्रिप्टो तक अनेक चुनौतियां भी हैं।

(लेखक पूर्व सूचना अधिकारी, यूएई एंबेसी हैं, ये उनके अपने विचार हैं।
लेख पर अपनी प्रतिक्रिया edit@haribhoomi.com पर दे सकते हैं।

दो टूक
डॉ. मोनिका शर्मा

सुप्रीम कोर्ट ने पहले भी कई फैसलों पर लगाई है रोक

बीते दिनों आए इलाहाबाद हाईकोर्ट के विवादित आदेश से आमजन हैरान-परेशान तो हुए ही, इस टिप्पणी का मुखर विरोध भी हुआ। ज्ञात हो कि अपनी टिप्पणी में इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा कहा गया था कि 'किसी लड़की के निजी अंग पकड़ लेना, उसके पायजामे का नाड़ा तोड़ देना और जबरन उसे पुलिया के नीचे खींचने की कोशिश से रेप या 'अटेम्प्ट टु रेप' का मामला नहीं बनता।' देश के हर हिस्से में बसे लोगों ने इस फैसले का ना केवल विरोध किया बल्कि इसे असंवेदनशील भी माना। हाल ही में उच्चतम न्यायालय ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के दुष्कर्म संबंधी इस दृष्टिकोण पर कड़ी आपत्ति जताते हुए इस टिप्पणी पर रोक लगा दी है। ध्यातव्य है कि सुप्रीम अदालत ने उच्च न्यायालय द्वारा दिए आदेश में की गयी कुछ टिप्पणियों को पूरी तरह से 'असंवेदनशील' तथा 'अमानवीय दृष्टिकोण वाली' माना है। सुप्रीम कोर्ट ने इसे 'बेहद गंभीर मामला' करार देते हुए कहा कि सामान्य परिस्थितियों में हम इस स्तर पर स्थगन देने में सुस्त हैं, लेकिन ये टिप्पणियां कानून के सिद्धांतों से पूरी तरह अलग हैं। इसलिए हम उक्त टिप्पणियों पर स्थगन देने के लिए इच्छुक हैं, जिनमें कहा गया था कि 'महज ... पकड़ना और पायजामे का नाड़ा ... बलात्कार के अपराध के दायरे में नहीं आता'। गौरतलब है कि पहले इसी मामले में फैसले के विवादित हिस्से को हटाने की मांग को लेकर दायर एक याचिका पर सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट ने इनकार कर दिया था। ऐसे में पूरे देश में आक्रोश, चर्चा और चिंता का विषय बने इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले को लेकर उच्चतम न्यायालय का यह हस्तक्षेप जरूरी और विचारणीय है। देश में बाल शोषण और दुष्कर्म के आंकड़े सचमुच चिंतनीय हैं। यह मामला भी 11 वर्षीय नाबालिग लड़की से जुड़ा है। असल में बच्चों के शोषण से जुड़े मामलों को स्पष्टता से समझना मुश्किल होता है। अधिकतर मामलों में तो अपने ही बाल शोषण और दुष्कर्म की घटनाओं को अंजाम देते हैं। नाबालिग बच्चों के मामले में तो दुर्व्यवहार की सीमा और स्थिति का आकलन और मुश्किल हो जाता है।

यही वजह है कि बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी घटनाओं में पहले भी न केवल ऐसे निर्णय आए हैं बल्कि उच्चतम न्यायालय द्वारा हस्तक्षेप भी किया गया है। 2021 में बॉम्बे हाईकोर्ट द्वारा भी यौन उत्पीड़न के एक आरोपी को यह कहते हुए बरी कर दिया था कि किसी नाबालिग पीड़ित के निजी अंगों को स्किन टु स्किन संपर्क के बिना टटोलना पॉक्सो (प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रेन फ्रॉम सेक्सुअल अफेंसेस एक्ट) में अपराध नहीं मान सकते। ध्यातव्य है कि इस फैसले को सुप्रीम अदालत ने पलटते हुए कहा था कि किसी बच्चे के यौन अंगों को छूना या यौन इरादे से शारीरिक संपर्क से जुड़ा कोई भी कृत्य पॉक्सो एक्ट की धारा 7 के तहत यौन हमला माना जाएगा। इसमें महत्वपूर्ण इरादा है, न कि त्वचा से त्वचा का संपर्क। बीते साल मद्रास हाईकोर्ट ने भी एक मामले को यह कहते हुए निरस्त कर दिया था कि बच्चों की अश्लील वीडियो देखना पोस्को और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत अपराध नहीं है। चाइल्ड पोर्नोग्राफी वीडियो पर मद्रास उच्च न्यायालय के फैसले को भी सुप्रीम कोर्ट ने पलट दिया था।

उच्चतम न्यायालय ने कहा था कि बच्चों की अश्लील वीडियो को डाउनलोड करना, देखना और उसे अपने पास रखना अपराध है। असल में बच्चों के कामुक शोषण के मामलों में मंशा ही सबसे अहम है। वैचारिक मोर्चे पर नकारात्मकता की दस्तक ही व्यवहार की बर्बरता के रूप में सामने आती है। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि सामाजिक परिवेश से लेकर स्कूल और पारिवारिक माहौल तक, बच्चों के प्रति दुर्व्यवहार की सोच रखने वाले करीबी अपने ही होते हैं। परिचितों- अपरिचितों की सोच की दिशाहीनता ही ऐसे वाकयों का कारण बनती हैं। इतना ही नहीं, अश्लील सामग्री देखना और अपने पास रखना भी कुत्सित सोच से ही जुड़ा है। न केवल ऐसी सामग्री को देखकर बच्चों के साथ बर्बरता करने के मामले सामने आ चुके हैं बल्कि ऐसा कंटेन्ट बनाने के लिए भी बच्चों का शोषण किया जाता है। ऐसे में बच्चों के यौन शोषण से जुड़े मामलों से जुड़ीं न्यायिक टिप्पणी महत्वपूर्ण होती हैं। इलाहाबाद हाईकोर्ट जैसे आदेश ना केवल नकारात्मक प्रवृत्ति के लोगों का दुस्साहस बढ़ाते हैं बल्कि इनके संदर्भ भावी घटनाओं से जुड़े निर्णय को भी प्रभावित करते हैं। नई पीढ़ी के लिए बढ़ती असुरक्षा और अविश्वास के परिवेश में न्यायिक निर्णयों में स्पष्टता और संवेदनशीलता आवश्यक है।

(लेखिका स्वतंत्र टिप्पणीकार और स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

ईश्वर की प्राप्ति

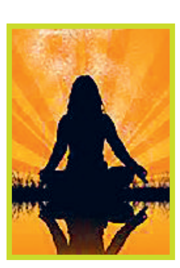

संकलित
दर्शन

जड़ जगत की रचना के लिए ईश्वर की जो शक्ति काम करती है, उसे प्रकृति कहते हैं और चैतन्य जगत की रचना करने वाली शक्ति को जीव कहते हैं। जिस प्रकार दोनों हाथ एक ही शरीर के दो भाग हैं, उसी प्रकार जीव और प्रकृति दोनों ही ईश्वरतत्व के दो अंश हैं। अध्यात्म तत्व के जिज्ञासु जिस ईश्वर की उपासना करते हैं, असल में वह अखिल आद्यशक्ति का सतोगुणी अंश है। मानवीय उन्नति तो सत्व गुणों को प्राप्त करने से ही हो सकती है। इसलिए उन उच्च गुणों की एक मानसिक प्रतिमा बनाकर उपासना करने का विधान किया गया है। ईश्वर का सत्व गुण अदृश्य रूप से हमारे निकट ही वर्तमान है। उसे अधिक मात्र में खींचकर अपने अंदर भर लेने के लिए प्रेम, श्रद्धा, विश्वास और ध्यान अभ्यास की आवश्यकता होती है। इन्हीं चारों के समन्वय को 'उपासना' कहा जाता है। उपासना जितनी ही प्रबल होगी, आकर्षण भी वैसा ही सशक्त होगा और उसी के अनुसार उपास्य देवतत्व की प्राप्ति होगी। प्रेम, दया, करुणा, सहानुभूति, उदारता, त्याग, समता और न्याय आदि सद्गुणों का निष्ठापूर्वक जितना अधिक चिंतन किया जाता है, उतनी अधिक उनकी प्राप्ति होती है। उन्नति का क्रम तम से सत की ओर चलना है। जिसने जितना ही सत्गुण अपने में धारण कर लिया, आध्यात्मिक दृष्टि से वह उतना ही उन्नतिशील कहा जाएगा। यदि एक भक्त सत तत्व की उपासना करता है तो कोई कारण नहीं कि उसे वह प्राप्त न हो। ईश्वर की उपासना का तात्पर्य उसके दिव्य सत तत्व की आराधना है।

ब्राह्मण का सपना

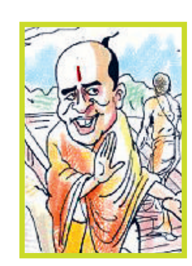

संकलित
प्रेरणा

एक नगर में कोई कंजूस ब्राह्मण रहता था। उसने भिक्षा से प्राप्त सत्तुओं में से थोड़े से खाकर शेष से एक घड़ा भर लिया था। उस घड़े को उसने रस्सी से बांधकर खूंटी पर लटका दिया और उसके नीचे पास ही खटिया डालकर उसपर लेटे-लेटे विचित्र सपने लेने लगा, और कल्पना के हवाई घोड़े दौड़ाने लगा। उसने सोचा कि जब देश में अकाल पड़ेगा तो इन सत्तुओं का मूल्य 100 रुपए हो जाएगा। उन सौ रुपयों से मैं दो बकरियां लूँगा। छः महीने में उन दो बकरियों से कई बकरियां बन जाएंगी। उन्हें बेचकर एक गाय लूंगा। गौओं के बाद भैंसे लूंगा और फिर घोड़े ले लूंगा। घोड़ों को महंगे दामों में बेचकर मेरे पास बहुत सा सोना हो जाएगा। सोना बेचकर मैं बहुत बड़ा घर बनाऊँगा। मेरी सम्पत्ति को देखकर कोई भी ब्राह्मण अपनी सुरुपवती कन्या का विवाह मुझसे कर देगा। वह मेरी पत्नी बनेगी। उससे जो पुत्र होगा उसका नाम मैं सोमशर्मा रखूंगा। जब वह घुटनों के बल चलना सीख जाएगा तो मैं पुस्तक लेकर घुड़शाला के पीछे की दीवार पर बैठा हुआ उसकी बाल-लीलाएं देखूंगा। उसके बाद सोमशर्मा मुझे देखकर मां की गोद से उतरेगा और मेरी ओर आएगा तो मैं उसकी मां को क्रोध से कहूँगा- 'अपने बच्चे को संभाल।' वह गृह-कार्य में व्यग्र होगी, इसलिए मेरा वचन न सुन सकेगी। तब मैं उठकर उसे पैर की ठोकर से मारुंगा। यह सोचते ही उसका पैर ठोकर मारने के लिए ऊपर उठा। वह ठोकर सत्तु-भरे घड़े को लगी। घड़ा चकनाचूर हो गया। कंजूस ब्राह्मण के स्वप्न भी साथ ही चकनाचूर हो गए।

नव वर्ष की तैयारी

गुड़ी पड़वा त्यौहार से पहले ठाणे के एक बाजार में शक्कर की माला को निहारती एक महिला। गुड़ी पड़वा का वसंत त्योहार मराठी और कोंकणी हिंदुओं के लिए नए साल की शुरुआत का प्रतीक है।

आज की पाती

फास्ट फूड के सेवन से पनपती स्वास्थ्य समस्याएं

भारत की खाद्य संस्कृति वैश्वीकरण, शहरीकरण और बदलती जीवनशैली के परिणामस्वरूप बदल रही है, जो प्रमुख सामाजिक-आर्थिक और सांस्कृतिक परिवर्तनों का कारण बन रही है। भारत में युवा पीढ़ी तेजी से फास्ट फूड का सेवन कर रही है, जिसके कारण कई स्वास्थ्य समस्याएं पैदा हो रही हैं, जैसे मोटापा, टाइप-2 मधुमेह और हृदय संबंधी विकार। फास्ट फूड में अक्सर बड़ी मात्रा में कैलोरी, चीनी, सोडियम और खराब वसा होती है, जो खराब खाने की आदतों और पोषण संबंधी कमियों को जन्म दे सकती है। इसका परिणाम एक गतिहीन जीवन शैली भी हो सकता है, जो किसी के स्वास्थ्य के लिए जोखिम बढ़ाएगा। इस प्रवृत्ति में समय के साथ स्वास्थ्य सेवा प्रणालियों पर दबाव डालने और पीढियों के जीवन की सामान्य गुणवत्ता को प्रभावित करने की क्षमता है। *- दिनेश यादव, कांकेर*

ट्रेंड

श्रद्धांजलि अर्पित

श्री श्री हरिचंद ठाकुर की जयंती पर अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ जिन्होंने हाशिए पर पड़े समुदायों के कल्याण और सामाजिक असमानताओं के उन्मूलन के लिए काम किया। करुणा और एकता पर उनकी शिक्षाएँ आज भी हमारा मार्गदर्शन करती हैं।
-जे.पी. नड्डा, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री

सम्मान देने की प्रतिबद्धता

दिल्ली के वरिष्ठ नागरिकों को आर्थिक सुरक्षा और सम्मान देने की प्रतिबद्धता को साकार किया। 60-69 वर्ष की आयु के नागरिकों को 2,500 व 70+ आयु के नागरिकों को 3,000 रुपये प्रतिमाह पेंशन देने का निर्णय लिया गया है।
-रेखा गुप्ता, सीएम, दिल्ली

नशे के ख़िलाफ़ युद्ध

पंजाब में हमारी सरकार ने नशे के ख़िलाफ़ ज़बरदस्त युद्ध छेड़ा हुआ है। अब अगले चरण में नशे के बड़े सप्लायर्स पर वार किया जाएगा। नशे का एक भी विक्रेता या सप्लायर बख़्शा नहीं जाएगा।
-अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम, दिल्ली

डेटा एनालिटिक्स

प्लांट साइंटिस्ट डॉ. स्मिता हेज ने डेटा एनालिटिक्स का उपयोग कर कम बजट में मैंगलोर में पेड़ों का सफलतापूर्वक मानचित्रण किया। बेंगलुरु को इस तरह की परियोजना शुरू करनी चाहिए।
- किरण मजूमदार, उद्यमी

करंट अफेयर

शिशु मृत्यु दर रोकने में भारत की अहम भूमिका

विश्व निकाय ने 'आयुष्मान भारत' जैसी स्वास्थ्य पहलों का उदाहरण देते हुए शिशु मृत्यु दर में कमी लाने में भारत के प्रयासों और प्रगति की सराहना की तथा इसे 'अनुकरणीय' बताया। संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि देश ने अपनी स्वास्थ्य प्रणाली में रणनीतिक निवेश के माध्यम से लाखों लोगों का जीवन बचाया है।
मंगलवार को जारी संयुक्त राष्ट्र के एक समूह की शिशु मृत्यु दर आकलन रिपोर्ट में भारत, नेपाल, सेनेगल, घाना और बुरुंडी का उदाहरण दिया गया तथा शिशु मृत्यु दर रोकने में हुई प्रगति में अहम भूमिका निभाने वाली विभिन्न रणनीतियों पर प्रकाश डाला गया है। रिपोर्ट में कहा गया कि इन देशों ने दिखाया है कि 'राजनीतिक इच्छाशक्ति, साक्ष्य-आधारित रणनीतियों और निरंतर निवेश से मृत्यु दर में पर्याप्त कमी लाई जा सकती है। भारत के बारे में रिपोर्ट में कहा गया कि देश ने स्वास्थ्य प्रणाली में निवेश के माध्यम से स्थिति को बेहतर किया है। इसमें कहा गया कि 'अपनी स्वास्थ्य प्रणाली में रणनीतिक निवेश के माध्यम से भारत पहले ही लाखों लोगों का जीवन बचा चुका है और लाखों अन्य लोगों के लिए स्वस्थ जीवन सुनिश्चित करने का मार्ग प्रशस्त किया है।'

ऑफ बीट

गरीबी मस्तिष्क के विकास में बाधक

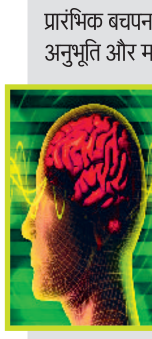

प्रारंभिक बचपन मस्तिष्क के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण अवधि है, जो अनुभूति और मानसिक कल्याण को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण है। इस उम्र में मस्तिष्क का अच्छा स्वास्थ्य सीधे तौर पर बेहतर मानसिक स्वास्थ्य, अनुभूति और किशोरावस्था और वयस्कता में शैक्षिक उपलब्धि से जुड़ा होता है। यह तनाव के समय में उसे झेलने की क्षमता भी प्रदान कर सकता है। लेकिन, दुख की बात है कि गरीबी के कारण मस्तिष्क का विकास बाधित हो सकता है। अध्ययनों से पता चला है कि प्रारंभिक बचपन गरीबी के माहौल में बिताना कम शैक्षिक उपलब्धि के लिए एक जोखिम कारक है। यह मस्तिष्क संरचना में अंतर, खराब अनुभूति, व्यवहार संबंधी समस्याओं और मानसिक स्वास्थ्य लक्षणों से भी जुड़ा है। इससे पता चलता है कि सभी बच्चों को जीवन में समान अवसर देना कितना महत्वपूर्ण है। लेकिन जब तक असमानता को कम करने और परिणामों में सुधार करने के लिए पर्याप्त उपाय नहीं किए जाते, साइकोलॉजिकल मेडिसिन में प्रकाशित हमारा नया अध्ययन, एक कम लागत वाली गतिविधि दिखाता है जो कम से कम मस्तिष्क पर गरीबी के कुछ नकारात्मक प्रभावों का प्रतिकार कर सकती है।

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय
टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से hbcgpati@gmail.com पर भेज सकते हैं।

बोलने का मौका न मिलने पर नाराज विपक्ष की लोकसभा अध्यक्ष के दरबार में हाजिरी

राहुल गांधी से जुड़ा है मामला, लोकसभा अध्यक्ष को पत्र सौंप विपक्षी दलों ने जताई नाराजगी, सभी दल रहे शामिल

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को बोलने का मौका न दिए जाने के मामले पर उखड़े विपक्षी दलों के एक प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को शून्यकाल के दौरान लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से उनके कक्ष में जाकर मुलाकात की।

इस दौरान उन्होंने अपनी नाराजगी जताते हुए हस्ताक्षर के साथ एक पत्र भी सौंपा। सदन में कांग्रेस के उप नेता गौरव गोगोई ने बताया कि हमारे प्रतिनिधिमंडल में भारतीय राष्ट्रीय विकासशील समावेशी गठबंधन (इंडिया) के घटक दलों में शुमार कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, द्रविड़ मुनेत्र कड़गम, राष्ट्रीय जनता दल, आईयूएमएल, आरएलपी और केरल के सांसद शामिल थे।

सदन में शालीनता के साथ करें आचरण: बिरला

गौरतलब है कि पिछले बुधवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने राहुल गांधी को सदन के भीतर उसकी गरिमा और मर्यादा को बनाए रखते हुए शालीनता के साथ आचरण करने की नसीहत दी थी और उसके तुरंत बाद कार्रवाई को स्थगित कर दिया था। अध्यक्ष के बयान के तुरंत बाद राहुल भी अपनी बात रखना चाहते थे। लेकिन लोकसभा अध्यक्ष के द्वारा कार्रवाई को स्थगित करने की वजह से उन्हें यह मौका नहीं मिला। पत्रकारों से बातचीत में राहुल गांधी ने अपनी नाराजगी जताते हुए कहा था कि मुझे लोकसभा में बोलने का मौका नहीं दिया जाता है। सदन की कार्रवाई गैर-लोकतांत्रिक ढंग से चलाई जा रही है। जिसमें सत्ता पक्ष की ही प्रधानता देखने को मिल रही है।

सत्ता पक्ष करता नियमों का उल्लंघन

गौरव ने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष से हुई मुलाकात में विपक्ष के नेताओं ने इस बात को लेकर चिंता प्रकट की कि सत्ताधारी दल यानी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा लोकसभा प्रक्रिया से जुड़े हुए नियम-कायदों और परंपराओं का पालन नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा, अब लोकसभा अध्यक्ष के 26 मार्च को सदन में नेता प्रतिपक्ष को लेकर दिए गए बयान का भाजपा का आईटी सेल राजनीतिकरण कर रहा है। हालांकि लोकसभा अध्यक्ष ने जिस नियम-349 का हवाला देते हुए राहुल गांधी के संदर्भ में टिप्पणी की थी। उसे लेकर अभी तक यह साफ नहीं है कि किस बात को लेकर उन्होंने ऐसा कहा था।

लोकसभा में डिप्टी स्पीकर का पद क्यों खाली?

लोकसभा अध्यक्ष से अपनी मुलाकात में विपक्षी सांसदों ने लंबे समय से सदन में डिप्टी स्पीकर की नियुक्ति न किए जाने का मुद्दा भी उठाया। साथ ही कहा कि 2019 से यह पद रिक्त क्यों है? जबकि संविधान का अनुच्छेद 93 इस महत्वपूर्ण नियुक्ति की प्रावधान करता है। पिछले सप्ताह सदन में बिना किसी पूर्व सूचना के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के महाकुंभ-2025 के आयोजन को लेकर सदन में दिए गए वक्तव्य को लेकर भी विपक्ष के नेताओं ने लोकसभा अध्यक्ष से हुई अपनी मुलाकात में नाराजगी के साथ अपनी चिंता जताई और कहा कि यह संसदीय नियम-कायदों का मजाक है।

खबर संक्षेप

ओडिशा विधानसभा में बवाल, कुर्सियां फेंकी

भुवनेश्वर। भुवनेश्वर में कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन ने हिंसक रूप ले लिया। महिलाओं के खिलाफ हो

रहे अत्याचार पर जांच कमेटी बनाने की मांग और कांग्रेस विधायकों के सदन से निलंबित किए जाने को लेकर हो रहा यह विरोध प्रदर्शन अचानक झड़प में बदल गया। रोड पर पड़ी कुर्सियों को पुलिसवालों पर फेंका।

एक्ट्रेस रन्या को झटका नहीं दी गई जमानत

बेंगलुरू। गोल्ड स्मगलिंग के आरोप में जेल में बंद कन्नड़

एक्ट्रेस रन्या राव को बड़ा झटका लगा है। 64वें सिटी सिविल और सेशंस कोर्ट ने उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी, जिससे उन्हें अभी जेल में ही रहना होगा। इससे पहले आर्थिक अपराधों के लिए स्पेशल कोर्ट ने भी उनकी जमानत याचिका को ठुकरा दिया था। निचली अदालतों से राहत न मिलने के बाद अब उनके पास केवल हाईकोर्ट का विकल्प बचा है, रन्या का कानूनी दल जल्द ही हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाने की तैयारी कर रहा है।

तमिलनाडु : वक्फ बिल के खिलाफ प्रस्ताव पास

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा ने केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ प्रस्ताव पारित कर दिया है। इस प्रस्ताव को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने पेश किया था। सीएम स्टालिन ने आरोप लगाया है कि इस बिल के कारण मुस्लिमों की भावनाएं आहत हो रही हैं।

पीएचडी छात्रा की मौत प्रोफेसर पर केस दर्ज

नई दिल्ली। पुलिस ने आईआईटी दिल्ली के प्रोफेसर के खिलाफ लापरवाही के आरोप में मामला दर्ज

किया है। यह मामला पिछले साल नवंबर में गुजरात के लोथल नामक पुरातात्विक स्थल के पास खुदाई के दौरान महिला पीएचडी छात्रा की मौत के संबंध में दर्ज किया गया है।

तीन दिनों तक होगा 750 जिलाध्यक्षों के साथ मंथन

जिलाध्यक्षों से कांग्रेस नेतृत्व का सीधा संवाद संगठन को नीचे से दुरुस्त करने की कवायद

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

देशभर में कांग्रेस पार्टी में प्राण फूंकने, काडरों को उत्साहित करने और निचले पायदान पर मेहनत करने वाले नेताओं, कार्यकर्ताओं को सीधे शीर्ष नेतृत्व से मुखातिब होने का अवसर देकर पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने नई शुरुआत की है। नव निर्मित कांग्रेस मुख्यालय इंदिरा भवन में देश भर के जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्षों के साथ तीन दिनों तक चलने वाले सांगठनिक मंथन में पार्टी के शीर्षस्थ नेता रूबरू हुए।

आज गुरुवार, शुक्रवार और फिर सोमवार को लगभग 750 जिलाध्यक्षों के साथ वृहत विमर्श, चर्चा एजेंडे में शुमार है। इसका उद्देश्य पार्टी संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करना और आगामी चुनावों के लिए रणनीति तैयार करना है। खड़गे और राहुल गांधी ने इस बैठक में स्पष्ट संदेश दिया कि कांग्रेस को अपनी पुरानी कमजोरियों आंतरिक कलह, केंद्रीकृत निर्णय प्रक्रिया, और कमजोर जमीनी संगठन को दूर करना होगा। खड़गे ने अनुशासन और जवाबदेही पर जोर दिया, जबकि राहुल ने विकेंद्रीकरण और नई रणनीति की वकालत की।

बयानबाजी बंद कर संगठन को करें मजबूत

इस अवसर पर पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि 2025 कांग्रेस के लिए संगठन सशक्तिकरण का वर्ष होगा। पार्टी को बूथ स्तर से लेकर शीर्ष तक मजबूत करने की जरूरत है। उन्होंने उदयपुर चिंतन शिविर (2022) में लिए गए निर्णयों को पूरी तरह लागू करने की प्रतिबद्धता दोहराई, जिसमें जिला इकाइयों को सशक्त करना और युवा नेतृत्व को बढ़ावा देना शामिल है। खड़गे ने कहा कि जिला कांग्रेस कमेटियां अब पार्टी का केंद्रीय बिंदु होंगी। उन्हें उम्मीदवार चयन, स्थानीय मुद्दों को उठाने, और संगठन को मजबूत करने में निर्णायक भूमिका दी जाएगी। उन्होंने जिलाध्यक्षों से जवाबदेही लेने और परिणाम देने की अपील की, ताकि पार्टी का आधार मजबूत हो सके। हाल की हार (हरियाणा और महाराष्ट्र) का जिक्र करते हुए खड़गे ने कहा कि पार्टी को पुराने तरीकों से सफलता नहीं मिलेगी। उन्होंने माइक्रो-कम्युनिकेशन रणनीति को बेहतर करने और विपक्षी प्रचार का जवाब देने के नए तरीके खोजने की बात कही। उन्होंने कहा, हमें अपनी कमियों को दूर करना होगा और आत्मविश्वास के साथ कठिन निर्णय लेने होंगे।

कांग्रेस में बड़े बदलाव होंगे, जिलाध्यक्षों की बड़ी होगी भूमिका: राहुल

राहुल गांधी ने लंबे समय से चली आ रही अपनी सुधारवादी सोच को दोहराया, जिसमें फैसले लेने की प्रक्रिया को केंद्रीय स्तर से हटाकर जिला स्तर तक ले जाना शामिल है। उन्होंने कहा, जिलाध्यक्षों को टिकट वितरण और मुद्दों के चयन में निर्णायक भूमिका मिलनी चाहिए। यह पार्टी की जड़ों को मजबूत करने का तरीका है। राहुल ने जिलाध्यक्षों से उनकी राय माँगी और स्थानीय इकाइयों को मजबूत करने के तरीकों पर सुझाव लिए। उनका मानना है कि जिला नेताओं की प्रतिक्रिया से ही राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी की कहानी तैयार होगी। हमें यह सुनिश्चित करना है कि हाईकमान को जिला इकाइयों से सीधे बात सुनने को मिले। यह प्रक्रिया अब व्यवस्थित होगी, उन्होंने कहा। राहुल ने खड़गे के अनुशासन और एकजुटता के आह्वान का समर्थन किया। एक हल्के-फुल्के अंदाज में उन्होंने कहा, खड़गे जी ने चाबुक चलाया है, जिससे बैठक में सकारात्मक माहौल बना। उन्होंने मतदाता सूची की जांच, प्रचार के नए तरीके, और सूचना के प्रसार पर ध्यान देने को कहा। राहुल ने संकेत दिया कि पार्टी में बड़े बदलाव होंगे। उन्होंने कहा कि पुराने ढर्रे को छोड़कर नई सोच अपनानी होगी और नेताओं की क्षमता की जाँच कर जिम्मेदारी तय की जाएगी। बैठक में खडगे और राहुल गांधी के अलावा एआईसीसी महासचिव, राज्य प्रभारियों की मौजूदगी रही।

> सुधारवादी सोच को दुहराया भूमिका दी जानी चाहिए

मुद्दों पर भाजपा को घेरें

खड़गे ने पार्टी नेताओं से एकजुट रहने और आपसी मतभेदों को सार्वजनिक न करने की अपील की। उन्होंने कहा, जब तक हम एकजुट होकर चुनाव नहीं लड़ेंगे और एक-दूसरे के खिलाफ बयानबाजी बंद नहीं करेंगे, हम अपने विरोधियों को राजनीतिक रूप से कैसे हरा सकते हैं? उन्होंने अनुशासन को पार्टी की ताकत बताया। कांग्रेस अध्यक्ष ने बेरोजगारी, महंगाई, आर्थिक असमानता, और जाति जनगणना जैसे मुद्दों को जनता के बीच उठाने की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने कहा कि ये मुद्दे देश में जल रहे हैं और कांग्रेस को इन्हें अपनी ताकत बनाना होगा।

सैलजा ने शेखावत को लिखा पत्र

सर्वे में 35 एकड़ भूमि निकली तो 85.5 एकड़ कैसे हो गई?

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

सांसद कुमारी सैलजा ने सिरसा थेहड़ (माउंड साइट) को लेकर केंद्रीय मंत्री पर्यटन और कला संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत को पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि इस थेहड़ के सही क्षेत्रफल के लिए फिर से सर्वे करवाया जाए। उन्होंने कहा है कि क्योंकि जिस क्षेत्र पर पुरातत्व विभाग दावा कर रहा था वह कब्जा मुक्त करवाकर पुरात्व विभाग को सौंप दिया गया है। इस भूमि का गलत आंकलन करने से थेहड़ के आसपास रह रहे लोगों पर बेघर होने की तलवार लटकी हुई है। साथ ही गलत रिपोर्ट देने वालों पर भी कार्रवाई की जाए ताकि उनकी गलती से लोगों को मानसिक परेशानी से जूझना न पड़े।

कुमारी सैलजा ने केंद्रीय मंत्री पर्यटन और कला संस्कृति मंत्री को लिखे पत्र में कहा है कि उनके संसदीय क्षेत्र के सिरसा नगर में प्राचीन थेहड़ है, जो पुरातत्व विभाग 85.5 एकड़ क्षेत्र पर दावा कर रहा है जो आधिकारिक राजपत्र अधिसूचना में अधिसूचित नहीं है, जिसके लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण संरक्षित स्मारक होने के नाते कथित अनधिकृत कब्जाधारियों को हटाने के लिए उच्च न्यायालय में संघर्ष कर रहा है। प्रारंभ में, साइट का कोई सीमांकन नहीं था और समय बीतने के बाद, जिला प्रशासन, सिरसा के माध्यम से सीमांकन करवाया गया, जिसके परिणामस्वरूप निष्कर्ष निकला और 85.5 का आंकड़ा बताया और तय किया गया। पहले हरियाणा राज्य सरकार ने उक्त साइट को डी-नोटिफाई किया था और जिसकी रिपोर्ट न्यायालय को सौंपी गई थी लेकिन दुर्भाग्य से इसे माननीय न्यायालय ने स्वीकार नहीं किया। राज्य सरकार द्वारा इसकी डी-नोटिफिकेशन से पहले, एक उचित प्रक्रिया अपनाई गई थी जिसमें कानूनी प्रक्रिया, विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट, जनता की मंशा आदि को ध्यान में रखते हुए इसे गैर-अधिसूचित करने का निर्णय लिया गया। अब भी वही स्थिति है।

अब तय नहीं हो पाया- भूमि किसकी ?

सैलजा ने कहा कि थेहड़ की भूमि को लेकर आज तक तय नहीं हो पाया कि उसकी कितनी भूमि है। 2009 में इस भूमि का सही क्षेत्रफल जानने के लिए सर्वे करवाने को लेकर एक टीम का गठन प्रशासन की ओर से किया गया, जिसमें पुरातत्व विभाग की ओर से अजायब सिंह, राजस्व विभाग की ओर से पटवारी, नायब तहसीलदार, तहसीलदार आदि शामिल थे। टीम ने एक संयुक्त रिपोर्ट उपायुक्त सिरसा को सौंपी जिसमें रिपोर्ट निशानदेही, सर्वे सूची, नजरिया नक्शा और सर्वे नक्शा संलग्न किया गया था। जिस पुरातत्व विभाग की 35 एकड़ भूमि बताई गई जिसे 2017 में खाली करवा लिया गया अब शेखावत की ओर से दिए गए जवाब में कुल भूमि 85.5 एकड़ बताई जा रही है।

कांग्रेस और टीएमसी ने उठाया हाईकोर्ट के जज के घर पर मिली नकदी का मुद्दा

लोकसभा में कालेधन के मामले में ईडी की भाजपा को क्लीन चिट पर कांग्रेस का हंगामा, किए सवाल

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

केरल में कालेधन से जुड़े हुए 2021 के एक मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा भाजपा को दी गई क्लीन चिट के मामले की गूंज गुरुवार को लोकसभा में सुनाई दी। शून्यकाल में पार्टी के वरिष्ठ सांसद के.सुरेश ने इस विषय को उठाते हुए केंद्रीय जांच एजेंसी और भाजपा की सरकार की नीयत पर गंभीर सवालिया निशान लगाए। उन्होंने कहा कि ईडी केवल विपक्ष और उसके नेताओं के खिलाफ ही कार्रवाई करती है। जबकि मामले में उसने केंद्र की सत्ताधारी पार्टी के नेताओं को बचाया है। जिससे उसकी निष्पक्षता और विश्वसनीयता समाप्त हो गई है। सुरेश ने कहा कि ईडी एक प्रकार से भाजपा की ढाल बन

गई है। कांग्रेस नेता के बयान के तुरंत बाद पार्टी के तमाम सांसदों ने स्पीकर के आसन के समीप आकर हंगामा किया। इस दौरान वह बीजेपी शेम-शेम, तानाशाही नहीं चलेगी-नहीं चलेगी, ईडी-बीजेपी भाई-भाई, ईडी का दुरुपयोग बंद करो के नारे लगा रहे थे। कुछ देर के हंगामे के बाद कांग्रेस के सांसद सदन से बाहर चले गए।

जज के घर मिली नकदी कानून मंत्री बयान दें

वहीं, शून्यकाल में ही कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी और तृणमूल कांग्रेस के कल्याण बनर्जी ने सदन में दिल्ली हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा के घर पर मिली नकदी का मामला उठाते हुए कानून मंत्री से लोकसभा में एक विस्तृत बयान देने की मांग की। मनीष ने कहा कि संसद की जिम्मेदारी बनती है कि वह न्यायपालिका से जुड़े किसी मामले की निगरानी कर सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने मामले पर जांच बिठाई है। लेकिन कानून मंत्री को इस विषय पर सदन में आकर जानकारी देनी चाहिए। तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी ने कहा कि मामले से जुड़े जज को इलाहाबाद हाईकोर्ट ट्रांसफर करना ठीक नहीं है। क्योंकि इलाहाबाद और कोलकाता हाईकोर्ट कोई डंपिंग ग्राउंड नहीं है कि जहां पर भ्रष्ट जजों को भेज दिया जाए।

विवाद के बीच करणी सेना ने किया बड़ा ऐलान

सांगा के अपमान पर उदयपुर में विरोध, ज्ञापन

सपा सांसद की जुबान काटने वाले को देंगे 5.51 लाख रु. का इनाम

एजेंसी ▶▶ उदयपुर

उत्तर प्रदेश के सपा सांसद रामजी लाल के महाराणा सांगा पर दिए गए बयान के बाद से राजस्थान समेत देश भर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। गुरुवार को करणी सेना के अर्जुन सिंह चुंडावत के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने उदयपुर में कलेक्ट्रेट के बाहर प्रदर्शन किया। इस दौरान राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन भी सौंपा गया। विरोध प्रदर्शन कर रहे करणी सेना के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने सांसद रामजी लाल के बयान को गलत बताया और उन पर कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शन के दौरान अर्जुन सिंह चुंडावत ने एक बड़ा एलान भी किया। उन्होंने कहा कि जो भी सांसद रामजी लाल की जुबान काटकर लाएगा, उसे 5.51 लाख रुपये इनाम दिया जाएगा।

सम्मान से समझौता स्वीकार्य नहीं

उन्होंने कहा कि अगर सुमन ने शब्द वापस नहीं लिए और सार्वजनिक रूप से माफी नहीं मांगी तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। चुंडावत ने कहा कि महाराणा सांगा न केवल मेवाड़ बल्कि पूरे भारत के गौरव हैं, उनके सम्मान से कोई भी समझौता नहीं किया जाएगा। इतिहास से अनजान लोगों को इस तरह की टिप्पणियां करने से पहले सोचना चाहिए।

कॉमेडियन कामरा पर भड़के महाराष्ट्र सरकार के मंत्री

अब कुणाल को प्रसाद देने का वक्त आ गया और पानी सिर के ऊपर चला गया

मंत्री शंभूराज देसाई बोले- आपत्तिजनक शब्दों पर मिले सजा

एजेंसी ▶▶ मुंबई

स्टैंडअप कॉमेडियन कुणाल कामरा के कॉमेडी वीडियो को लेकर महाराष्ट्र में बवाल मचा हुआ है। इसे लेकर मुख्यमंत्री व मंत्री के बयान

सामने आ रहे हैं। पिछले दिनों मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस ने कामरा पर कार्रवाई की बात कही तो अब शिंदे गुट के मंत्री शंभूराज देसाई ने कैमरे पर ही कुणाल कामरा को पीटने की बात कह दी है। बीते दिनों कामरा ने निर्मला सीतारमण पर भी एक कॉमेडी वीडियो बनाई थी, जिस वीडियो को देखकर देसाई भड़क उठे हैं और कहा कि कामरा ने मर्यादा लांघ दी है। पानी सिर से ऊपर चला गया है। अब उसे प्रसाद(पीटने) देने का समय आ गया है।

वह जान-बूझकर हर दिन नया वीडियो जारी कर रहा

कामरा जानबूझकर बार-बार लगातार ऐसी हरकतें कर रहा है। कामरा ने शिंदे, प्रधानमंत्री, सुप्रीम कोर्ट और अब निर्मला सीतारमण के खिलाफ आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग किया। अब कामरा को शिवसेना स्टाइल में शिवसैनिकों का प्रसाद देने का समय आ गया है। शिंदे पर कामरा द्वारा की गई टिप्पणी पर शिवसेना के कार्यकर्ता काफी गुस्सा में हैं। हर रोज कोई न कोई विरोध प्रदर्शन देखने को मिल रहा है। कुणाल मान नहीं रहा है। अब वह जान-बूझकर हर दिन नया वीडियो जारी कर रहा है।

दलहन में आत्मनिर्भरता हमारा संकल्प, अब आ रही तेजी

आंध्र प्रदेश, गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र और तेलंगाना में नैफेड और एनसीसीएफ के माध्यम से एमएसपी पर खरीद जारी: केंद्रीय कृषि मंत्री

किसानों से उनकी न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी जा रही उपज: शिवराज सिंह

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के कहा है कि किसानों से उनकी उपज न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी का कार्य भी किया जा रहा है। उन्होंने मीडिया से कहा कि दलहन में आत्मनिर्भरता हमारा संकल्प है और इस तारतम्य में प्रमुख तुअर उत्पादक राज्यों में तुअर की खरीद की जा रही है जिसमें तेजी आई है। दालों के घरेलू उत्पादन को बढ़ाने, किसानों को प्रोत्साहित करने और आयात पर निर्भरता कम करने के लिए सरकार ने खरीद वर्ष 2024-25 के लिए राज्य के उत्पादन के 100% मूल्य समर्थन योजना (पीएसएस) के तहत तुअर, उड़द और मसूर की खरीद को मंजूरी दी है। चौहान ने बताया कि कि देश में दालों में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए 2028-29 तक अगले चार वर्षों के लिए राज्य के उत्पादन का 100 प्रतिशत तुअर (अरहर), उड़द और मसूर की खरीद की जाएगी। खरीफ 2024-25 सीजन के दौरान मूल्य समर्थन योजना के अंतर्गत आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, हरियाणा, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, तेलंगाना और उत्तर प्रदेश राज्यों में तुअर (अरहर) की खरीद को मंजूरी दी है। इसके साथ ही किसानों के हित में कर्नाटक में खरीद अवधि को 90 दिनों से आगे 30 दिन बढ़ाकर 1 मई तक करने को भी मंजूरी दी है। उन्होंने

बताया कि आंध्र प्रदेश, गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र और तेलंगाना में नैफेड और एनसीसीएफ के माध्यम से एमएसपी पर खरीद जारी है और 25 मार्च 2025 तक इन राज्यों में कुल 2.46 लाख मीट्रिक टन तुअर (अरहर) की खरीद की गई है जिससे इन राज्यों के 1,71,569 किसान लाभान्वित हुए हैं। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में तुअर की कीमत वर्तमान में एमएसपी से ऊपर चल रही है। चौहान ने बताया कि भारत सरकार केंद्रीय नोडल एजेंसियों के माध्यम से किसानों से 100 प्रतिशत तुअर की खरीद के लिए प्रतिबद्ध है। इसी तरह, आरएमएस 2025 के दौरान चना, सरसों और मसूर की खरीद को मंजूरी दी गई है। पीएम-आशा योजना को 2025-26 तक बढ़ाया गया है। इसके तहत किसानों से एमएसपी पर दालों और तिलहनों की खरीद जारी रहेगी। आरएमएस 2025 के लिए चने की कुल स्वीकृत मात्रा 27.99 लाख मीट्रिक टन और सरसों की 28.28 लाख मीट्रिक टन है। प्रमुख राज्यों में राजस्थान, मध्य प्रदेश और गुजरात शामिल हैं। मसूर की कुल स्वीकृत मात्रा 9.40 लाख मीट्रिक टन है।

खबर संक्षेप

डेटा साइंस में कौशल बढ़ाने पर पेशेवरों को मिला 80% अधिक वेतन

नई दिल्ली। उच्च शिक्षा और प्रोफेशनल प्रशिक्षण में वैश्विक अग्रणी, ग्रेट लर्निंग ने अपनी करियर प्रगति रिपोर्ट 2024-25 जारी की है, जिसमें करियर के विकास पर कौशल विकास के दीर्घकालिक प्रभाव का गहन विश्लेषण किया गया है। रिपोर्ट ग्रेट लर्निंग के एआई, डेटा साइंस और मशीन लर्निंग प्रोग्राम से यादृच्छिक रूप से चयनित 1,000 पूर्व छात्रों के व्यापक सर्वेक्षण से निष्कर्ष खींचती है, जिसमें प्रारंभिक करियर से लेकर वरिष्ठ पेशेवरों तक विभिन्न करियर चरणों में प्रोफेशनल्स को शामिल किया गया है। जिससे प्रोफेशनल्स को लीडरशिप की भूमिका, वेतन वृद्धि और अधिक रोजगार के अवसर प्राप्त करने में मदद मिलती है। 80% प्रोफेशनल एआई/एमएल और डेटा साइंस कोर्सों में अपस्किलिंग के बाद एक सकारात्मक करियर बदलाव का अनुभव करते हैं। रिपोर्ट में सभी स्तरों पर पेशेवरों के करियर को आगे बढ़ाने पर अपस्किलिंग के प्रभाव को पुष्ट किया गया है, जिसमें 80% ने एआई/एमएल और डेटा साइंस जैसे उच्च-मूल्य वाले डोमेन में अपस्किलिंग के बाद समय के साथ पदोन्नति, वेतन वृद्धि या सफल कैरियर परिवर्तन सहित सकारात्मक करियर बदलाव प्राप्त किए हैं।

सोना 365 रुपये बढ़कर 91,050 के स्तर पर, चांदी में भी तेजी

नई दिल्ली। मजबूत वैश्विक रुख के बीच राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के सर्राफा बाजार में बृहस्पतिवार को सोने की कीमत 365 रुपये बढ़कर 91,050 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने यह जानकारी दी। इसका पिछला बंद भाव 90,235 रुपये प्रति 10 ग्राम था। चांदी की कीमतें भी 200 रुपये बढ़कर 1,01,700 रुपये प्रति किलोग्राम हो गईं। यह 1,01,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। बाजारों में हाजिर सोना 34.77 डॉलर बढ़कर 3,054.05 डॉलर प्रति औंस के रिकॉर्ड उच्चस्तर के करीब पहुंच गया।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

रोशनी नाडर बनी दुनिया की पांचवीं सबसे अमीर महिला, मुकेश अंबानी बाहर

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

बिजनेस की दुनिया में बड़ा फेरबदल देखने को मिला है। देश की सबसे मूल्यवान कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी अब दुनिया के टॉप 10 सबसे अमीर लोगों में नहीं रहे। उनकी नेटवर्थ में पिछले साल के मुकाबले 1 लाख करोड़ रुपये की कमी आई है। आईटी कंपनी एचसीएल की रोशनी नाडर दुनिया की पांचवीं सबसे अमीर महिला बन गई।

■ पिछले एक साल में अंबानी की नेटवर्थ 1 लाख करोड़ रुपए घटी

ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि मुकेश अंबानी पर कर्ज बढ़ गया है। यह जानकारी हरुन ग्लोबल रिच लिस्ट 2025 में दी गई। टेस्ला के सीईओ एलन मस्क दुनिया के सबसे अमीर आदमी बन गए हैं। उनकी संपत्ति में 82 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। अब उनके पास कुल 420 बिलियन डॉलर की संपत्ति है। इस बीच आईटी कंपनी एचसीएल की रोशनी नादर दुनिया की पांचवीं सबसे अमीर महिला बन गई हैं। उनके पास 3.5 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति है।

हुरुन ग्लोबल रिच लिस्ट के टॉप दस से अंबानी हुए बाहर

दिलीप सांघवी चौथे स्थान पर आए

सन फार्मा के दिलीप सांघवी की संपत्ति में 21 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। अब उनके पास 2.5 लाख करोड़ रुपए हैं और वह इस लिस्ट में चौथे स्थान पर आ गए हैं। विप्रो के अजीम प्रेमजी 2.2 लाख करोड़ रुपए के साथ पांचवें, कुमार मंगलम बिड़ला 2 लाख करोड़ रुपए के साथ छठे नंबर पर हैं। साइरस पूनावाला 2 लाख करोड़ रुपए की नेटवर्थ के साथ संयुक्त छठे नंबर पर हैं। पिछले एक साल में उनकी नेटवर्थ में 8 फीसदी गिरावट आई है।

अंबानी अभी भी भारत व एशिया के सबसे अमीर आदमी : रोशनी नाडर पहली भारतीय महिला हैं जो दुनिया की टॉप 10 महिलाओं में शामिल हुई हैं। उनके पिता शिव नाडर ने एचसीएल में अपनी 47 प्रतिशत हिस्सेदारी उन्हें दे दी है। मुकेश अंबानी अभी भी भारत और एशिया के सबसे अमीर आदमी हैं। अंबानी परिवार के पास 8.6 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति है। हालांकि पिछले साल के मुकाबले उनकी संपत्ति में करीब 13 फीसदी यानी 1 लाख करोड़ रुपए की कमी आई है।

सबसे अधिक पांच अरबपति मुंबई से : बजाज ऑटो वाले नीरज बजाज 1.6 लाख करोड़ रुपए के साथ आठवें नंबर पर हैं जबकि रवि जयपुरिया और राधाकिशन दमानी 1.4 लाख करोड़ रुपए के साथ संयुक्त रूप से नौवें नंबर पर हैं। मुंबई में सबसे ज्यादा अरबपति हैं। टॉप 10 में से पांच अरबपति मुंबई से हैं। नई दिल्ली में दो अरबपति हैं। बेंगलुरु,अहमदाबाद और पुणे में एक-एक अरबपति हैं।

गौतम अदाणी सूची में दूसरे स्थान पर

गौतम अदाणी और उनके परिवार की संपत्ति में 13 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। पिछले एक साल में उनकी नेटवर्थ में 1 लाख करोड़ रुपए की तेजी आई है। वह 8.4 लाख करोड़ रुपए की नेटवर्थ के साथ भारतीय अमीरों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर हैं। रोशनी नादर और उनका परिवार इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर है। उन्हें पहली बार इस लिस्ट में जगह मिली है।

व्हाइट हाउस का दावा, इससे घरेलू विनिर्माण बढ़ेगा

ट्रंप की आयातित वाहनों व घटकों पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा, अप्रैल से होगा लागू

एजेंसी ▸▸| वाशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि वह आयातित वाहनों व घटकों पर 25 प्रतिशत शुल्क लगा रहे हैं। व्हाइट हाउस का दावा है कि इससे घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा मिलेगा, लेकिन वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं पर निर्भर वाहन विनिर्माताओं पर वित्तीय दबाव भी पड़ सकता है।

ट्रंप ने पत्रकारों से कहा, ''इससे वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा। हम प्रभावी रूप से 25 प्रतिशत शुल्क लगाएंगे। शुल्क से व्हाइट हाउस को सालाना 100 अरब अमेरिकी डॉलर का राजस्व मिलने की उम्मीद है। हालांकि यह आसान नहीं होगा क्योंकि अमेरिकी वाहन विनिर्माता भी अपने कई कलपुर्जे व घटक दुनिया भर से खरीदते हैं।

आपूर्ति श्रृंखला समाप्त हो जाएगी

अप्रैल से शुरू होने वाली कर वृद्धि का मतलब है कि वाहन विनिर्माताओं को उच्च लागत और कम बिक्री का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि, ट्रंप का तर्क है कि शुल्क के कारण अमेरिका में और अधिक कारखाने खुलेंगे तथा वह ''बेकार'' आपूर्ति श्रृंखला समाप्त हो जाएगी, जिसके माध्यम से अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको में वाहन कलपुर्जों और तैयार वाहनों का विनिर्माण किया जाता है।

शुल्क तीन अप्रैल से वसूला जाएगा

ट्रंप ने अपने द्वारा हस्ताक्षरित शुल्क निर्देश के प्रति अपनी गंभीरता को रेखांकित करते हुए कहा, ''यह स्थायी (फैसला) है।'' राष्ट्रपति ने कहा कि वाहनों पर शुल्क तीन अप्रैल से वसूला जाना शुरू किया जाएगा।

वैश्विक नेताओं ने शुल्क की आलोचना की

वैश्विक नेताओं ने शुल्क की आलोचना करने में देर नहीं लगाई जो इस बात का संकेत है कि ट्रंप व्यापक व्यापार युद्ध को तेज कर सकते हैं जिससे दुनिया भर में वृद्धि को नुकसान पहुंच सकता है। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा, ''यह स्पष्ट रूप से प्रत्यक्ष हमला है। हम अपने कर्मचारियों की रक्षा करेंगे। हम अपनी कंपनियों की रक्षा करेंगे। हम अपने देश की रक्षा करेंगे।''

यूरोपीय आयोग ने जताया खेद : ब्रसेल्स में, यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने यूरोप से वाहन निर्यात को लक्षित करने के अमेरिकी निर्णय पर खेद व्यक्त किया और यूरोपीय आयोग उपभोक्ताओं तथा व्यवसायों की रक्षा करने का संकल्प किया। 'शुल्क कर ...व्यवसायों के लिए बुरे, अमेरिका और यूरोपीय संघ में उपभोक्ताओं के लिए समान रूप से बदतर।'

■ वाहन विनिर्माताओं पर वित्तीय दबाव भी पड़ सकता है
■ सालाना 100 अरब डॉलर का राजस्व मिलने की उम्मीद
■ अमेरिकी वाहन विनिर्माता भी दुनिया भर से खरीदते है कलपुर्जे

कनाडा.के पीएम कार्नी ने कदम को अनुचित बताया

कार्नी ने कहा कि उन्हें जवाबी कार्रवाई करने से पहले ट्रंप के कार्यकारी आदेश का विवरण देखना होगा। उन्होंने इस कदम को अनुचित बताया और कहा कि वह चुनाव अभियान छोड़कर बृहस्पतिवार को ओटावा जाएंगे तथा अमेरिकी संबंधों पर अपने मंत्रिमंडल की विशेष समिति की अध्यक्षता करेंगे।

जनरल मोटर्स के शेयर में तीन फीसदी की गिरावट

इस बीच, बुधवार को कारोबार में जनरल मोटर्स के शेयर में करीब तीन प्रतिशत की गिरावट आई। फोर्ड के शेयर में मामूली बढ़त दर्ज की गई। जीप तथा क्रिसलर का स्वामित्व रखने वाली स्टेलेंटिस के शेयर में भी करीब 3.6 प्रतिशत की गिरावट आई।

वाहनों की कीमतों में होगी वृद्धि

पीटरसन इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल इकोनॉमिक्स की वरिष्ठ 'फेलो' अर्थशास्त्री मैरी लवली ने कहा, '' हम वाहनों की कीमतों में काफी वृद्धि देख रहे हैं। उन्होंने कहा, '' हमें कम विकल्प देखने को मिलेंगे। इस तरह के वाहनों का बोझ मध्यम और कामकाजी वर्ग

कार्यालय स्थल पट्टा मांग 15 फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली। देश के सात प्रमुख शहरों में जनवरी-मार्च में कार्यालय स्थल की सकल पट्टा मांग वार्षिक आधार पर 15 प्रतिशत बढ़कर 159 लाख वर्ग फुट हो गए। एक साल पहले समान अवधि में यह 138 लाख वर्ग फुट रही थी। रियल एस्टेट सलाहकार कोलियर्स इंडिया ने गुरुवार को भारत के कार्यालय बाजार के आंकड़े जारी किए। आंकड़ों के अनुसार, चालू तिमाही (जनवरी-मार्च) में बेंगलुरू में कार्यालय स्थल की सकल पट्टा मांग सालाना आधार पर 13 प्रतिशत बढ़कर 45 लाख वर्ग फुट, चेन्नई में 93 प्रतिशत बढ़कर 29 लाख वर्ग फुट, दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में 32 प्रतिशत बढ़कर 33 लाख वर्ग फुट, मुंबई में 16 प्रतिशत बढ़कर 22 लाख वर्ग फुट और पुणे में 50 प्रतिशत बढ़कर 12 लाख वर्ग फुट हो गई। हालांकि हैदराबाद और कोलकाता में कार्यालय स्थल सकल पट्टा मांग में गिरावट दर्ज की गई।

SUMMONS

IN THE COURT OF DISTRICT JUDGE-7 [SHRI N.S. MOMIN] AT AURANGABAD
M.A.C.P. NO.492/2024 EXH.NO.
CLAIMANTS: Savita Misal & others Vs. Khurshid Khan & others
TO, **Resp. No.2) Secure Vintage Logistics Pvt. Ltd., First Floor, House No.2, Naharpur, Gurgaon 122 001 [Haryana State]**
Whereas the above named Claimant has made an Application **Through, Adv. G.I. Bagal** into this Court that as per copy of Exh. No.1 [alongwith documents] enclosed herewith.
You are hereby warned to appear in this Court in person or by a Pleader duly instructed on date 17/04/2025 at 11:00 O'clock in the forenoon to show cause against the application, failing wherein the said application will be heard and determined exparte.
Also take notice that, in-default of your filing an address for service of notice on or before the date mentioned, you are liable to have your defense struck out.
Give under my hand and seal of the Court as 25th day of March, 2025.
// BY ORDER //
SEAL **Superintendent District & Sessions Court, Aurangabad**

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 BNSS देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **नरेश प्रसाद पुत्र श्री सुखपाल प्रसाद उर्फ शुखिया निवासी बी–367, गली नंबर 9, लखपत कॉलोनी पार्ट–1, मीठापुर एक्सटेंशन, नई दिल्ली** एवं स्थायी पता– **ग्राम सुंदरपुर, पोस्ट बगमझौवा, थाना कोईलवर, आरा भोजपुर, बिहार** ने **FIR No. 282/2024, U/S 302/201/120B/34 IPC,** अन्तर्गत **थाना जैतपुर, नई दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **नरेश प्रसाद**, मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **नरेश प्रसाद**, फरार हो गया है (या उक्त वारंट के तामील से बचने के लिये अपने आपको छिपा रहा है)।

अतः इसके द्वारा उदघोषणा की जाती है कि **FIR No. 282/2024, U/S 302/201/120B/34 IPC,** अन्तर्गत **थाना जैतपुर, नई दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **नरेश प्रसाद**, से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **28.04.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार,
सुश्री छवि बंसल
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–11
दक्षिण पूर्वी, कोर्ट रूम नंबर 9, मुख्य भवन
साकेत कोर्ट, नई दिल्ली
DP/3881/SE/2025 (Court Matter)

विदेशी निवेशकों की खरीदारी जारी, सेंसेक्स 318 अंक चढ़ा

एजेंसी ▸▸| मुंबई

स्थानीय शेयर बाजार में गुरुवार को तेजी लौटी और बीएसई सेंसेक्स 318 अंक के लाभ में रहा। विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार लिवाली और रिलायंस इंडस्ट्रीज, एलएंडटी तथा बजाज फाइनेंस जैसी प्रमुख कंपनियों के शेयरों में खरीदारी से तेजी को समर्थन मिला। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शुल्क को लेकर अनिश्चितताओं के बीच वाहन कंपनियों के शेयरों में बिकवाली और औषधि कंपनियों के शेयरों में नरम रुख से शेयर बाजारों में तेजी सीमित रही। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 317.93 अंक चढ़कर 77,606.43 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, एक समय यह 458.96 अंक तक चढ़ गया था। निफ्टी भी 105.10 अंक की बढ़त के साथ 23,591.95 अंक पर बंद हुआ।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने शुरू की पीएम-विद्यालक्ष्मी योजना

नई दिल्ली। बैंक ऑफ बड़ौदा ने मेधावी छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री विद्यालक्ष्मी (पीएम-विद्यालक्ष्मी) योजना शुरू करने की बृहस्पतिवार को घोषणा की। पीएम-विद्यालक्ष्मी योजना उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए वित्तीय सहायता चाहने वाले छात्रों के लिए केंद्र सरकार की एक पहल है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि वित्तीय बाधाएं भारत के युवाओं को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा प्राप्त करने से वंचित न करें। आवेदक पीएम-विद्यालक्ष्मी मंच के माध्यम से बैंक ऑफ बड़ौदा से पीएम-विद्यालक्ष्मी योजना के तहत शिक्षा ऋण के लिए डिजिटल रूप से आवेदन कर सकते हैं।

हरियाणा सरकार — निविदा सूचना

क्र. सं.	बोर्ड/निगम/प्राधि. का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि बंद होने की तिथि (समय)	राशि/ईएमडी (लगभग) रु.में	बोर्ड/निगम/प्राधि. की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ ई-मेल
1	महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक	एमडीयू रोहतक के हैप्पीनेंस पार्क में रास्ते पर प्रीकास्ट चैकर्ड टाइल्स का प्रावधान और फिक्सिंग तथा गजेबो को रास्ते से कनेक्शन और सीटिंग प्रबंधन का निर्माण + 1 कार्य।	25.03.2025 16.04.2025	16.45 लाख	https://mdurohtak. https://works.haryana.gov.in & etenders.hry.nic.in	9991366698 xen.civil@mdurohtak.ac.in

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें : www.haryanaeprocurement.gov.in or www.etenders.hry.nic.in
संवाद-13/2025/40/33355/I/88/7 दि. 27.03.25

हरियाणा सरकार — निविदा सूचना

क्र. सं.	बोर्ड/निगम/प्राधि. का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि बंद होने की तिथि (समय)	राशि/ईएमडी (लगभग) रु.में	बोर्ड/निगम/प्राधि. की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ ई-मेल
1	हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद	जीएसएसएस धांधलान, जीएसएसएसएस भम्भेवा जीएसएसएस गौरिया और जीएसएसएस डीघल ब्लॉक बेरी, जिला झज्जर प्रत्येक में फिजिक्स, कैमिस्ट्री और बायोलॉजी के निर्माण हेतु डीएनआईटी + 12 कार्य।	20.03.2025 02.04.2025	11.34 करोड़	www.hsspp.in	9041397095 [illegible]

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें : www.haryanaeprocurement.gov.in or www.etenders.hry.nic.in
संवाद-13/2025/40/33363/I/88/7 दि. 27.03.25

आईसीएफएआई इनक्यूबेटर एवं टी-हब ने नवाचार और उद्यमिता को मजबूत करने के लिए रणनीतिक साझेदारी की

हैदराबाद। आईसीएफएआई इनक्यूबेटर एवं टी-हब फाउंडेशन ने आईसीएफएआई हैदराबाद परिसर में एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस सहयोग का उद्देश्य एक मजबूत नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देना है, जो पूरे भारत में प्रौद्योगिकी-संचालित छात्र स्टार्टअप और उद्यमियों का समर्थन करता है। टी-हब के सीआईओ सुजीत जागीरदार एवं आईसीएफएआई फाउंडेशन फॉर हायर एजुकेशन के कुलपति डॉ (प्रो.) एल.एस. गणेश ने गणमान्य व्यक्तियों, संकाय और छात्र उद्यमियों की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान किया। इस अवसर पर बोलते हुए, डॉ.एल.एस.गणेश ने युवा उद्यमियों को सशक्त बनाने में उद्योग-अकादमिक साझेदारी के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने आगे कहा, ''आईसीएफएआई में, हम एक ऐसा माहौल बनाने में विश्वास करते हैं, जहाँ छात्र और शोधकर्ता अपने विचारों को वृहद व्यवसायों में बदल सकें। यह साझेदारी आईसीएफएआई समूह की अखिल भारतीय उपस्थिति और उद्यमिता के क्षेत्र में टी-हब के समृद्ध अनुभव के साथ इसके अत्यधिक प्रशंसित संकाय की विशेषज्ञता का उपयोग करेगी, ताकि एक मजबूत नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा दिया जा सके, प्रौद्योगिकी-संचालित स्टार्टअप और उद्यमियों को फंडिंग, मेंटरशिप और बाजार तक पहुँच के अवसरों का समर्थन किया जा सके।

बीएलएस इंटरनेशनल ने स्पेन में भारतीय दूतावास के साथ अनुबंध पर किए हस्ताक्षर

नई दिल्ली। सरकारों एवं नागरिकों के लिए एक भरोसेमंद ग्लोबल टेक-इनेबल्ड सर्विसेज पार्टनर और वीजा प्रोसेसिंग एवं वाणिज्य दूतावास सेवाओं में वैश्विक स्तर पर अव्वल कंपनी बीएलएस इंटरनेशनल ने स्पेन के मैड्रिड, बार्सिलोना और टेनेरिफ में तीन नए भारतीय वाणिज्य दूतावास आवेदन केंद्रों के उद्घाटन की घोषणा की है. यह विस्तार बीएलएस इंटरनेशनल द्वारा विश्व-स्तरीय वाणिज्य दूतावास सेवाओं को स्पेन में भारतीय प्रवासी समुदाय व अन्य आवेदकों तक पहुंचाने के मिशन का महत्वपूर्ण पड़ाव है.नए शुरू किए गए केंद्र पासपोर्ट सेवाएं, ओसीआई (ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया) कार्ड, वीजा आवेदन और वाणिज्य दूतावास की विभिन्न सेवाओं सहित व्यापक सेवाएं प्रदान करेंगे. इनके अलावा इन केंद्रों पर लोग जीईपी (ग्लोबल एंट्री प्रोग्राम) सत्यापन, पुलिस मंजूरी प्रमाणपत्र (पीसीसी), भारतीय नागरिकता छोड़ने के लिए सरेंडर सर्टिफिकेट और विविध सत्यापन सेवाओं का भी लाभ उठा सकते हैं।

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ मंडल अभियंता/समन्वय, मंडल रेल प्रबन्धक कार्यालय उत्तर रेलवे, नई दिल्ली द्वारा निम्न कार्य के लिए ई–निविदाएं आमन्त्रित की जाती है:–

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	धरोहर राशि	समापन अवधि	निविदा खुलने की तिथि
1.	दिल्ली डिवीजन में मंडल अभियन्ता/ट्रैक के तहत व्हील बर्नस्कैब्स की/मरम्मत और क्यूप्ड वेल्डेड जोड़ों की मरम्मत।	रु. 77,59,500/-	रु. 1,55,200/-	12 माह	22.04.2025

सूचनाः निविदा रेलवे की वेबसाइट **'www.ireps.gov.in'** पर उपलब्ध है तथा इसी वेबसाइट पर **22.04.2025, 15:00 बजे तक** ही भरी जायेगी।
पत्र सं.: 128–डब्ल्यु/वं.मं.अधि./सं/निविदा–35–24–25–डब्ल्युसी दिनांकः 27.03.2025 **954/2025**
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

राशिफल

मेष — वाणी में कठोरता के भाव रहेगा, संचित धन में कमी आ सकती है। प्रतियोगी परीक्षा व साक्षात्कार आदि कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे।

वृष — धैर्यशीलता में कमी आ सकती है, अपनी भावनाओं को वश में रखें। पारिवारिक जम्मिदारियां बढ़ सकती हैं। नौकरी में तरक्की के योग बन रहे हैं।

मिथुन — माता से धन की प्राप्ती हो सकती है। कला व संगीत के प्रति रुझान बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में परश्रिम की अधिकता रहेगी, आय में वृद्धि होगी।

कर्क — आत्मवश्विास में वृद्धि होगी, कुटुंब परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। उच्च शक्षिा एवं शोध आदि कार्यों के लिए विदेश प्रवास की संभावना बन रही है।

सिंह — पठन–पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे, संतान सुख में वृद्धि होगी। आय में कमी व खर्चों में वृद्धि की स्थिति हो सकती है।

कन्या — स्वभाव में चिड़चिड़ापन हो सकता है, परंतु आत्मवश्विास में वृद्धि होगी। कार्यों के प्रति जोश व उत्साह रहेगा।पारिवारिक जम्मिदारियां बढ़ सकती हैं।

तुला — वाणी में कठोरता का भाव रहेगा, बातचीत में संयत रहें। वस्त्रों आदि की ओर रुझान बढ़ेगा। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृश्चिक — शैक्षिक व बौद्धिक कार्यों से यश व मान–सम्मान में वृद्धि होगी। जीवन साथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी।

धनु — कार्यक्षेत्र में परश्रिम की अधिकता रहेगी, संतान को कष्ट रहेगा। आत्मवश्विास में वृद्धि होगी। कला व संगीत के प्रति रूझान बढ़ेगा।

मकर — कार्यक्षेत्र में परिवर्तन संभव है, संतान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है। वस्त्रों व गहनों के प्रति रूझान रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

कुंभ — कुटुंब की किसी महिला से धन प्राप्ती के योग बन रहे हैं, भाइयों के साथ मनमुटाव हो सकता है। बातचीत में संयत रहें, वाणी में कठोरता के भाव रहेंगे।

मीन — दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी, किसी मत्रि के सहयोग से रोजगार के अवसर मिल सकते हैं। परिवार में मान–सम्मान बढ़ेगा।

शब्द पहेली - 5818

बाएँ से दाएँ
1.नियंत्रण,घोड़े की रास–3
4.पानी से सराबोर–5
8.अंधकार–3
9.आक्रमण–3
10.दम, सुट्टा–2
12.समय, वक्त–2
13.कहानी लेखक–5
16.अपराधी, गुंडा–4
17.आलोकित होना–4
18.उद्देश्य, मंजिल–2
19.छाती, सिलना–2
20.जागरण–4
23.सफल, उत्तीर्ण–4
25.पत्नी का नाना–2,3
28.मार्ग, रास्ता–2
29.जरा, थोड़ा–2
31.वैमनस्य–3
33.पाजेब–3
35.जरुरतमंद–3,2
36.गदर, क्रांति–3

ऊपर से नीचे
1.उत्साह–3
2.वोट,राय–2
3.हथियार, गोला–बारूद–4
4.सनसनी, रोमांच–4
5.एक विदेशी शराब–2
6.आफत, मुसीबत–2
7.उपपत्नी–3
11.बलिदानी–3
12.कार्य करने वाला–3
13.सिगरेट का सुट्टा मारना–2,3
14.पानी, जल–2
15.निर्माण करने वाला–5
21.प्रकार–3
22.उम्मीद, आशा–2
24.भिखारी–3
26.ख्यात,प्रसिद्ध–4
27.मदिरापान–4
28.मदद,आराम–3
30.इससे कच्ची शराब बनती है–3
31.उस समय–2
32.नागालैंड की एक जाति–2
34.अधर, होठ–2

शब्द पहेली- 5817 का हल

ना	म	क	मा	ना		स	म	झ	दा	र
म		र	ह	म		म	द	न		म
र	त			ची		झौ			वा	णी
ख	स		ना	न	ख	ता	ई		रा	य
ना	ला	य	क		त्म		मा	त	ह	त
			क	था		का	न			
प	न	घ	ट		आ		दा	न	वी	र
व	र		ना	ना	स	सु	र		र	वि
न	म			म		चा			ता	न
सु		आ	स	व		ल	ह	र		य
त	ल	ब	गा	र		न	क	ब	ज	न

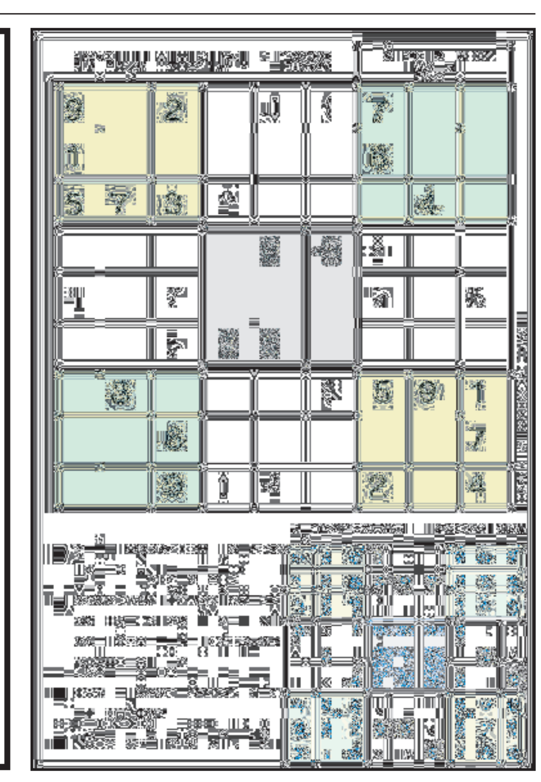

लखनऊ सुपर जायंट्स पांच विकेट से जीता

पूरन के नाम इस सत्र का सबसे तेज अर्धशतक, मार्श ने 52 रन बनाए, शार्दूल ठाकुर को 4 विकेट

भाषा ▸▸ हैदराबाद

लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) ने शार्दुल ठाकुर के चार विकेट के बाद निकोलस पूरन (70 रन) के इस इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सत्र के सबसे तेज अर्धशतक और उनकी मिचेल मार्श (52 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिए खेली गई 116 रन की साझेदारी से बृहस्पतिवार को यहां टी20 मैच में सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) को पांच विकेट से हराकर अपना खाता खोला। एलएसजी ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया और शार्दुल ने 34 रन देकर चार विकेट लेकर शानदार वापसी जारी रखी जिससे एसआरएच नौ विकेट पर 190 रन ही बना सकी। लखनऊ की टीम ने पूरन (छह चौके, छह छक्के) और मिचेल मार्श (सात चौके, दो छक्के) के अर्धशतकों से आक्रामक शुरुआत की। अंत में अब्दुल समद (आठ गेंद में नाबाद 22 रन) और डेविड मिलर (सात गेंद में नाबाद 13 रन) की नाबाद पारियों से टीम ने 16.1 ओवर में पांच विकेट पर 193 रन बनाकर आसान जीत दर्ज की। पूरन ने एडम जम्पा की गेंद पर छक्का लगाकर 18 गेंद में इस सत्र का सबसे तेज अर्धशतक जड़ा। वह आईपीएल में 20 से कम गेंद में चार बार अर्धशतक बनाकर सबसे ऊपर हैं। उनके बाद हेड और जेक फ्रेजर मैकगुर्क तीन बार ऐसा कर चुके हैं।

चेन्नई में जीत के 17 साल के इंतजार को खत्म करने उतरेगी आरसीबी

चेन्नई। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु शुक्रवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग मैच में जब चेन्नई सुपरकिंग्स से भिड़ेगा तो टीम की नजरें यहां जीत के 17 साल के इंतजार को खत्म करने के लिए अपने अनुभवी बल्लेबाजों पर टिकी होंगी। आरसीबी ने चेपक में सुपरकिंग्स को सिर्फ एक बार हराया है और वह भी 2008 में टूर्नामेंट के पहले सत्र में। आरसीबी की मौजूदा टीम में सिर्फ स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ही उस मैच का हिस्सा थे और अब वह दूसरी बार सुपरकिंग्स के किले को भेदना चाहेंगे। हालांकि आरसीबी की राह आसान नहीं होगी।

खास खबर

दूसरी गेंद का पहली बार आईपीएल में हुआ इस्तेमाल

गुवाहाटी। आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच बुधवार को गुवाहाटी में खेले गए मैच में पहली बार दूसरी गेंद का नियम देखने को मिला। कार्यवाहक कप्तान रियान पराग के मार्गदर्शन में राजस्थान रॉयल्स ने केकेआर की पारी के 17वें ओवर में गेंद बदलने का अनुरोध किया, लेकिन यह मैच का पासा पलटने के लिए काफी नहीं था। नए नियम का इस्तेमाल करने के बावजूद राजस्थान रॉयल्स को केकेआर के खिलाफ आठ विकेट से हार का सामना करना पड़ा। यह उनकी लगातार दूसरी हार रही। क्विंटन डिकॉक की 61 गेंदों पर नाबाद 97 रनों की शानदार पारी की बदौलत कोलकाता ने इस सीजन में अपनी पहली जीत दर्ज की।

आईपीएल : सूरमा गेंदबाजों की हो रही धुनाई पाटा पिचों पर इज्जत का हो रहा कचरा...

पैट कमिंस ने कुटवाए 60 रन

आईपीएल के इसी मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद के तेज गेंदबाज और टीम के कप्तान पैट कमिंस की भी जमकर धुनाई हुई। उन्होंने अपने कोटे के 4 ओवर्स में कुल 60 रन कुटवा दिए। पैट कमिंस इस समय आईसीसी की टेस्ट रैंकिंग में नंबर 3 गेंदबाज हैं।

मोहम्मद सिराज ने लुटाए 54 रन

इस बार मोहम्मद आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की जगह गुजरात टाइटन्स की टीम में खेल रहे हैं। वह पहला मुकाबला 25 मार्च को पंजाब किंग्स के खिलाफ खेलने उतरे, जहां वो 4 ओवर्स में 54 रन लुटा बैठे, उनको एक भी विकेट नहीं मिला। वहीं इकोनॉमी रेट भी 13.50 रहा। सिराज की बेस्ट रैंकिंग इस समय वनडे में है, वह 14वें पायदान पर हैं।

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

आईपीएल 2025 का आगाज हो चुका है। अब तक दुनिया की सबसे बड़ी टी20 क्रिकेट लीग के 5 मुकाबले हो चुके हैं। लेकिन आईपीएल के शुरुआती मुकाबलों में गेंदबाजों के आंकड़ों के रुझान देखे जाएं तो उनकी हालत खराब दिख रही है। कोलकाता, हैदराबाद, चेन्नई, विशाखापत्तनम और अहमदाबाद में हुए इन मैचों में ज्यादातर पिचों का मिजाज पाटा (बल्लेबाजी के लिए आसान पिच) रहा है। यही कारण है कि बल्लेबाजों का जहां मन कर रहा है, वो उस तरफ गेंदों को मार रहे हैं। देखा जाए तो इस दौरान आईपीएल में कई गैरअनुभवी गेंदबाजों को तो बल्लेबाजों पर लगाम लगाने में मुश्किल आ रही है। वहीं आईपीएल के दिग्गज गेंदबाज भी फुस्स हो रहे हैं। आइए आपको बताते हैं ऐसे ही गेंदबाजों के बारे में...

आर्चर ने 4 ओवर में दिए 76 रन

इंग्लैंड के जोफ्रा आर्चर की इस समय आईसीसी टेस्ट रैंकिंग 10 है। वह इस बार राजस्थान रॉयल्स टीम का हिस्सा हैं। 23 मार्च को हुए आईपीएल मुकाबले में वो सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ बेहद महंगे साबित हुए और अपने 4 ओवर्स में 76 रन 19 के इकोनॉमी रेट से लुटा बैठे। ईशान किशन ने तो जोफ्रा के एक ही ओवर में 3 छक्के भी जड़े थे।

बिश्नोई के नाम 53 रन देने का रिकार्ड

कभी टी20 के नंबर एक गेंदबाज रह चुके रवि बिश्नोई की भी इस आईपीएल सीजन के एकमात्र मुकाबले में हालत खराब दिखी है। उन्होंने लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से खेलते हुए दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ हुए मैच में 4 ओवर्स में 53 रन देकर 13.25 की इकोनॉमी रेट से 2 विकेट लिए। वह वर्तमान में नंबर 6 टी20 बॉलर हैं। रवि बिश्नोई का टेस्ट और वनडे डेब्यू नहीं हुआ है।

महीश तीक्ष्णा ने गंवाए 52 रन

24 साल के श्रीलंकाई ऑफ स्पिनर महीश तीक्षणा इस बार आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स से ना खेलकर राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेल रहे हैं। राजस्थान की ओर से खेलते हुए उनकी भी हैदराबाद संग मुकाबले में जमकर पिटाई हुई, वह 4 ओवर्स में 52 रन लुटा बैठे और 2 विकेट झटक पाए। वर्तमान में तीक्षणा वनडे फॉर्मेट के नंबर 1 तो टी20 के नंबर 7 गेंदबाज हैं।

खबर संक्षेप

करमाकर के निलंबन पर की जाएगी चर्चा

नई दिल्ली। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ ने गुरुवार को कहा कि अर्जुन पुरस्कार विजेता जॉयदीप करमाकर को पश्चिम बंगाल में सभी निशानेबाजी गतिविधियों से निलंबित किए जाने के बारे में उचित स्तर पर चर्चा की जाएगी। पश्चिम बंगाल राइफल संघ ने राइफल कोच करमाकर को राज्य में निशानेबाजी से संबंधित गतिविधियों से प्रतिबंधित करने का कदम तब उठाया जब इस ओलंपियन ने साल के शुरु में उत्तराखंड में आयोजित 2025 राष्ट्रीय खेलों के लिए चयन पर सवाल उठाए थे।

क्वालीफायर में भारत को ग्रुप बी में मिली जगह

नई दिल्ली। भारत की सीनियर महिला फुटबॉल टीम को एएफसी महिला एशियाई कप ऑस्ट्रेलिया 2026 क्वालीफायर के लिए गुरुवार को ग्रुप बी में थाईलैंड, मंगोलिया, तिमोर लेस्ते और इराक के साथ जगह मिली। टूर्नामेंट का ड्रॉ कुआलालंपुर में एएफसी हाउस में आयोजित किया गया। थाईलैंड 23 जून से पांच जुलाई के बीच केंद्रीकृत एकल राउंड रोबिन प्रारूप में क्वालीफायर के ग्रुप बी की मेजबानी करेगा। ग्रुप विजेता फाइनल टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करेंगे जिसका आयोजन एक से 26 मार्च 2026 तक ऑस्ट्रेलिया के तीन शहरों में किया जाएगा।

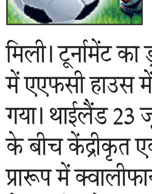

मियामी ओपन

इयाला अंतिम-4 में, अब तक तीन ग्रैंडस्लैम चैंपियन को किया बाहर

एजेंसी ▸▸ मियामी गार्डन्स

एलेक्सांद्रा इयाला ने मियामी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में एक और उलटफेर करते हुए महिला एकल क्वार्टर फाइनल में पांच बार की ग्रैंडस्लैम चैंपियन और दूसरी वरीय ईगा स्वियाटेक को हराकर बाहर का रास्ता दिखाया।

बाएं हाथ की 19 साल की खिलाड़ी एलेक्सांद्रा ने स्वियाटेक को एक घंटे और 37 मिनट में 6-2, 7-5 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। महिला पेशेवर टूर पर फिलिपीन्स का प्रतिनिधित्व करने वाली एकमात्र खिलाड़ी एलेक्सांद्रा को इस डब्लूटीए 1000 प्रतियोगिता के लिए वाइल्ड कार्ड मिला है और वह दुनिया की 140वें नंबर की खिलाड़ी हैं। सेमीफाइनल तक के अपने सफर के दौरान एलेक्सांद्रा ने अब तक तीन ग्रैंडस्लैम विजेताओं को हराया है। सेमीफाइनल में एलेक्सांद्रा की भिड़ंत अमेरिका की जेसिका पेगुला से होगी जिन्होंने ब्रिटेन की गैरवरीय एम्मा राडुकानु को तीन सेट चले कड़े मुकाबले में 6-4, 6-7, 6-2 से हराकर चार साल में तीसरी बार मियामी ओपन के महिला एकल सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

तीन घंटे में जीते चोटिल दिमित्रोव

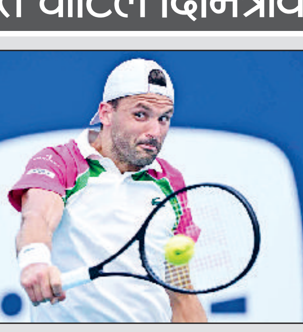

पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में 14वें वरीय ग्रिगोर दिमित्रोव ने पैर की जकड़न से जूझने के बावजूद 23वें वरीय फ्रांसिस्को सेरुंडोलो को लगभग तीन घंटे में 6-7, 6-4, 7-6 से हराया। सेमीफाइनल में दिमित्रोव की भिड़ंत नोवाक जोकोविच और सबेस्टियन कोर्डा के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगी। इस बीच बारिश के कारण स्थगित पुरुष एकल के चौथे दौर के मैच में 17वें वरीय फ्रांस के आर्थर फिल्स ने शीर्ष वरीय एलेक्जेंडर ज्वेरेव को 3-6, 6-3, 6-4 से हराया।

रीतिका पहले सीनियर एशियाई चैंपियनशिप में स्वर्ण की राह पर

अम्मान। ओलंपियन रीतिका हुड्डा ने एशियाई चैंपियनशिप के महिला 76 किग्रा वर्ग में दबदबा बनाते हुए बिना कोई अंक गंवाए गुरुवार को यहां फाइनल में जगह बनाई जबकि उनकी तीन अन्य हमवतन भारतीय पहलवान भी कांस्य पदक की दौड़ में हैं। रीतिका ने फाइनल में जगह बनाने के दौरान जापान की नोडोक यामामोतो और कोरिया की सियोयिओन जियोंग को हराया। रीतिका ने पहले जियोंग को तकनीकी दक्षता से हराया। भारतीय पहलवान ने टेक-डाउन मूव से अंक जुटाए और फिर विरोधी खिलाड़ी के पैर को पकड़कर दो और अंक जुटाए। रीतिका ने इसके बाद कोरियाई खिलाड़ी के पैर पकड़कर अंक जुटाए और मुकाबला अपने नाम किया।

ओलंपिक 2036 की मेजबानी के लिए भारत को खर्च करने पड़ सकते हैं 64 हजार करोड़

नई दिल्ली। भारत 2036 ओलंपिक की मेजबानी को लेकर जोर आजमाइश लगा रहा है। पिछले साल अक्टूबर में भारतीय ओलंपिक संघ ने औपचारिक रूप से अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति को एक आशय पत्र भेजा था, जिसमें 2036 में ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों की मेजबानी के लिए भारत की रुचि व्यक्त की थी। अब एक रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें कहा गया है कि इस बहुराष्ट्रीय खेल आयोजन की मेजबानी में भारत को 34,700 करोड़ रुपए से 64,000 करोड़ रुपए के बीच खर्च आ सकता है। इस हफ्ते गांधीनगर में उच्च स्तरीय समन्वय समिति के साथ एक विचार विमर्श सत्र हुआ जहां 'समीक्षा बैठक- अहमदाबाद 2036 के लिए तैयारी' शीर्षक वाला दस्तावेज पेश किया गया।

रेलयात्री कृपया ध्यान दें!

ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियां – 2025

रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन के लिए रेलवे द्वारा निम्नलिखित ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियाँ निम्न समय–सारणी के अनुसार चलाई जाएंगी :–

02270/02269 लखनऊ - छपरा - लखनऊ आरक्षित वंदे भारत एक्सप्रेस — 54 फेरे

रेलगाड़ी सं. 02270		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 02269	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	14:15	लखनऊ	06:30	–
21:30	–	छपरा	--	23:00

चलने की तिथि: 02270 लखनऊ से और 02269 छपरा से प्रतिदिन (मंगलवार छोड़कर) दिनांक 26.04.2025 तक। स्थान : कुर्सीयान, एक्जीक्यूटीव कुर्सीयान। ठहराव : सुल्तानपुर जं., वाराणसी जं., ग़ाज़ीपुर सिटी, बलिया एवं सुरेमनपुर स्टेशन।

02436/02435 नई दिल्ली - पटना जं. - नई दिल्ली आरक्षित वंदे भारत स्पेशल एक्सप्रेस — 06 फेरे

रेलगाड़ी सं. 02436		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 02435	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	08:30	नई दिल्ली	20:10	–
20:10	–	पटना जं.	--	08:30

चलने की तिथि: 02436 नई दिल्ली से 29, 30 एवं 31.03.2025 को और 02435 पटना सं. से 30, 31.03.2025 एवं 01.04.2025 को स्थान : कुर्सीयान, एक्जीक्यूटीव कुर्सीयान। ठहराव : गाजियाबाद, अलीगढ़, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज, दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर और आरा स्टेशन।

01123/01124 लोकमान्य तिलक (ट.) - मऊ - लोकमान्य तिलक (ट.) स्पेशल ट्रेन (सप्ताह में दो दिन) — 48 फेरे

रेलगाड़ी सं. 01123		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 01124	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	12:15	लोकमान्य तिलक (ट.)	16:45	–
20:20	–	मऊ	--	05:50

चलने की तिथि: 01123 लोकमान्य तिलक ट. से शुक्रवार एवं रविवार को दिनांक 06.04.2025 से 29.06.2025 तक (दिनांक 02.05.2025 को यह रेलगाड़ी 01125 शिक्षक विशेष रेलगाड़ी को तौर पर चलेगी) और 01124 मऊ से रविवार एवं मंगलवार को दिनांक 08.04.2025 से 01.07.2025 तक (दिनांक 10.06.2025 को यह रेलगाड़ी 01126 शिक्षक विशेष रेलगाड़ी को तौर पर चलेगी) स्थान : 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य, ठहराव : ठाणे, कल्याण, इगतपुरी, नासिक रोड, जलगांव, भुसावल, खंडवा, इटारसी, पिपरिया, नरसिंहपुर, मदन महल, कटनी, मैहर, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, वाराणसी, जौनपुर और औंरिहार स्टेशन।

01053/01054 लोकमान्य तिलक (ट.) - बनारस - लोकमान्य तिलक (ट.) स्पेशल ट्रेन (सप्ताह में दो दिन) — 48 फेरे

रेलगाड़ी सं. 01053		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 01054	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	12:15	लोकमान्य तिलक (ट.)	04:40	–
16:05	–	बनारस	--	20:30

चलने की तिथि: 01053 लोकमान्य तिलक ट. से बुधवार एवं गुरूवार को दिनांक 09.04.2025 से 26.06.2025 तक और 01054 बनारस से गुरूवार एवं शुक्रवार को दिनांक 10.04.2025 से 27.06.2025 तक स्थान : 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य, ठहराव : ठाणे, कल्याण, इगतपुरी, नासिक रोड, जलगांव, भुसावल, खंडवा, इटारसी, पिपरिया, नरसिंहपुर, मदन महल, कटनी, मैहर, सतना, मानिकपुर और प्रयागराज छिवकी स्टेशन।

01431/01432 पुणे - गाजीपुर सिटी - पुणे स्पेशल ट्रेन (सप्ताह में दो दिन) — 48 फेरे

रेलगाड़ी सं. 01431		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 01432	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	06:40	पुणे	16:20	–
20:15	–	गाजीपुर सिटी	--	04:20

चलने की तिथि: 01431 पुणे से शुक्रवार एवं मंगलवार को दिनांक 08.04.2025 से 27.06.2025 तक और 01432 गाजीपुर सिटी से रविवार एवं गुरूवार को दिनांक 10.04.2025 से 29.06.2025 तक स्थान : 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य, ठहराव : दौंड कॉर्ड लाइन, अहमदनगर, मनमाड, जलगांव, भुसावल, खंडवा, इटारसी, पिपरिया, नरसिंहपुर, मदन महल, कटनी, मैहर, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, वाराणसी, जौनपुर और औंरिहार स्टेशन।

01491/01492 पुणे - हजरत निजामुद्दीन - पुणे स्पेशल ट्रेन (साप्ताहिक) — 24 फेरे

रेलगाड़ी सं. 01491		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 01492	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	17:30	पुणे	23:55	–
18:10	–	हजरत निजामुद्दीन	--	22:10

चलने की तिथि: 01491 पुणे से प्रत्येक शुक्रवार को दिनांक 11.04.2025 से 27.06.2025 तक और 01492 हजरत निजामुद्दीन से प्रत्येक शनिवार को एवं दिनांक 12.04.2025 से 28.06.2025 तक स्थान : 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य, ठहराव : लोनावला, कल्याण, भिवंडी रोड, वसई रोड, पालघर, वापी, वलसाड, उधना, वडोदरा, रतलाम, भवानी मंडी, सवाई माधोपुर और मथुरा स्टेशन।

04092/04091 नई दिल्ली-इंदौर जं.-नई दिल्ली सुपरफास्ट एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन — 04 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04092		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 04091	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	15:30	नई दिल्ली	02:30	–
06:00	–	इंदौर जं.	--	11:30

चलने की तिथि: 04092 नई दिल्ली से दिनांक 28.03.2025 एवं 30.03.2025 को और 04091 इंदौर जं. से दिनांक 29.03.2025 एवं 31.03.2025 को स्थान : 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य, ठहराव : मथुरा, कोटा, नागदा और रतलाम स्टेशन।

01415/01416 पुणे - गाजीपुर सिटी - पुणे स्पेशल ट्रेन (अनारक्षित) (साप्ताहिक) — 26 फेरे

रेलगाड़ी सं. 01415		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 01416	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	06:40	पुणे	17:50	–
20:15	–	गाजीपुर सिटी	--	04:20

चलने की तिथि: 01415 पुणे से प्रत्येक शनिवार को दिनांक 05.04.2025 से 28.06.2025 तक और 01416 गाजीपुर सिटी से प्रत्येक सोमवार को दिनांक 07.04.2025 से 30.06.2025 तक स्थान : सामान्य, ठहराव : दौंड कॉर्ड लाइन, अहमदनगर, मनमाड, जलगांव, भुसावल, खंडवा, इटारसी, पिपरिया, नरसिंहपुर, मदन महल, कटनी, मैहर, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, वाराणसी, जौनपुर और औंरिहार स्टेशन।

03297 दानापुर - आनन्द विहार ट. स्पेशल ट्रेन — 01 फेरे

रेलगाड़ी सं. 03297		स्टेशन
आगमन	प्रस्थान	
--	14:30	दानापुर
11:15	--	आनन्द विहार ट.

चलने की तिथि: 03297 दानापुर से दिनांक 02.04.2024 को स्थान : सामान्य, ठहराव : आरा, बक्सर, दीन दयाल उपाध्याय, प्रयागराज और कानपुर सेंट्रल स्टेशन।

04085/04086 नई दिल्ली - श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा - नई दिल्ली आरक्षित स्पेशल एक्सप्रेस — 08 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04085		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 04086	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	12:30	नई दिल्ली	20:00	–
02:00	–	श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा	--	07:30

चलने की तिथि: 04085 नई दिल्ली से दिनांक 28, 29, 30 एवं 31.03.2025 को और 04086 श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा से दिनांक 29, 30, 31.03.2025 एवं 01.04.2025 को स्थान : 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य, ठहराव : सोनीपत, पानीपत, करनाल, कुरूक्षेत्र, अम्बाला कैंट, ढंडारी कलां, जालंधर कैंट, पठानकोट कैंट, जम्मू तवी और शहीद कैप्टन तुषार महाजन स्टेशन।

04024/04023 दिल्ली जं. - वाराणसी जं. - दिल्ली जं. आरक्षित सुपरफास्ट स्पेशल एक्सप्रेस — 06 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04024		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 04023	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	19:30	दिल्ली जं.	08:50	–
09:45	–	वाराणसी जं.	--	18:35

चलने की तिथि: 04024 दिल्ली जं. से दिनांक 28, 29 एवं 30.03.2025 को और 04023 वाराणसी जं. से दिनांक 29, 30 एवं 31.03.2025 को स्थान : 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य, ठहराव : गाजियाबाद, मुरादाबाद, आलमनगर, लखनऊ, रायबरेली और मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ स्टेशन।

04088/04087 नई दिल्ली - पटना जं. - नई दिल्ली आरक्षित सुपरफास्ट स्पेशल एक्सप्रेस — 10 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04088		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 04087	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	15:50	नई दिल्ली	04:40	–
08:40	–	पटना जं.	--	12:00

चलने की तिथि: 04088 नई दिल्ली से दिनांक 28, 29, 30, 31.03.2025 एवं 01.04.2025 को और 04087 पटना जं. से दिनांक 29, 30, 31.03.2025 एवं 02.04.2025 को स्थान :3 टियर वाता. इकोनॉमी एवं सामान्य, ठहराव : गोविंदपुरी, प्रयागराज, पीटी। दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा और दानापुर स्टेशन।

04090/04089 दिल्ली जं. - सहरसा जं. - दिल्ली जं. आरक्षित स्पेशल एक्सप्रेस — 04 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04090		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 04089	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	14:15	नई दिल्ली	18:00	–
13:30	–	सहरसा जं.	--	18:45

चलने की तिथि: 04090 नई दिल्ली से दिनांक 28.03.2025 एवं 31.03.2025 को और 04089 सहरसा जं. से दिनांक 29.03.2025 एवं 01.04.2025 को स्थान : शयनयान एवं सामान्य, ठहराव : गोविंदपुरी, प्रयागराज, पं. दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, हाजीपुर, बरौनी, बेगू सराय, खगड़िया और मानसी स्टेशन।

04430/04429 आनन्द विहार ट. - भागलपुर - आनन्द विहार ट. अनारक्षित स्पेशल एक्सप्रेस — 06 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04430		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 04429	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	12:40	आनन्द विहार ट.	14:30	–
12:10	–	भागलपुर	--	14:30

चलने की तिथि: 04430 आनन्द विहार ट. से दिनांक 28.03.2025 से 30.03.2025 तक और 04429 भागलपुर से दिनांक 29.03.2025 से 31.03.2025 तक। स्थान :सामान्य, ठहराव : गोविंदपुरी, प्रयागराज, पं. दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, दानापुर, पटना, बख्तियारपुर, मोकामा, हाथीदा, लक्खीसराय, किऊल, अभयपुर, जमालपुर और सुल्तानगंज स्टेशन।

04432/04431 दिल्ली जं. - सहरसा जं. - दिल्ली जं. अनारक्षित स्पेशल एक्सप्रेस — 06 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04432		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 04431	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	15:20	दिल्ली जं.	20:10	–
16:00	–	सहरसा जं.	--	20:00

चलने की तिथि: 04432 दिल्ली जं. से दिनांक 28.03.2025 से 30.03.2025 तक और 04431 सहरसा से दिनांक 29.03.2025 से 31.03.2025 तक। स्थान : सामान्य, ठहराव : कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज, वाराणसी, ग़ाज़ीपुर सिटी, बलिया, सुरेमनपुर, छपरा, सोनपुर, हाजीपुर, बरौनी और खगड़िया जं. स्टेशन।

04434/04433 नई दिल्ली - जयनगर - नई दिल्ली अनारक्षित स्पेशल एक्सप्रेस — 06 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04434		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 04433	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	23:30	नई दिल्ली	04:00	–
23:00	–	जयनगर	--	04:00

चलने की तिथि: 04434 नई दिल्ली से दिनांक 28, 29 एवं 30.03.2025 को और 04433 जयनगर से दिनांक 30, 31.03.2025 एवं 01.04.2025 को। स्थान : सामान्य, ठहराव : गोविंदपुरी, प्रयागराज, पं. दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, हाजीपुर, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, दरभंगा और मधुबनी स्टेशन।

04438/04437 दिल्ली जं. - कटिहार - दिल्ली जं. अनारक्षित स्पेशल एक्सप्रेस — 06 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04438		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 04437	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	14:15	दिल्ली जं.	18:30	–
13:40	–	कटिहार	--	18:45

चलने की तिथि: 04438 दिल्ली जं. से दिनांक 28.03.2025 से 30.03.2025 तक और 04437 कटिहार से दिनांक 29.03.2025 से 31.03.2025 तक। स्थान :सामान्य, ठहराव : नई दिल्ली, गोविंदपुरी, प्रयागराज, पं. दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, हाजीपुर, बरौनी, बेगुसराय, खगड़िया और मानसी स्टेशन।

01079/01080 लोकमान्य तिलक (ट.) - मऊ - लोकमान्य तिलक (ट.) अनारक्षित स्पेशल एक्सप्रेस (साप्ताहिक) — 24 फेरे

रेलगाड़ी सं. 01079		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 01080	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	22:55	लोकमान्य तिलक (ट.)	00:40	–
11:00	–	मऊ	--	13:00

चलने की तिथि: 01079 लोकमान्य तिलक ट. से प्रत्येक सोमवार को दिनांक 07.04.2025 से 23.06.2025 तक और 01080 मऊ से प्रत्येक बुधवार को दिनांक 09.04.2025 से 25.06.2025 तक। स्थान : सामान्य, ठहराव : ठाणे, कल्याण, इगतपुरी, नासिक रोड, जलगांव, भुसावल, इटारसी, जबलपुर, कटनी, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, वाराणसी, जौनपुर और औंरिहार स्टेशन।

उपरोक्त रेलगाड़ियों के मार्ग में आने वाले ठहरावों और समय–सारणी के लिए कृपया रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 डायल करें अथवा रेलगाड़ी पूछताछ वेबसाइट www.enquiry.indianrail.gov.in देखें।

रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139

रेलमदद वेबसाइट देखें:– www.railmadad.indianrailways.gov.in

रेलमदद ऐप डाउनलोड करें

पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे
सदैव आपकी सेवा में
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

खबर संक्षेप

चिली के राष्ट्रपति बोरिक फॉन्ट आएंगे भारत

नई दिल्ली। चिली के राष्ट्रपति गेब्रियल बोरिक फॉन्ट पीएम मोदी के निमंत्रण पर 1-5 अप्रैल तक भारत की राजकीय यात्रा पर आएंगे। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को यह ऐलान किया। बोरिक के साथ एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी आएगा, जिसमें मंत्री, संसद सदस्य, वरिष्ठ अधिकारी, व्यापार संघ, मीडिया और भारत-चिली सांस्कृतिक संबंधों से जुड़े प्रमुख चिलीवासी शामिल होंगे। राष्ट्रपति के रूप में यह बोरिक की पहली भारत यात्रा होगी। वह 5 अप्रैल को चिली लौटने से पहले आगरा, मुंबई और बेंगलुरु भी जाएंगे। यात्रा के दौरान, बोरिक 1 अप्रैल को पीएम मोदी के साथ वार्ता करेंगे, जिसमें भारत-चिली संबंधों के सभी पहलुओं पर चर्चा होगी।

पीएम मोदी के 'स्वस्थ भारत मिशन' का विश्व में बजा डंका

यूएन ने आयुष्मान योजना और शिशु मृत्यु दर में कमी को बताया अनुकरणीय, राजनीतिक इच्छाशक्ति व निवेश से मिली सफलता

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी के 'स्वस्थ भारत मिशन' के तहत देश भर में चलाई जा रही विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं से देश में व्यापक पैमाने पर बदलाव आया है। पूरी दुनिया इस योजना का लोहा मान रही है। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) ने भारत में विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं के तहत शिशु मृत्यु दर में कमी लाने की तारीफ की है। इतना ही नहीं यूएन ने पीएम मोदी की आयुष्मान भारत योजना को भी शानदार बताया है। एक कार्यक्रम के दौरान यूएन ने 'आयुष्मान भारत' जैसी स्वास्थ्य पहलों का उदाहरण देते हुए शिशु मृत्यु दर में कमी लाने में भारत के प्रयासों और प्रगति की सराहना की तथा इसे 'अनुकरणीय' बताया। यूएन ने कहा कि देश ने अपनी स्वास्थ्य प्रणाली में रणनीतिक निवेश के माध्यम से लाखों लोगों का जीवन बचाया है। मंगलवार को जारी संयुक्त राष्ट्र के एक समूह की शिशु मृत्यु दर आकलन रिपोर्ट में भारत, नेपाल, सेनेगल, घाना और बुरुंडी का उदाहरण दिया गया तथा शिशु मृत्यु दर रोकने में हुई प्रगति में अहम भूमिका निभाने वाली विभिन्न रणनीतियों पर प्रकाश डाला गया है। रिपोर्ट में कहा गया कि इन देशों ने दिखाया है कि राजनीतिक इच्छाशक्ति, साक्ष्य-आधारित रणनीतियों और निरंतर निवेश से मृत्यु दर में पर्याप्त कमी लाई जा सकती है।

भारत के बारे में रिपोर्ट में कहा गया कि देश ने स्वास्थ्य प्रणाली में निवेश के माध्यम से स्थिति को बेहतर किया है। अपनी स्वास्थ्य प्रणाली में रणनीतिक निवेश के माध्यम से भारत में लाखों लोगों का जीवन बचा चुका है और लाखों लोगों के लिए स्वस्थ जीवन सुनिश्चित करने का मार्ग प्रशस्त किया है

- भारत की आयुष्मान को बताया दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा योजना
- भारत ने स्वास्थ्य प्रणाली में रणनीतिक निवेश से लोगों का जीवन बचाया

शिशुओं की मृत्यू में 61 फीसदी की आई कमी

भारत के बारे में रिपोर्ट में कहा गया कि देश ने स्वास्थ्य प्रणाली में निवेश के माध्यम से स्थिति को बेहतर किया है। इसमें कहा गया कि अपनी स्वास्थ्य प्रणाली में रणनीतिक निवेश के माध्यम से भारत पहले ही लाखों लोगों का जीवन बचा चुका है और लाखों अन्य लोगों के लिए स्वस्थ जीवन सुनिश्चित करने का मार्ग प्रशस्त किया है। प्रकाश डाला गया कि वर्ष 2000 से भारत ने पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु दर में 70 प्रतिशत की कमी तथा नवजात शिशुओं की मृत्यु दर में 61 प्रतिशत की कमी हासिल की है।

अफगानिस्तान में घोर अन्याय, लड़कियां शिक्षा से वंचित

यूनाइटेड नेशन वूमेन ने कहा कि अफगान लड़कियों को शिक्षा से वंचित करना बड़ा अन्याय है। इसका असर आने वाली पीढ़ियों पर पड़ेगा। यूएन वूमेन ने ने अफगानिस्तान में लड़कियों के बुनियादी अधिकारों की रक्षा करने की अपील की। यूएन वूमेन की कार्यकारी निदेशक सिमा बहौस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया कि अफगानिस्तान में नए स्कूल वर्ष की शुरुआत के साथ ही हजारों लड़कियों के लिए स्कूल के दरवाजे बंद हैं – यह तीसरा साल है। उनके शिक्षा के अधिकार का उल्लंघन पीढ़ियों तक असर करेगा। लड़कियों को स्कूल वापस जाना चाहिए और उनके बुनियादी अधिकारों को बिना किसी देरी के बहाल किया जाना चाहिए। इस हफ्ते की शुरुआत में बहौस ने चेतावनी दी थी कि अगर लड़कियों को शिक्षा से वंचित रखा गया, तो अफगानिस्तान में इसके नकारात्मक प्रभाव कई पीढ़ियों तक महसूस होंगे।

भारत से सीखें दूसरे देश

संयुक्त राष्ट्र ने अपनी रिपोर्ट में भारत में स्वास्थ्य के दिशा में उठाए जा रहे कदमों से दूसरे देशों को सीखने की जरूरत पर बल दिया है। इसमें कहा गया कि स्वास्थ्य कवरेज बढ़ाने, मौजूदा स्थिति को सुधारने और स्वास्थ्य अवसंरचना तथा मानव संसाधन विकसित करने के लिए किए गए उपायों के कारण ऐसा संभव हुआ है। इसमें आयुष्मान भारत का उदाहरण दिया गया है। आयुष्मान भारत दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा योजना है, जो प्रति वर्ष प्रति परिवार को लगभग 5,500 अमेरिकी डॉलर की वार्षिक कवरेज प्रदान करती है।

रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने की रूसी राष्ट्रपति की भारत यात्रा की पुष्टि

यूक्रेन युद्ध के बीच भारत की यात्रा करेंगे पुतिन, रूस में तैयारियां जोरों पर

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

यूक्रेन के साथ कुल करीब तीन साल से अधिक समय से भीषण जंग में उलझे हुए रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन जल्द ही भारत की यात्रा करेंगे। इसके लिए उन्होंने भारत के शीर्ष नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए निमंत्रण को स्वीकार कर लिया है। अब रूस में उनकी इस यात्रा को लेकर तैयारियां की जा रही हैं। यह जानकारी गुरुवार को रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने दी। उन्होंने हालांकि इस यात्रा से जुड़ी हुई कोई निश्चित तारीख नहीं बताई है। लेकिन यह कहा कि पिछले साल 2024 में चुनाव जीतने के बाद भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी पहली विदेश यात्रा के लिए रूस को चुना था और अब हमारी बारी है। यहां बता दें कि यूक्रेन युद्ध के बीच यह पहला मौका होगा जब रूस के राष्ट्रपति भारत की यात्रा करेंगे। लावरोव रूस की सरकारी न्यूज एजेंसी तास से बातचीत कर रहे थे। उस दौरान ही उन्होंने रूस के राष्ट्रपति की भारत यात्रा के बारे में बताया।

मोदी-पुतिन वार्ता में उठेंगे यह मुद्दे

आईआरआईजीसी की बैठक में दोनों शीर्ष नेताओं के बीच भारत-रूस के द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े हुए महत्वपूर्ण मामलों के अलावा क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा चुनौती के मुद्दे पर भी विचार-विमर्श किया जा सकता है। यूक्रेन युद्ध की समाप्ति का मसला भी पीएम मोदी और राष्ट्रपति पुतिन की वार्ता में शामिल किए जाने की संभावना है। प्रधानमंत्री मोदी कई बार यह कह चुके हैं कि यह युद्ध का युग नहीं है। समस्या का समाधान बातचीत और कूटनीति से ही संभव है। जंग के मैदान में युद्ध की समाप्ति पर बातचीत नहीं की जा सकती है। यूक्रेन युद्ध में भारत की अभी तक की भूमिका तटस्थ देश की ही रही है। लेकिन उसने लगातार बातचीत और कूटनीति से इसका समाधान निकालने पर जोर दिया है।

आईआरआईजीसी की बैठक में भाग लेंगे पुतिन

राष्ट्रपति पुतिन की भारत यात्रा का उद्देश्य दोनों देशों के बीच स्थापित भारत-रूस अंतर सरकारी आयोग (आईआरआईजीसी) की क्रमवार होने वाली वार्षिक शिखर बैठक में रूस का नेतृत्व करना है। इसकी पिछली बैठक में भाग लेने के लिए पिछले साल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस की यात्रा की थी। इसके अलावा वह ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए भी रूस के कजान शहर गए थे। भारत और रूस की दोस्ती बहुत पुरानी है। रूस भारत का रक्षा उपकरण और हथियार सामग्री का एक बड़ा सप्लायर भी है। यूक्रेन के साथ युद्ध के बीच उसने भारत को किफायती दाम पर कच्चे तेल की आपूर्ति की है। जिसकी अमेरिका समेत यूरोपीय देशों ने कड़ी आलोचना की थी।

इजराइल में नए राजदूत सिंह के सम्मान में दिखाई जाएगी 'द डिप्लोमैट' फिल्म

तेल अवीव। इजराइल में भारत के नए राजदूत जेपी सिंह के स्वागत में वहां के विदेश मंत्रालय की तरफ से फिल्म 'द डिप्लोमैट' दिखाई जाएगी। ये फिल्म एक वास्तविक घटना पर आधारित है। फिल्म जेपी सिंह पर ही बनी है। यह पहल इजराइल में भारत के नए राजदूत का गर्मजोशी से स्वागत करने और दोनों देशों के बीच 'मजबूत रिश्ते' बनाने के लिए है। इजराइली विदेश मंत्रालय के सांस्कृतिक प्रभाग के प्रमुख नूरित तिनारी ने बताया कि यह फिल्म भारतीय कूटनीति की ताकत का जश्न मनाती है। फिल्म की स्क्रीनिंग एक ऐतिहासिक घटना होगी।

रूस के मिसाइल लॉन्च से यूरोप सहमा, दुनिया में तीसरे विश्व युद्ध की आशंका

रूसी हमले के बाद 45 करोड़ आबादी तनाव में 27 देशों में लोगों को 'तैयार' रहने की चेतावनी

एजेंसी ▶▶ ब्रसेल्स

क्रेमलिन ने जापान सागर में अपने उफा अटैक सब से क्रूज मिसाइलें भी दागीं। रूसी सरकारी मीडिया ने दावा किया कि मिसाइलों ने खाबरोवस्क क्षेत्र में 620 मील दूर एक भूमि लक्ष्य के साथ-साथ एक नौसैनिक लक्ष्य को भी निशाना बनाया। इस घटना के बाद यूरोपीय संघ ने कथित तौर पर अपने सदस्य देशों की 45 करोड़ लोगों को विश्व युद्ध जैसी स्थिति के लिए तैयार रहने की चेतावनी दी है। रिपोर्ट के अनुसार, यूरोपीय संघ ने पूरे महाद्वीप के नागरिकों को कम से कम 72 घंटों के लिए भोजन, पानी और अन्य आवश्यक वस्तुओं को स्टोर करने का आग्रह किया है।

नाटो के महासचिव मार्क रूट ने चेतावनी दी कि रूस 2030 तक यूरोप में एक और हमला करने में सक्षम हो सकता है। उनकी चेतावनी के बाद यूरोपीय देशों में हड़कंप मचा हुआ है। इस चेतावनी के बाद अधिकतर नाटो देश युद्ध के लिए अग्रिम तैयारियां कर रहे हैं, जिनमें फ्रांस, जर्मनी और पोलैंड जैसे देश भी शामिल हैं। दावों पर प्रतिक्रिया देते हुए, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने मास्को पर 'हेरफेर और धमकी' का आरोप लगाया और कहा कि हम उन पर विश्वास नहीं करते। दुनिया वास्तव में रूस पर विश्वास नहीं करती। दुर्भाग्य से, अब भी, बुधवार को वार्ता के दिन ही, हम देखते हैं कि रूसियों ने पहले से ही हेरफेर करना शुरू कर दिया है।

यूरोप में तीसरे विश्व युद्ध की आशंका से हाहाकार मचा हुआ है। यूरोपीय यूनियन और नाटो ने सदस्य देशों को अलर्ट रहने को कहा है। इतना ही नहीं, कई देशों ने तो अपने नागरिकों से जरूरी सामानों को स्टोर करने और युद्ध के लिए तैयार रहने का अल्टीमेटम दिया है।

हमारी प्रतिक्रिया विनाशकारी होगी: नाटो महासचिव

नाटो के महासचिव मार्क रूट ने वारसॉ में कहा कि अगर कोई गलत अनुमान लगाता है और सोचता है कि वे पोलैंड या किसी अन्य सहयोगी पर हमला करके बच सकते हैं, तो उन्हें इस भयंकर गठबंधन की पूरी ताकत से सामना करना पड़ेगा। हमारी प्रतिक्रिया विनाशकारी होगी। उनका यह बयान यूक्रेन के शहर सुमी पर रूसी मिसाइल हमले के कुछ घंटों बाद आया जिसमें दर्जनों लोग मारे गए। उन्होंने कहा कि यह व्लादिमीर व्लादिमीरोविच पुतिन और किसी भी अन्य व्यक्ति को बहुत स्पष्ट होना चाहिए जो हम पर हमला करना चाहते हैं।

जेलेंस्की बोले- जल्द पुतिन की मौत होगी

पेरिस। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बिगड़ते स्वास्थ्य की खबरों के बीच यूक्रेन राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा कि जल्द ही पुतिन की मौत हो जाएगी और फिर सब कुछ (यूक्रेन जंग) खत्म हो जाएगा। यह एक फैक्ट है। जेलेंस्की ने 26 मार्च को पेरिस में यूरोपीय पत्रकारों के साथ एक इंटरव्यू के दौरान यह बयान दिया।

रूस को बताया नाटो के लिए सबसे बड़ा खतरा

तैयारी और संकट प्रबंधन आयुक्त हादजा लाहबीब ने कहा कि यूरोप के सामने आने वाले खतरे पहले से कहीं अधिक जटिल हैं। यूरोपीय संघ के प्रमुख रूट ने चेतावनी दी कि रूस यूरोपीय धरती पर एक और बड़ा हमला करने में सक्षम है। उन्होंने कहा कि हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि रूस हमारे गठबंधन के लिए सबसे बड़ा और सबसे बड़ा खतरा है और रहेगा। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि रूस युद्धकालीन अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है, और इसका उनके सशस्त्र बलों के निर्माण की क्षमता और योग्यता पर बहुत बड़ा प्रभाव पड़ेगा।

रूस को ग्लोबल मार्केट में पहुंचने से रोके अमेरिका

जेलेंस्की के इस बयान से एक दिन पहले ही अमेरिका की मध्यस्थता से रूस और यूक्रेन के बीच ब्लैक सी में सीजफायर समझौता हुआ था। अमेरिका ने कहा है कि वो ग्लोबल एग्रीकल्चर और फर्टिलाइजर मार्केट में रूस की पहुंच फिर से बहाल करने में मदद करेगा। जेलेंस्की ने कहा कि यह बहुत जरूरी है कि अमेरिका पुतिन को इस ग्लोबल मार्केट में एंट्री करने में मदद न करे। मेरा मानना है कि यह खतरनाक है। अमेरिका पुतिन को बिना शर्त सीजफायर के कहेगा।

जापान के प्रतिनिधिमंडल से मिले पीएम

दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने पर हुई विस्तृत चर्चा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी ने जापान कॉर्पोरेट कार्यकारी संघ के अध्यक्ष ताकेशी निनामी के नेतृत्व वाले एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। पीएम मोदी ने भारत और जापान के बीच आर्थिक सहयोग को गहरा करने के लिए उनके विचारों और सुझावों को सुना। इस चर्चा में द्विपक्षीय व्यापार को मजबूत करना, निवेश के अवसरों को बढ़ाना तथा कृषि, समुद्री उत्पाद, अंतरिक्ष, रक्षा, बीमा, प्रौद्योगिकी, अवसंरचना, नागरिक उड्डयन, स्वच्छ ऊर्जा, परमाणु ऊर्जा और एमएसएमई भागीदारी जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देना शामिल था। पीएम ने भारत-जापान विशेष रणनीतिक और वैश्विक भागीदारी पर प्रकाश डाला और व्यापार के अनुकूल वातावरण प्रदान करने के भारत के दृढ़ संकल्प दोहराया।

भारत का शासन नीति संचालित

पीएम मोदी ने भारत में जापानी निवेश को सुविधाजनक बनाने और तेजी लाने के लिए भारत में विकसित जापान प्लस प्रणाली पर भी चर्चा की। इस बात पर भी जोर दिया कि निवेशकों के लिए कोई अस्पष्टता या हिचकिचाहट नहीं होनी चाहिए। भारत का शासन नीति संचालित है और सरकार पारदर्शी और पूर्वानुमानित वातावरण सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। पीएम ने देश में विमानन क्षेत्र के विकास पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि भारत नए हवाई अड्डों के निर्माण और रसद क्षमताओं के विस्तार सहित महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे के निर्माण की दिशा में भी काम कर रहा है।

श्रीलंकाई नौसेना ने 11 भारतीय मछुआरों को किया गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶ कोलंबो

श्रीलंकाई नौसेना ने गुरुवार को विशेष अभियान के तहत उत्तरी क्षेत्र में डेल्फ़्ट द्वीप के समीप 11 भारतीय मछुआरों को कथित रूप से अपने जलक्षेत्र में अवैध रूप से मछली पकड़ने के आरोप में गिरफ्तार किया और उनकी ट्रॉलर को जब्त कर लिया। गिरफ्तार किए गए मछुआरों को कांकासनथुराई बंदरगाह लाया गया है, जहां उन्हें आगे की कानूनी कार्यवाही के लिए मैलाडी के मत्स्य निरीक्षक को सौंपा जाएगा।

पाक जेल में भारतीय मछुआरे की मौत

कराची। पाकिस्तान के कराची की मलीर जेल में बंद 52 वर्षीय मछुआरे की मौत हो गई। उसने कथित तौर पर अपनी कोठरी में आत्महत्या कर ली। मछुआरे का शव बैरक के शौचालय में रस्सी से लटका मिला। वह फरवरी 2022 से जेल में बंद था। जेल अधीक्षक अरशद हुसैन ने बताया कि गौरव राम आनंद ने मंगलवार रात बैरक के शौचालय में रस्सी से फांसी लगा ली। उन्होंने बताया कि आनंद को जेल के डॉक्टरों ने रात करीब 2:30 बजे मृत घोषित कर दिया। आनंद के शव को ईधी ट्रस्ट के शवगृह भेज दिया गया है, जहां औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं।

युवाओं को संबोधित करते हुए बोले विदेश मंत्री एस. जयशंकर

भारत, आशावादी समाज और तकनीक अपनाने में अग्रणी, ऐसा दुनिया में नहीं

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने बुधवार को नई दिल्ली स्थित जवाहरलाल नेहरू भवन में सेंट्रल एशिया यूथ डेलिगेशन को संबोधित किया। उन्होंने भारत के आशावादी दृष्टिकोण और देश के युवाओं द्वारा तकनीक को तेजी से अपनाने को प्रमुख विशेषता बताया। उन्होंने कहा कि आज, हम एक बहुत ही आशावादी समाज हैं। अगर आप भारत के युवाओं से पूछेंगे, तो उन्हें लगता है कि उनका जीवन बेहतर होगा।

एआई फ्रेंडली तकनीक

उन्होंने कहा कि देश को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) फ्रेंडली बनाने के लिए तकनीक को अपनाने की मानसिकता विकसित करनी होगी। एशिया सोसायटी के क्यूंग-व्हा कांग के साथ बातचीत में भारत और अमेरिका के व्यापारिक संबंधों पर चर्चा की। कहा कि दोनों देशों के बीच व्यापार को लेकर खुली बातचीत होती है। साल के अंत तक एक द्विपक्षीय व्यापार समझौते को पूरा करने पर सहमत हुए हैं।

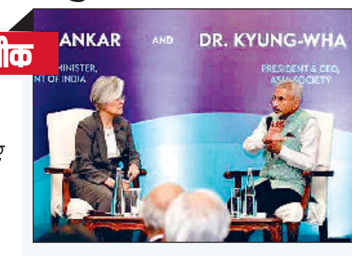

युवा नई तकनीक अपना रहे

जयशंकर ने भारत के इस सकारात्मक दृष्टिकोण की तुलना वैश्विक स्थिति से करते हुए कहा कि दुनिया के हर हिस्से में ऐसा आत्मविश्वास नहीं है। उन्होंने भारतीय युवाओं में तकनीक अपनाने की प्रवृत्ति को भी उजागर किया।

लाल सागर में पर्यटन पनडुब्बी डूबने से हुआ बड़ा हादसा

40 में से 6 की मौके पर ही मौत, 14 घायल, 4 की हालत गंभीर

एजेंसी ▶▶ काहिरा

मिस्र के हर्गड़ा शहर के पास लाल सागर में एक पर्यटन पनडुब्बी डूबने से बड़ा हादसा हो गया। घटना में छह लोगों की मौत हो गई, जिनमें 4 रूस के नागरिक और 2 मिस्र के थे। जबकि 14 लोग घायल हो गए हैं। इनमें से चार की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे के वक्त पनडुब्बी में करीब 40 यात्री सवार थे। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, गुरुवार सुबह यह दुर्घटना हुई, जिसके बाद रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। बचाव दल ने अब तक 29 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है। घायलों को तुरंत पास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। हालांकि, अभी तक इस हादसे की वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है। वहीं, विशेषज्ञों का मानना है कि तकनीकी खराबी, सुरक्षा मानकों की अनदेखी या समुद्र की प्रतिकूल परिस्थितियां इस दुर्घटना की वजह हो सकती हैं।

29 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला

हादसे की वजह अभी तक स्पष्ट नहीं

पिछले साल भी हुआ था हादसा

हर्गड़ा मिस्त्र का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो अपनी खूबसूरत समुद्री तटरेखाओं और कोरल रीफ्स के लिए जाना जाता है। टूरिस्टों को समुद्र के अंदर का अनुभव देने के लिए यहां कई तरह की नौकाएं और पनडुब्बियां चलाई जाती हैं। हाल के सालों में इस क्षेत्र में पर्यटक नौकाओं से जुड़े कई हादसे सामने आए हैं। इससे पहले, पिछले साल नवंबर में 'सी स्टोरी' नाम की एक टूरिस्ट बोट डूब गई थी, जिसमें 11 लोग मारे गए थे या लापता हो गए थे, जबकि 35 लोगों को बचा लिया गया था।

प्रशासन ने दिए जांच के आदेश

हर्गड़ा और रेड सी तट पर टूरिस्टों की संख्या ज्यादा होने के कारण इन हादसों को लेकर चिंता बढ़ गई है। सरकार पर अब दबाव बढ़ रहा है कि वह टूरिस्ट पनडुब्बियों की सुरक्षा जांच को और कड़ा करे। इस दुर्घटना के बाद रेड सी में चल रही अन्य टूरिस्ट पनडुब्बियों की सुरक्षा को लेकर सवाल उठने लगे हैं। प्रशासन ने हादसे की जांच के आदेश दे दिए हैं।

ट्रंप का विदेश में बने वाहनों पर 25% टैरिफ लगाने का ऐलान

साझेदारों के साथ बढ़ेगा तनाव, कार की कीमतों और नौकरियों पर पड़ेगा असर

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को ऑटो आयात पर भारी टैरिफ लगाने का एलान किया। इस फैसले अमेरिका का व्यापारिक साझेदारों के साथ तनाव बढ़ सकता है। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में कहा, हम अमेरिका के बाहर बनी सभी कारों पर 25 फीसदी टैरिफ लगाएंगे। लेकिन अगर कार अमेरिका में बनी है, तो उस पर कोई टैरिफ नहीं लगेगा। यह टैरिफ दो अप्रैल से लागू होंगे और विदेश में बनी कारों व हल्के ट्रकों पर असर डालेगा। यह मौजूदा टैरिफ के अतिरिक्त होगा। ऑटोमोटिव रिसर्च सेंटर के मुताबिक, अमेरिकी टैरिफ कारों की कीमत को हजारों डॉलर तक बढ़ा सकता है।

कनाडाई पीएम बोले- यह हमारे देश पर सीधा हमला

टोरंटो। कनाडा के पीएम मार्क कार्नी ने बुधवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से ऑटोमोबाइल आयात पर 25 फीसदी टैरिफ की घोषणा को अपने देश पर 'सीधा हमला' करार दिया। उन्होंने कहा कि यह व्यापार युद्ध न केवल कनाडा, बल्कि खुद अमेरिकी अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचा रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका के उपभोक्ताओं को भरोसा कई वर्षों के निम्नतम स्तर पर है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109